जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026

विचार बिन्दु

चापलूसी का ज़हरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुँचा सकता जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझ कर पी न जाएँ। –प्रेमचंद

राजस्थान में ग्रामीण कनेक्टिविटी का वर्तमान स्वरूप

राजस्थान, अपनी सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत और चौड़ी रेतीली भूमि के लिए जाना जाता है। ग्रामीण भारत की तरह यहाँ की आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों में निवास करता है और ग्रामीण कनेक्टिविटी, अर्थात् सड़कों, परिवहन, डिजिटल नेटवर्क और आधारभूत सुविधाओं के माध्यम से लोगों के आपसी और बाहरी संपर्क की स्थिति, क्षेत्र की समृद्धि और सामाजिक-आर्थिक विकास का मूल आधार है। पिछले कुछ दशकों में राजस्थान ने ग्रामीण कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार देखे हैं, पर चुनौतियाँ अभी भी व्यापक स्तर पर मौजूद हैं। पहले पहल सड़कों और भौतिक कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) और राज्य-स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से बहुत से दूरदराज़ गाँवों को कच्ची पगडंडियों और मृदा मार्गों से पक्का किया गया। इससे कृषि उपज बाज़ार तक पहुँचने, स्वास्थ्य व शैक्षिक संस्थाओं तक समय पर पहुँचना तथा रोजगार के अवसरों तक यात्रा करना सुलभ हुआ। हालांकि, हवाओं और भीषण मानसून के बाद भी कुछ क्षेत्रों में सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और नियमित मेंटेनेंस की कमी से गुणवत्तापूर्ण कनेक्टिविटी की चुनौती बनी रहती है। राजमार्गों और अंत:राज्यीय सड़क नेटवर्क ने तो शहरों को जोड़ रखा है, पर छोटे गावों और कृषि पिनकोडों तक आने वाले सार्वजनिक परिवहन की आवृत्ति सीमित रहती है। ग्रामीण परिवहन सेवाओं में निजी ऑटो, बस या साझा टैक्सियाँ सामान्य हैं, पर ये गैर-मानकीकृत और कभी-कभी महँगी भी हो सकती हैं, जिससे सतत गतिशीलता पर असर पड़ता है। इसके साथ ही, राजस्थान के ऊँचे तापमान और रेगिस्तानी इलाकों में दूरियाँ लंबी होने के कारण ईंधन व लॉजिस्टिक्स की लागत बढ़ जाती है, जो कनेक्टिविटी की समस्या को बढ़ाती है।

डिजिटल कनेक्टिविटी का आयाम हाल के वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण बन गया है। डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं और दूरसंचार कंपनियों के विस्तार से गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी और इंटरनेट पहुंच में बड़ा उछाल आया है। स्मार्टफोन और मोबाइल इंटरनेट ने बैंकिंग, कृषि जानकारी, ऑनलाइन शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी सेवाओं को गाँवों तक पहुँचाने में मदद की है। फिर भी डिजिटल विभाजन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। कई दूरदराज़ और पहाड़ी/रेतीले इलाकों में नेटवर्क कवरेज अस्थिर रहता है; किफायती डेटा पैक्स के बावजूद डिजिटल साक्षरता, डिवाइस-एक्सेस और स्थानीय भाषा में उपयुक्त सामग्री की कमी लोगों को पूरी तरह डिजिटल सेवाओं से वंचित कर देती है। साथ ही बिजली की अनियमित आपूर्ति और चार्जिंग सुविधाओं की कमी भी स्मार्टफोन आधारित कनेक्टिविटी को प्रभावित करती है। इसलिए डिजिटल कनेक्टिविटी में पहुंच बढ़ाने के लिए अवसंरचना के साथ-साथ कौशल विकास और स्थानीय भाषा-आधारित कंटेंट पर ध्यान देना जरूरी है।

सामाजिक और आर्थिक कनेक्टिविटी के हिसाब से ग्रामीण इलाकों का समेकन बाजारों एवं सेवाओं से जुड़कर हुआ है। उदाहरण के लिए, कृषि-उत्पादों की बाज़ार पहुंच के लिए मंडियों और रीयल-टाइम प्राइस सूचना का होना किसानों को बेहतर दाम दिलाने में सक्षम बनाता है। ई-ग्रामीण-हाट और ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने कुछ हद तक छोटे उत्पादकों के लिए बाजार खोले हैं, पर लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, गुणवत्ता मानक और ब्रांडिंग जैसी चुनौतियाँ बनी रहीं। राजस्थान में हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों का बड़ा भंडार है; यदि ग्रामीण कनेक्टिविटी को बेहतर किया जाए खासकर परिवहन और कोल्ड स्टोरेज लॉजिस्टिक्स के माध्यम से तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में समृद्धि लाने की संभावना और बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में बैंक शाखाओं की संख्या घटने के बाद भी मोबाइल बैंकिंग और बैंकिंग-सम्बन्धी सेवा केंद्रों ने काम चलाया है, पर डिजिटल धोखाधड़ी और सीमित वित्तीय साक्षरता जोखिम बने हुए हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा की कनेक्टिविटी भी ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता का निर्णायक घटक है। ग्राामीण अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का नेटवर्क तो व्यापक है, पर उनकी सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति और आपातकालीन परिवहन की सीमाएँ अक्सर ग्रामीणों को शहरों का रुख करने पर विवश करती हैं। टेलीमेडिसिन सेवाओं ने काफी मदद दी है, विशेषकर कोविड-19 महामारी के बाद, पर भरोसेमंद इंटरनेट और स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की प्रशिक्षण की आवश्यकता बनी रहती है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्लासरूम और दूरस्थ शिक्षण से बच्चों को लाभ पहुंचा है, पर शिक्षक-शिक्षण की गुणवत्ता, भौतिक कक्षाओं की स्थिति और छात्र-छात्राओं के पास डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता में असमानता दिखती है। इससे किन्हीं क्षेत्रों में शैक्षिक परिणामों और दीर्घकालिक मानव संसाधन विकास पर फर्क पड़ता है।

> **भविष्य की दिशा में राजस्थान के ग्राामीण कनेक्टिविटी के लिए कई संभावनाएँ हैं। एकीकृत दृष्टिकोण जिसमें सड़क, परिवहन, डिजिटल नेटवर्क, ऊर्जा, जल और सामाजिक-सांस्कृतिक पहलें शामिल हों, सबसे प्रभावी साबित होगा। हाइब्रिड समाधान जैसे सौर-पावर्ड मोबाइल टावर, माइक्रो-लॉजिस्टिक्स हब, कम लागत वाले ई-वाहन और स्थानीय भाषा में डिजिटलीकरण ग्रामीण कनेक्टिविटी को तेजी से मजबूत कर सकते हैं।**

ऊर्जा और जल जैसी आधारभूत कनेक्टिविटी का भी ग्रामीण जीवन पर गहरा प्रभाव है। राजस्थान में अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, ग्रामीण कनेक्टिविटी के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है। सौर पम्प, सोलर-ऑन-ग्रिड और ऑफ-ग्रिड सिस्टम ने न केवल बिजली पहुंचाने में योगदान दिया है बल्कि कृषि, घरेलू उपयोग और लघु उद्योगों को सशक्त किया है। फिर भी, बैटरी-भंडारण, मेंटेनेंस और लागत संबंधित मुद्दे हैं जिन पर निरंतर काम होना चाहिए। जल स्त्रोतों और सिंचाई नेटवर्क के बेहतर कनेक्टिविटी से कृषि उत्पादन में सुधार आ सकता है; पर राजस्थान जैसे शुष्क प्रदेश में पानी की दूरी, वितरण तंत्र और सिंचाई संरचनाओं का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। नहरों और ट्यूबवेल्स के साथ ग्रामीण सड़कों का समन्वय, तालाबों का संरक्षण और स्थानीय जल संचयन व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी और जीविकोपार्जन दोनों को सुदृढ़ कर सकते हैं।

सुरक्षा व आपात-प्रतिक्रिया नेटवर्क भी ग्राामीण कनेक्टिविटी का हिस्सा हैं। बाढ़, सूखा, भूस्खलन या दूसरे प्राकृतिक आपदाओं के समय तेज और विश्वसनीय कनेक्टिविटी जीवन रक्षक होती है। राजस्थान में आपदा प्रबंधन के लिए सूचना तंत्रों और स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, पर दूरदराज इलाकों में चेतावनी प्रणाली और त्वरित सेवा पहुँचाने के साधनों का विकास और ज़रूरी है। सामुदायिक स्तर पर रेडियो और मोबाइल अलर्ट सिस्टम तथा स्थानीय स्वयंसेवी नेटवर्क को सशक्त करने से आपदा प्रबंधन में सुधार सम्भव है।

राजनीतिक व प्रशासनिक कनेक्टिविटी – यानी नीतियाँ, बजट प्रवाह, और योजना-नियमन ने ग्रामीण कनेक्टिविटी के विस्तार में निर्णायक भूमिका निभाई है। केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाएँ जैसे PMGSY, ग्रामीण शौचालय, जल जीवन मिशन, और डिजिटल इंडिया ने संसाधनों और दिशा-निर्देशों के माध्यम से सकारात्मक प्रभाव डाला है। राजस्थान सरकार ने भी ग्रामीण विकास के लिए कई प्रकल्प और प्रतियोगी नीतियाँ लागू की हैं। पर चुनौतियाँ ऐसी हैं कि योजनाओं का प्रभाव अक्सर स्थानीय कार्यान्वयन क्षमता, पारदर्शिता और निगरानी पर निर्भर करता है। संसाधनों का रखरखाव और स्थानीय स्तर पर समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित करना नीतिगत प्राथमिकता होनी चाहिए, वरना निवेश का दीर्घकालिक लाभ सीमित रह जाता है।

संस्कृति और सामाजिक संरचना भी कनेक्टिविटी की व्याख्या में महत्वपूर्ण है। ग्रामीण राजस्थान की जमीनी संस्कृति, जातीय-सामाजिक ढाँचा और परम्पराएँ सामाजिक नेटवर्किंग का आधार हैं। यह सामाजिक कनेक्टिविटी सामुदायिक संसाधनों के साझा प्रबंधन, स्थानीय स्थायी विकास और एक दूसरे के सहयोग का आधार बनती है। परंतु कभी-कभी सामाजिक बंदिशें, लैंगिक असमानता या मान्यताएँ महिलाओं और वंचित वर्गों की कनेक्टिविटी-चाहे आर्थिक हो या डिजिटल-को बाधित कर देती हैं। इसलिए समावेशी नीतियाँ और स्थानीय जन-साक्षरता कार्यक्रम भी उतने ही जरूरी हैं जितना कि इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश।

भविष्य की दिशा में राजस्थान के ग्रामीण कनेक्टिविटी के लिए कई संभावनाएँ हैं। एकीकृत दृष्टिकोण जिसमें सड़क, परिवहन, डिजिटल नेटवर्क, ऊर्जा, जल और सामाजिक-सांस्कृतिक पहलें शामिल हों, सबसे प्रभावी साबित होगा। हाइब्रिड समाधान जैसे सौर-पावर्ड मोबाइल टावर, माइक्रो-लॉजिस्टिक्स हब, कम लागत वाले ई-वाहन और स्थानीय भाषा में डिजिटलीकरण ग्रामीण कनेक्टिविटी को तेजी से मजबूत कर सकते हैं। ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय बाज़ारों का आधुनिकीकरण, संग्रह व पैकेजिंग सुविधाएँ, तथा छोटे-छोटे ठंडे भंडारों का जाल बनाना चाहिए जिससे उत्पादों की वैल्यू बढ़े। साथ ही, डिजिटल साक्षरता का विस्तृत मिशन, विशेषकर महिलाओं व युवा वर्ग के लिए, और स्थानीय कंटेंट क्रिएशन पर जोर देना आवश्यक होगा ताकि तकनीक का लाभ वास्तविक अर्थों में नींव तक पहुँचे।

राजस्थान में ग्रामीण कनेक्टिविटी का वर्तमान स्वरूप मिली-जुली तस्वीर पेश करता है जहाँ पक्की सड़कों, मोबाइल कवरेज, और सरकारी योजनाओं की बदौलत कई सुधार हुए हैं, वहीं गुणवत्ता, रखरखाव, डिजिटल साक्षरता, ऊर्जा एवं जल-संरचनाओं की सीमाएँ और सामाजिक-असमानताएँ बनी हुई हैं। इन दुर्बलताओं को दूर करने के लिए न केवल वित्तीय निवेश, बल्कि स्थानीय क्षमता निर्माण, टेक्नोलॉजी का उपयुक्त उपयोग, और समुदाय-आधारित योजनाओं की आवश्यकता है। यदि इन सभी पहलुओं पर समन्वित नीति और निरंतर निगरानी की जाए तो राजस्थान के ग्रामीण इलाके न केवल बेहतर जुड़े हुए दिखेंगे बल्कि आर्थिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी संकेतकों में भी उल्लेखनीय उछाल लाने में सक्षम होंगे।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

समान नागरिक संहिता : डॉ. अम्बेडकर की दृष्टि, संवैधानिक पंथनिरपेक्षता और राजस्थान का वर्तमान संदर्भ

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code—UCC) भारत के संवैधानिक विमर्श में केवल व्यक्तिगत कानूनों के सुधार का विषय नहीं है, बल्कि समान नागरिकता, पंथनिरपेक्षता, विधि के शासन और सामाजिक न्याय से जुड़ा व्यापक प्रश्न है। किसी पंथनिरपेक्ष राज्य का आधार यह है कि राज्य नागरिकों के नागरिक अधिकारों और दायित्वों को केवल उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अलग-अलग न निर्धारित करे। भारतीय संविधान की पंथनिरपेक्षता संविधान की Basic Structure का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए यूसीसी की बहस को किसी धर्म के पक्ष या विपक्ष में न देखकर समान नागरिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संवैधानिक संतुलन के रूप में समझना अधिक उचित होगा।

इस संदर्भ में 23 नवम्बर 1948 की संविधान सभा की बहस अत्यंत महत्वपूर्ण है। Draft Article 35 पर चर्चा करते हुए डॉ. भीमराव डॉ अम्बेडकर ने यूसीसी के संबंध में एक ऐसा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जो आज भी इस बहस की दिशा निर्धारित कर सकता है। Draft Article 35 ही आगे चलकर संविधान के अनुच्छेद 44 के रूप में अस्तित्व में आया। डॉ. अम्बेडकर का सबसे महत्वपूर्ण कथन था कि यह प्रश्न कि भारत में Uniform Civil Codes बनाया जा सकता है या नहीं, अब कुछ हद तक अप्रासंगिक हो चुका है, क्योंकि भारत पहले ही उस क्षेत्र का बड़ा हिस्सा एकरूप कर चुका था जिसे Civil Code के अंतर्गत समझा जा सकता है। उनका प्रसिद्ध कथन था:–"It is therefore too late now to ask the question whether we could do it.As I say, we have already done it." इस कथन का अर्थ यह नहीं था कि उस समय भारत में आज की परिकल्पना वाला पूर्ण यूसीसी मौजूद था। बल्कि डॉ. अम्बेडकर यह बता रहे थे कि भारतीय विधि व्यवस्था पहले ही अनेक नागरिक क्षेत्रों में धर्म-आधारित अलग-अलग कानूनों से आगे बढ़कर समान कानून अपना चुकी थी। इसलिए यह कहना कि भारत की विविधता के कारण नागरिक विधि में कोई एकरूपता संभव ही नहीं है, ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा।

यूसीसी और पंथनिरपेक्ष राज्य :पंथनिरपेक्षता का अर्थ धर्म-विरोध नहीं है। भारतीय पंथनिरपेक्ष ता का मूल विचार यह है कि राज्य सभी धर्मों के प्रति समान संवैधानिक दृष्टिकोण रखे और नागरिक अधिकारों की गारंटी धर्म की पहचान से स्वतंत्र रूप से करे। इसी कारण यूसीसी को धर्म समाप्त करने वाले कानून के रूप में देखना उचित नहीं है। विवाह की धार्मिक विधि, पूजा-पद्धति, धार्मिक संस्कार और सांस्कृतिक परम्पराएँ एक विषय हैं; जबकि विवाह के नागरिक परिणाम, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे विषय दूसरे हैं। यूसीसी का मुख्य संबंध दूसरे क्षेत्र से है। यही अंतर की संवैधानिक प्रकृति को समझने के लिए आवश्यक है।

डॉ. अम्बेडकर का ऐतिहासिक तर्क- संविधान सभा में डॉ अम्बेडकर ने उस धारणा को चुनौती दी कि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून पूरे भारत में प्राचीन काल से एक समान और अपरिवर्तनीय रहा है। उन्होंने North-West Frontier Province का उदाहरण दिया और बताया कि 1935 तक वहाँ मुस्लिम समुदाय के उत्तराधिकार आदि के मामलों में हिन्दू कानून का प्रभाव था। बाद में विधायी हस्तक्षेप द्वारा शरियत कानून लागू किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि 1937 से पहले United Provinces, Central Provinces और Bombay के अनेक हिस्सों में मुसलमानों के उत्तराधिकार संबंधी मामलों में हिन्दू कानून लागू होता था। 1937 के Shariat Acts के माध्यम से इस स्थिति में परिवर्तन किया गया। यह उदाहरण डॉ. अम्बेडकर के तर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा था। उनका उद्देश्य यह दिखाना था कि व्यक्तिगत कानूनों का इतिहास स्थिर और अपरिवर्तनीय नहीं रहा है। वे क्षेत्र, समाज और विधायी निर्णयों के अनुसार बदलते रहे हैं।

Marumakkathayam का महत्व-डॉ अम्बेडकर ने North Malabars kesâ Marumakkathayam Law का भी उल्लेख किया। यह एक मातृवंशीय व्यवस्था थी जो केवल हिन्दुओं तक सीमित नहीं थी; वहाँ मुसलमान भी इसके अधीन थे। इस उदाहरण से यह स्पष्ट होता है कि भारत में धार्मिक पहचान और नागरिक कानून का संबंध हमेशा सीधा और एकरेखीय नहीं रहा। भारतीय समाज में ऐसे अनेक customary laws रहे हैं जिनका प्रभाव एक से अधिक धार्मिक समुदायों पर पड़ा। इसलिए यूसीसी पर स्वस्थ और तथ्यपरक बहस के लिए Hindu Law, Shariat Law, Marumakkathayam और अन्य customary laws के ऐतिहासिक विकास का गंभीर अध्ययन आवश्यक है। व्यक्तिगत कानूनों को केवल वर्तमान धार्मिक पहचान के चश्मे से देखना उनके ऐतिहासिक स्वरूप को अधूरा समझना होगा।

आपराधिक कानून में ऐतिहासिक एकरूपता-भारत में विधिक एकरूपता का इतिहास केवल नागरिक कानून तक सीमित नहीं है। आपराधिक कानून के क्षेत्र में भी विभिन्न धार्मिक समुदायों ने एक समान विधिक व्यवस्था को स्वीकार किया। भारतीय मुसलमानों सहित सभी समुदायों पर लागू समान आपराधिक कानून की व्यवस्था ने यह प्रदर्शित किया कि धार्मिक विविधता और समान विधि साथ-साथ अस्तित्व में रह सकती हैं। इसी ऐतिहासिक अनुभव को नागरिक कानून के क्षेत्र में भी समझना आवश्यक है। जब अपराध और दंड के संबंध में समान कानून धार्मिक पहचान को समाप्त किए बिना लागू हो सकता है, तो नागरिक अधिकारों के कुछ क्षेत्रों में समानता की संभावना पर भी गंभीर विचार किया जा सकता है।

राजस्थान का वर्तमान संदर्भ- डॉ. अम्बेडकर की 1948 की बहस आज इसलिए और अधिक प्रासंगिक हो गई है क्योंकि राजस्थान में 2026 में Uniform Civil Code की दिशा में विधायी पहल सामने आई है। राजस्थान सरकार द्वारा UCC Bill का मसौदा तैयार किया गया और विधानसभा में विधेयक प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी।

राजस्थान के संदर्भ में डॉ. अम्बेडकर की बहस का महत्व इसलिए है कि अब प्रश्न केवल सैद्धांतिक नहीं रह गया है। वास्तविक प्रश्न यह है कि राज्य नागरिक कानून में समानता को किस स्वरूप और किस विधायी तकनीक से लागू करता है। राजस्थान में यूसीसी पर विचार करते समय विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, विवाह-पंजीकरण तथा अन्य पारिवारिक नागरिक अधिकारों को संविधान के समानता और गरिमा के सिद्धांतों के साथ पढ़ना होगा। साथ ही राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता, customary practices तथा संविधान द्वारा संरक्षित विशेष समूहों की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा है। इस प्रकार राजस्थान का यूसीसी प्रयास 1948 की संविधान सभा की बहस और वर्तमान विधायी वास्तविकता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

"Whether" से "How" तक डॉ. अम्बेडकर के विचारों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि पर बहस को केवल इस प्रश्न पर समाप्त नहीं कर देना चाहिए कि क्या भारत यूसीसी लागू कर सकता है? उनका 23 नवम्बर 1948 का कथन हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है: "We have already done it." आज इसका अर्थ यह निकाला जा सकता है कि भारत में विधिक एकरूपता की प्रक्रिया पहले से चल रही है। इसलिए वर्तमान बहस का अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है: "How should a Uniform Civil Code be designed and implemented in India? " अर्थात्-उसका स्वरूप क्या होगा? किन विषयों को उसमें सम्मिलित किया जाएगा? धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिक समानता में संतुलन कैसे बनेगा? customary lawss का क्या होगा? संक्रमणकालीन व्यवस्था कैसी होगी? और अंतत: उसकी संवैधानिक वैधता कैसे सुनिश्चित की जाएगी?

23 नवम्बर 1948 की संविधान सभा बहस में डॉ. अम्बेडकर का दृष्टिकोण आज भी यूसीसी के लिए एक महत्वपूर्ण संवैधानिक मार्गदर्शक है। उन्होंने न तो भारत की विविधता को नकारा और न व्यक्तिगत कानूनों को अपरिवर्तनीय माना। उन्होंने ऐतिहासिक उदाहरणों से दिखाया कि भारत में कानून बदलते रहे हैं और विभिन्न समुदायों ने समान कानूनों को स्वीकार किया है। उनका दृष्टिकोण मूलत: विधिक समानता, ऐतिहासिक यथार्थ, सामाजिक विविधता और लोकतांत्रिक विधायी प्रक्रिया के संतुलन पर आधारित था। आज राजस्थान में यूसीसी की विधायी पहल इस ऐतिहासिक विमर्श को एक नए चरण में ले जाती है। इसलिए राजस्थान के संदर्भ में सही प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि यूसीसी किसी धर्म की जीत या हार है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या एक ऐसा समान नागरिक कानून बनाया जा सकता है जो संविधान की समानता और गरिमा की आकांक्षा को पूरा करते हुए भारत की बहुलतावादी संस्कृति और धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करे। यही डॉ. अम्बेडकर की 23 नवम्बर 1948 की बहस का आधुनिक संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण संदेश है-Uniformity in Civil Rights, without Uniformity of Religion orCulture.

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

खैरथल तिजारा जिले में 53 नामांकन पत्र हुए दाखिल

खैरथल। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत जिले की नगर परिषद एवं नगरपालिकाओं में वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन गुरुवार को कुल 53 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इनमें कुल 52 अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन प्रस्तुत किया गया।

> ■ **तिजारा 41, भिवाड़ी 2, कोटकासिम 4, किशनगढ़ बास 5, टपूकड़ा 1, वहीं खैरथल और मुंडावर में एक भी नामांकन नहीं भरा गया**

नामांकन के प्रथम दिन नगर परिषद तिजारा में सर्वाधिक 41 नामांकन पत्र दाखिल हुए। वहीं नगर परिषद भिवाड़ी में 2 नामांकन पत्र दाखिल हुए, जिनमें 1 अभ्यर्थी शामिल है। इसी प्रकार नगरपालिका कोटकासिम में 4, किशनगढ़-बास में 5 तथा टपूकड़ा में 1 नामांकन पत्र दाखिल हुआ। जबकि नगर परिषद खैरथल एवं नगरपालिका मुंडावर में प्रथम दिन कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुआ। नगर निकायवार स्थिति के अनुसार तिजारा में 35 वार्डों के लिए 41 नामांकन, खैरथल में 45 वार्डों के लिए कोई नामांकन नहीं, भिवाड़ी में 60 वार्डों के लिए 2 नामांकन, मुंडावर में 25 वार्डों के लिए कोई नामांकन नहीं, कोटकासिम में 20 वार्डों के लिए 4 नामांकन, किशनगढ़-बास में 25 वार्डों के लिए 5 नामांकन तथा टपूकड़ा में 20 वार्डों के लिए 1 नामांकन पत्र दाखिल किया गया।

संस्कृत श्लोकों की गूंज के साथ मनाया संस्कृत दिवस

लालसोट (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय लालसोट में संस्कृत दिवस एवं स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. राजकुमार सिंह परमार ने की, जबकि संचालन कार्यक्रम अधिकारी राम खिलाड़ी मीना ने किया।

> ■ **संस्कृत दिवस के अवसर पर छात्राओं के बीच श्लोक पाठ प्रतियोगिता एवं सस्वर वाचन का आयोजन हुआ**

संस्कृत दिवस के अवसर पर छात्राओं के बीच श्लोक पाठ प्रतियोगिता एवं सस्वर वाचन का आयोजन हुआ। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मधुर स्वर में संस्कृत श्लोकों का वाचन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को संस्कृत भाषा के महत्व तथा इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया।

इसी दौरान महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता को लेकर स्वीप कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजेश कुमार मीणा ने छात्राओं को मतदान प्रक्रिया की जानकारी देते हुए लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मत लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्राओं को मतदाता अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सहायक आचार्य हरि सिंह मीणा, पवन कुमार नेनावत, श्यामसुंदर शर्मा, राजेश कुमार सैनी एवं नरेश कुमार सैनी मौजूद रहे।
उन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षा के साथ नागरिक कर्तव्यों के महत्व को समझाया। महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

अंत में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. राजकुमार सिंह परमार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत एवं मतदाता जागरूकता जैसे कार्यक्रम छात्राओं के शैक्षिणक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रक्षाबंधन से पहले रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर भीड़ रही

जयपुर। रक्षाबंधन से एक दिन पहले गुरुवार को जयपुर के रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

जयपुर जंक्शन के अलावा दुर्गापुरा, गांधीनगर और खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर सुबह से शाम तक हजारों यात्री परिवार और सामान के साथ अपने घर जाने के लिए पहुंचे। त्योहारी भीड़ के चलते प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेनों तक में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेन में चढ़ने के दौरान कई जगह धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। त्योहारी भीड़ का असर आरक्षित कोचों में भी नजर आया। यात्रियों ने बताया कि सीट कन्फर्म होने के बावजूद कोच के गेट तक पहुंचना मुश्किल रहा। परिवार के साथ यात्रा करने वालों को अधिक परेशानी हुई। वहीं, सामान्य श्रेणी के डिब्बों में यात्रियों की भीड़ और ज्यादा रही। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर आते ही यात्री पहले चढ़ने की होड़ में नजर आए।

> ■ **त्योहारी भीड़ के चलते प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेनों तक में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा**

रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में लोग जयपुर से गांव और दूसरे शहरों में जाते हैं। इसी के चलते जयपुर जंक्शन के साथ दुर्गापुरा, गांधीनगर और खातीपुरा स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले काफी बढ़ गई। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई विशेष ट्रेनें संचालित की हैं, लेकिन यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण स्टेशनों पर भीड़ बनी हुई है।

चयन के बावजूद नियुक्ति नहीं देने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेल प्रहरी भर्ती-2024 में अधिक अंक लाने के बावजूद आपराधिक प्रकरण छिपाने के आधार पर नियुक्ति नहीं देने पर कर्मचारी चयन बोर्ड सचिव और डीजी जेल से जवाब मांगा है। इसके साथ ही अदालत ने ओबीसी वर्ग का एक पद रिक्त रखने के आदेश दिए हैं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश विकम विशनोलिया की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील सिंगोदिया ने अदालत को बताया की कर्मचारी चयन बोर्ड ने 11 दिसंबर, 2024 को जेल प्रहरी के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता ने शामिल होकर ओबीसी वर्ग की मेरिट में स्थान प्राप्त किया। इसके बाद उसे दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया। याचिका में कहा गया कि गत 6 अगस्त को विभाग ने अस्थाई नियुक्ति आदेश जारी किए, लेकिन याचिकाकर्ता का नाम इस आदेश में शामिल नहीं किया। याचिकाकर्ता की ओर से प्रार्थना पत्र पेश करने पर विभाग ने जानकारी दी कि उसने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण की जानकारी नहीं दी है।

इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता को अदालत ने उसे दोषसिद्ध कर परिवीक्षा का लाभ दिया गया था। अदालत ने भी अपने आदेश में लिखा था कि परिवीक्षा के तहत दोषसिद्धि के कारण वह किसी निर्योग्यता से ग्रस्त नहीं होगा। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी तय कर चुका है कि यदि परिवीक्षा का लाभ दिया गया है तो ऐसे प्रकरण के बारे में आवेदन पत्र में खुलासा किया जाना जरूरी नहीं है।

राशिफल शुक्रवार 28 अगस्त, 2026

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 3:13 तक, अतिगंड योग प्रात: 7:28 तक, बव करण प्रात: 9:48 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग रात्रि 3:13 से सूर्योदय तक है। आज श्रावणी पूर्णिमा, सत्यव्रत, वरद लक्ष्मी व्रत, पंचक, श्रावणी उपाकर्म और कृष्ण यजुर्वेदी, जीवंतिका पूजन है। आज अमरनाथ यात्रा और कोकिला व्रत समाप्त होगा। आज रक्षाबंधन है। आज राखी बांधने का समय दिन 1:44 से दिन 4:16 तक और प्रदोष काल 6:48 से रात्रि 9:04 तक रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:43 तक, लाभ-अमृत 7:43 से 10:53 तक, शुभ 12:28 से 2:03 तक, चर 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:48

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

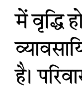

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें, कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

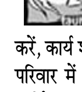

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

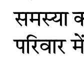

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी

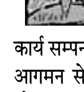

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा, सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

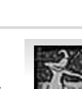

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

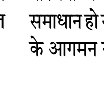

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

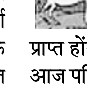

कुंभ
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। आज परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 27 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

B. N. SIRCAR – FOUNDER OF NEW THEATRES

Sircar's father was very angry with his son's choice of stepping into the risky film industry and is said to have thrown the newspaper carrying the news of the inauguration at him

The Mansion That Became a Necklace

'मूड ऑफ द नेशन सर्वे का झुकाव इंडिया ब्लॉक की तरफ है यूपी में'

इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा करवाए गए इस सर्वे में यूपी की लोकसभा की 41 सीटें इंडिया ब्लॉक को व 38 सीटें एनडीए को मिलती दिखाई गई हैं। यह संख्या इतनी महत्वपूर्ण नहीं है, जितना महत्वपूर्ण यह ट्रेंड है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए संभावित चिंता का कारण बनता जा रहा है। ताजा इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन (एमओटीएन) सर्वे के मुताबिक, यदि अभी लोकसभा चुनाव होते हैं तो राज्य में इंडिया गठबंधन भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए पर मामूली बढ़त हासिल कर सकता है।

कुल 80 लोकसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश किसी भी राष्ट्रीय चुनावी गणित के लिए बेहद अहम है, इसलिए ये नतीजे महत्वपूर्ण हैं। अगस्त 2026 के एमओटीएन सर्वे में इंडिया गठबंधन को 41 सीटें और एनडीए को 38 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। जनवरी के सर्वे की तुलना में एनडीए का अनुमानित आंकड़ा 48 से घटकर 38 सीट रह गया है, जबकि इंडिया गठबंधन की सीटें 31 से बढ़कर 41 हो गई हैं।

- **सर्वे के नतीजे भाजपा के लिए चिंताजनक चेतावनी लगते हैं, क्योंकि जनवरी में हुए सर्वे में एनडीए को 48 सीटें मिलती दिख रही थीं, जो इस सर्वे में घटकर 38 रह गई हैं, जबकि जनवरी में इंडिया ब्लॉक को 31 सीटें मिल रही थीं, वो बढ़कर 41 हो गई हैं।**
- **वोट शेयर के आंकडे भी इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। यूपी में इंडिया ब्लॉक को 40 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, एनडीए का वोट शेयर 42 प्रतिशत रहने का अनुमान हैं, जो जनवरी की तुलना में 5 प्रतिशत कम है।**
- **दोनों गठबंधनों के बीच वोट प्रतिशत का घटता अंदर एनडीए के लिए चिंताजनक संकेत है।**
- **मूड ऑफ द नेशन सर्वे एक द्विवार्षिक सर्वे है, जो करीब दो दशक से आयोजित हो रहा है।**

वोट शेयर के आंकड़े भी इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को 40 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जो जनवरी के मुकाबले दो प्रतिशत कम है। वहीं एनडीए का वोट शेयर 42 प्रतिशत रहने का अनुमान है, लेकिन जनवरी के अनुमान की तुलना में इसमें पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। दोनों गठबंधनों के बीच घटता अंतर संकेत देता है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का चुनावी आधार दबाव में आ सकता है।

ये आंकड़े 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से भी काफी हद तक मेल खाते हैं। उस चुनाव में उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन ने 43 सीटें, जबकि एनडीए ने 36 सीटें जीती थीं। ताजा अनुमान में, गठबंधन 2024 के अपने आंकड़े से सिर्फ दो सीट पीछे और अपने पिछले प्रदर्शन से दो सीट आगे दिखाई दे रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात जनवरी 2026 के सर्वे से हुआ बड़ा बदलाव है। उस समय एनडीए को 48 सीटें मिलने का अनुमान था, जो इंडिया गठबंधन की 31 सीटों से काफी आगे था। छह महीने बाद अनुमानित राजनीतिक संतुलन विपक्षी गठबंधन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मराठी सीखने के लिए एक साल की मोहलत

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। महाराष्ट्र में गैर-मराठी ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को बातचीत के लायक मराठी सीखने के लिए एक साल की अतिरिक्त मोहलत मिल गई है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने लाइसेंस और परमिट रद्द करने की प्रस्तावित नीति को फिलहाल रोक दिया है।

यह फैसला परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आया है कि मराठी

- **ऑटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर्स ऑर्गनाइज़ेशन के आग्रह पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह आदेश दिया।**

बोलने में सक्षम नहीं होने वाले चालकों के लाइसेंस और परमिट रद्द किए जा सकते हैं। अब फडणवीस ने चालकों को एक साल का समय और दिया है और कहा है कि इस अवधि के दौरान भाषा की अनिवार्यता पूरी न करने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात की थी और चालकों को मराठी सीखने के लिए एक अतिरिक्त वर्ष देने का अनुरोध किया था। सरकार ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए यह मोहलत देने का फैसला किया है।

महाराष्ट्र सरकार ने यह फैसला 24

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लॉ स्टूडैंट्स में सीजेआई सूर्यकांत का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा

छात्रों के विरोध के कारण बैंगलूरु के नैशनल लॉ स्कूल युनिवर्सिटी का 34वां दीक्षांत समारोह भी रद्द कर दिया गया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। देश के न्यायिक क्षेत्र से जुडे एक और विवाद में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बेंगलुरु ने अपना 34वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया है। छात्रों के एक समूह ने समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की संभावित मौजूदगी का कड़ा विरोध किया था।

इस महीने की शुरुआत में हैदराबाद की नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में भी विवाद खड़ा हो गया था, जब नलसार के 1,400 छात्रों में से करीब 450 छात्रों ने दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश को आमंत्रित किए जाने के खिलाफ अभियान शुरू किया था।

नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ की निर्वाचित छात्र संस्था "स्टूडेंट बार काउंसिल" ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया की निंदा की थी। बीसीआई ने

- **युनिवर्सिटी के छात्रों ने वार्षिक दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत और बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के प्रमुख मनन कुमार मिश्रा को मुख्य अतिथि बनाने पर विरोध जताया था।**
- **यह कार्यक्रम 12 सितम्बर को होना था। अब छात्रों को डिग्रियाँ कूरियर की जाएंगी, छात्र इन्हें युनिवर्सिटी से भी ले सकेंगे।**
- **ज्ञातव्य है कि हैदराबाद की नलसार युनिवर्सिटी ऑफ लॉ के दीक्षांत समारोह को भी रद्द करना पड़ा था, क्योंकि छात्रों ने सीजेआई को मुख्य अतिथि बनाने का विरोध किया था।**

पहले 2026 में नलसार से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के बैच, पर अब वापस लिया जा चुका, प्रतिबंध लगाया था। छात्र संस्था ने बीसीआई के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा से छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए माफी मांगने की भी मांग की थी।

एनएलएसआईयू का दीक्षांत समारोह 12 सितंबर को होना था और बताया गया था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और बीसीआई अध्यक्ष मिश्रा को समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस फैसले से छात्र नाराज हो गए थे।

एनएलएसआईयू की ओर से जारी एक सूचना के अनुसार, दीक्षांत समारोह को अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण रद्द कर दिया गया है और स्नातकों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 स्टार में 10 दिन छुट्टी बिताई, 5.74 लाख रूपए का बिल नहीं दिया

उदयपुर के ओबेरॉय उदय विलास होटल ने इस घटना पर क्षेत्रीय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। दिल्ली के चार लोगों के एक परिवार ने उदयपुर के आलीशान ओबेरॉय उदयविलास होटल में 10 दिन छुट्टी बिताई और, कथित तौर, पर चेकआउट के समय होटल का बिल देने से इनकार कर दिया। खबरों के अनुसार, 12 अगस्त 2026 को अनुराग यादव नाम के एक व्यक्ति ने मेकर बहा ट्रैवल एजेंसी के जरिए इस 5-स्टार होटल में बुकिंग कराई थी। वह 14 से 23 अगस्त तक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ होटल में ठहरा। परिवार ने कथित तौर पर होटल की कई सेवाओं का इस्तेमाल किया, जिनमें दोपहर और रात का खाना भी शामिल था।

चेकआउट के समय परिवार को

- **नई दिल्ली के अनुराग यादव ने अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ होटल में 10 दिन स्टे किया और होटल की कई सेवाओं का उपयोग किया। पर, चैक आउट के समय 5.74 लाख रूपए का बिल देने से मना कर दिया।**
- **अनुराग यादव ने कहा कि मेकर बाहा ट्रैवल एजेंसी, जिसके जरिए उसने होटल बुक कराया था, ही यह रकम चुकाएगी। ट्रैवल एजेंसी ने भी रकम चुकाने से इन्कार कर दिया और कहा कि बुकिंग के समय यादव से ऐसी कोई बात नहीं हुई थी।**

10 दिन ठहरने का 5.74 लाख रुपये का बिल दिया गया। लेकिन यादव ने कथित तौर पर भुगतान करने से इनकार कर दिया और कहा कि ट्रैवल एजेंसी यह रकम चुकाएगी। लेकिन ट्रैवल एजेंसी ने कहा है कि बुकिंग के समय उसके और यादव के बीच ऐसी कोई व्यवस्था नहीं हुई थी।

होटल के संपर्क अधिकारी रविंद्र सिंह ने अंबामाता पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब की राजनीति को प्रभावित करेगी, राम रहीम की रिहाई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। दुष्कर्म के मामलों में दोषी ठहराया गया गुरमीत राम रहीम सिंह के एक बार फिर रोहतक

- **राम रहीम को फरलो के तहत रिहाई मिली और बताया जा रहा है कि 2027 में पंजाब विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र यह रिहाई महत्वपूर्ण है।**

की सुनारिया जेल से 21 दिन की फरलो पर बाहर आने पंजाब में डेरा सच्चा सौदा के प्रभाव, उसके चुनावी प्रभाव क्षेत्र और, सबसे महत्वपूर्ण, राम रहीम तथा वर्षों से जेल में बंद सिख कैदियों के साथ होने वाले अलग-अलग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में तीन दिन में एक और बाढ़ आ सकती है?

चीन ने नेपाल को चेतावनी दी और कहा कि ग्लेशियर से आई बाढ़ और मिट्टी धँसने के बाद ऊपर की तरफ बैरियर झील ओवर फ्लो हो गई है और तीन दिनों में झील टूट सकती है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। चीन ने नेपाल को तीन दिनों के भीतर एक और संभावित बाढ़ की चेतावनी दी है, क्योंकि ग्लेशियर से आई बाढ़ और मिट्टी के धंसने से बॉर्डर के इलाकों में तबाही मच गई थी। और इसके बाद ऊपर की तरफ एक बैरियर झील ओवरफ्लो हो गई है।

नेपाल-चीन सीमा पर एक और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। चीन ने नेपाल को चेतावनी दी है कि ऊपरी इलाके में हाल में बनी एक झील अगले तीन दिनों में टूट सकती है और इससे पानी का तेज बहाव निचले इलाकों की ओर आ सकता है।

26 अगस्त को ग्लेशियर का एक हिस्सा टूटने से नेपाल की भोटेकोशी नदी में पानी का तेज और घातक बहाव आया था। इसी दिन एक भूस्खलन ने चीन के जिरोंग पोर्ट क्रॉसिंग को मलबे में दबा दिया था। यह क्षेत्र पहले से ही इन आपदाओं से जूझ रहा है और नई झील के टूटने की आशंका ने निचले इलाकों में फिर से बाढ़ आने का डर बढ़ा दिया है।

- **नेपाल के जल विज्ञान विभाग ने बताया कि बारिश के कारण बाढ़ नहीं आई थी। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से पता चला है कि लिरूग के उत्तरी हिस्से में 5200 मीटर ऊपर एक ग्लेशियर का बड़ा भाग टूट कर भोटे कोशी की सहायक नदी लेंदे में गिर गया था।**
- **गिरती बर्फ और चट्टानों ने संकरी घाटी को ब्लॉक कर दिया, पर बाद में यह ब्लॉक टूट गया और फिर खतरनाक स्तर पर बाढ़ आ गई।**

नेपाल के जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग (डीएचएम) का कहना है कि बाढ़ बारिश के कारण नहीं आई थी। उपग्रह से मिली तस्वीरों से पता चलता है कि लैंगटांग लिरुंग के उत्तरी हिस्से में करीब 5,200 मीटर की ऊंचाई पर ग्लेशियर का एक बहुत बड़ा हिस्सा टूट गया और करीब 1,200 मीटर नीचे गिरकर भोटेकोशी की सहायक नदी ल्हेंदे नदी में जा गिरा।

गिरती बर्फ और चट्टानों ने संकरी घाटी को प्राकृतिक बांध की तरह ब्लॉक कर दिया। इसके बाद यह बांध टूट गया और पानी, बर्फ और बड़े-बड़े पत्थरों से बनी गाढ़ी और कीचड़ भरी तेज धारा रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन की ओर तेजी से बढ़ी।

उसी सुबह चीन के शिजांग क्षेत्र में जिरोंग पोर्ट के पास एक अलग भूस्खलन हुआ। यह नेपाल के साथ व्यापार के लिए एक प्रमुख सीमा मार्ग है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी के 62000 शिक्षक पात्रता परीक्षा में फेल हो गए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। उत्तर प्रदेश टीचर एलिजबिलिटी टैस्ट (यू.पी.टी.ई.टी.) 2026 के नतीजों ने हजारों कार्यरत शिक्षकों के सामने एक

- **उत्तर प्रदेश टीचर एलिजिबिलिटी टैस्ट (2026) के नतीजे घोषित किए गए हैं। फेल होने वाले 62000 शिक्षक पहले से सेवारत हैं और अब इनकी नौकरी भी जा सकती है।**

बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है: जो शिक्षक परीक्षा में फेल हो गए, उनका क्या होगा? यू.पी.टी.ई.टी. 2026 में 13 लाख से अधिक उम्मीदवार पास हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप की "कभी न हारने वाले विजेता" की छवि में भारी दरारें उभरने लगी है

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पहचान वर्चस्व और जीत के इर्द-गिर्द बनाई थी, वे किसी का भी अपमान करने से नहीं हिचकने वाले नेता के रूप में जाने जाते रहे हैं, पर, अब लोग उन्हें हारने वाले नेता के रूप में देखने लगे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत हमेशा से उनकी, "कभी न हारने वाले विजेता" की छवि रही है। लेकिन अब उनकी इस छवि में दरारें पड़ने लगी हैं और जिस राष्ट्रपति ने अपनी पहचान वर्चस्व, अपमान और जीत के इर्द-गिर्द बनाई हो, उसके लिए इससे अधिक नुकसानदेह शायद कुछ नहीं हो सकता कि लोग उसे हारने वाले नेता के रूप में देखने लगें।

- **बिल क्लिंटन के कार्यकाल में श्रम मंत्री रहे अर्थशास्त्री लेखक रॉबर्ट राइश ने कहा कि ट्रंप की समस्या सिर्फ यह नहीं है कि उनकी कुछ नीतियाँ विफल हो रही हैं। मुख्य समस्या यह है कि ऐसा बार-बार हो रहा है।**
- **राइश ने ईरान वॉर का उल्लेख किया व कहा, ट्रंप ऐसे युद्ध में उतर गए जिसका ना तो उद्देश्य स्पष्ट रूप से तय था, ना ही उससे बाहर निकलने की रणनीति बनाई गई थी। उल्टे ट्रंप ने इस युद्ध के जरिए ईरान को और उग्र बना दिया है।**
- **राइश ने कहा, ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की रणनीति भी सफल होती नहीं लग रही है, क्योंकि तेहरान के संबंध चीन के साथ हैं आर ईरान पर दबाव चीन को परेशान कर सकता है, तो ऐसे में चीन चुप नहीं बैठेगा।**

राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में अमेरिका के पूर्व श्रम मंत्री, अर्थशास्त्री, लेखक और राजनीतिक टिप्पणीकार रॉबर्ट राइश ने अपने हालिया सबस्टैक कॉलम में तर्क दिया है कि ट्रंप की समस्या अब सिर्फ यह नहीं है कि उनकी कुछ नीतियां विफल हो रही हैं। समस्या यह है कि घटनाएं बार-बार उनकी शक्ति की सीमाओं को उजागर कर रही हैं।

राइश के इस तर्क के केन्द्र में ईरान है। उनके अनुसार, ट्रंप ऐसे संघर्ष में उतर गए, जिसका न तो उद्देश्य स्पष्ट रूप से तय था और न ही उससे बाहर निकलने की कोई स्पष्ट रणनीति थी। परिणामस्वरूप उन्हें ऐसे नतीजों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें नियंत्रित करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। राइश का मानना है कि ट्रंप ने जिस निर्णायक जीत का वादा किया था, उसके बजाय इस संघर्ष ने ईरान को और अधिक बाग़ी बनाया है, होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास जोखिम बढ़ा दिए हैं, और ऊर्जा कीमतों पर फिर से दबाव पैदा किया है।

इस बीच, ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश के सामने एक स्पष्ट बाधा है। चीन जैसे देशों के पास तेहरान के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखने की क्षमता भी है और इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएँ दीं

जयपुर, 27 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास

- **उन्होंने कहा रक्षा बंधन हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक है।**

का प्रतीक होने के साथ ही हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक भी है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि भारतीय परंपरा में रिश्ते अहम और विशेष होते हैं, जिन्हें मन, कर्म और वचन से निभाया जाता है।

उन्होंने संस्कृत दिवस (श्रावण पूर्णिमा) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

कोटपुतली में नशे के अवैध कारोबार पर जिला प्रशासन और पुलिस सख्त

■ अवैध मादक पदार्थों, नशीली दवाओं और हथकड़ शराब के कारोबार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एन-कोर्ड) समिति की बैठक हुई।

कोटपुतली(निसं)। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण एवं युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एन-कोर्ड) समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध शराब कारोबार तथा नशे के विरुद्ध संचालित अभियानों की समीक्षा की गई। पुलिस एवं संबंधित विभागों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध बिक्री के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी भी ली गई। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने निर्देश दिए कि जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रभावी एवं निरंतर कार्रवाई करें। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अनधिकृत चिकित्सकों, झोलाछाप चिकित्सकों एवं नियम विरुद्ध संचालित औषधि विक्रेताओं के विरुद्ध नियमित जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण कर प्रतिबंधित एवं नशीले घटकों से युक्त दवाओं की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने तथा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण सहित नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने आबकारी विभाग को अवैध शराब एवं हथकड़ शराब के निर्माण तथा बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, नियमित निगरानी बढ़ाने एवं प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शराब ठेकों का संचालन निर्धारित समय के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के समन्वय से औचक निरीक्षण एवं कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं एवं विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं पुलिस विभाग के समन्वय से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही नियम विरुद्ध संचालित नशा मुक्ति केंद्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने अवैध शराब बिक्री, हथकड़ शराब निर्माण, हुक्का बार, ई-सिगरेट, वीड, ड्रग्स, गांजा एवं नशीली गोलियों के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए निगरानी एवं विभागीय समन्वय को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के अवैध व्यापार में संलिप्त मेडिकल स्टोर्स, दुकानदारों एवं अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करते हुए जिले में नशे के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोहन सिंह नरुका सहित पुलिस, शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग टीम ने 3 दुकानों से सैंपल लिए

खैरथल(निसं)। रक्षाबंधन त्योहार के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की और से खैरथल तिजारा जिले में विशेष अभियान चलाकर मिलावट खोरों पर शिकंजा कसा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट के दिशा-निर्देश में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ततारपुर चौराहा एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन निरीक्षण एवं जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्था की जांच की गई। टीम ने मैसर्स बालाजी स्वीट्स एंड फास्ट फूड से कलाकंद, मैसर्स चौधरी मिष्ठान भंडार, ततारपुर चौराहा से मावा बर्फी तथा मैसर्स अंबिका मिष्ठान भंडार, छतरपुर गांव से डोडा बर्फी के नमूने लिए गए हैं।

समक्ष न्यायालय अति. वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
CIS No.-C.S. 105/2026
प्रार्थना पत्र संख्या (40/2026 सिविल वाद सं.)
हरीराम शर्मा व अन्य बनाम राजेश लडानिया व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद
(नोटिस अन्तर्गत आदेश-1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने भवन संख्या 716, 717, 718 जाट के कुए का रास्ता, चौकडी पुरानी बस्ती, जयपुर (राज.) के संदर्भ में प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है, जिस कारण सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 29/08/2026 को प्रातः 10.30 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है। भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आदेश आज दिनांक 24/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
मोहर अदालत
समक्ष न्यायालय अति. वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अति मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय- अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-3 जयपुर महानगर प्रथम, जयपुर
रवि कॉल बनाम कुसुम कॉल व अन्य
वाद बाबत - दावा बाबत् घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या - 13 सन् 2026
बनाम कुसुम कॉल पत्नी श्री विजय कॉल निवासी 55-बी, लक्ष्मण कॉलोनी, श्याम नगर, जयपुर राजस्थान ने आपके विरूद्ध..... के लिये वाद पंजीयत किया है आपका इस न्यायालय में दिनांक 01 माह 09 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद दिनांक 17 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर न्यायालय
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-3 जयपुर महानगर प्रथम

समक्ष न्यायालय अति. वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
CIS No.-C.S. 180/2026
वाद संख्या 31/2026
हरीराम शर्मा व अन्य बनाम कुन्दन लाल पठानी व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद
(नोटिस अन्तर्गत आदेश-1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने भवन संख्या 2101, विजय भवन, के.के.हाउस, चाकसू का चौक, घी वालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर (राज.) के संदर्भ में प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है, जिस कारण सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 29/08/2026 को प्रातः 10.30 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है। भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आदेश आज दिनांक 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
मोहर अदालत
समक्ष न्यायालय अति. वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अति मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
उर्मिला कंवर वगै. विरूद्ध हर खास व आम
वाद बाबत घोषणा
वाद सं० 237/26
बनाम हर खास व आम ने आपके विरुद्ध घोषणा के लिये वाद पंजीयत किया है।
आपका इस न्यायालय में 29.9.2026 को दिन में. 10.00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से साम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखित्व सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कहने के शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 25 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय मुद्रा लगाकर दिया गया है।
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय

आम सूचना सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे अभिभाष्य श्री के. आर. मीणा पुत्र श्री जी.एल. मीणा, निवासी-केसर विहार गोनेर रोड जयपुर राजस्थान की पुत्री सोनाक्षी करोल मीणा जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने एवं सुनने में नही है, उसका आचरण परिवार के अनुकूल नहीं है तथा मेरे अभिभाष्य के परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल कर रही है। इस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से उसे तत्काल प्रभाव से बेदखल कर सभी रिश्ता नाता समाप्त कर दिया है। भविष्य में मेरे अभिभाष्य की किसी भी चल-अचल सम्पत्ति में उसका कोई हक-हिस्सा नहीं रहेगा। यदि कोई भी व्यक्ति उसके साथ किसी प्रकार का वित्तीय संव्यवहार या कोई संबंध इत्यादि रखता है, तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। सूचित रहें।
जयपुर (विजय शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-27/8/2026 मो.-9782127876

टोंक में सर्पदंश से किसान की मौत

टोंक(निसं)। दतवास थाना क्षेत्र के टोरडी गांव में खेत पर कृषि कार्य करते समय सांप के डसने से युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया, वहीं गांव में भी शोक की लहर छा गई। परिजनों के अनुसार खेत पर कृषि कार्य करते समय मृतक बनवारी पुत्र प्रहलाद कीर कसे कार्य के दौरान सांप ने डस लिया। जिससे सांप के काटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तथा परिजन उसे तत्काल टोंक जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर कर दिया।

इसके बाद परिजन उसे जयपुर के दुर्लभजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद बनवारी को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि सांप के डसने के कारण ही उसकी मौत हुई है। मामले में मृतक के परिजनों ने दतवास थाने में रिपोर्ट देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

परिशिष्ठ G अपील, निर्देश व पुनर्विलोकन, संख्यांक 6
न्यायालय : अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश-6, जयपुर मेट्रो द्वितीय जिला जयपुर, (राजस्थान)
पीठासीन अधिकारी का नामः सीमा ढाका
अपील की सुनवाई के लिए नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 का नियम 14)
नियमित सिविल अपील/9/2021 मेसर्स कृष्णा कम्युनिकेशन बनाम राजस्थान राज्य और अन्य
NEXT DATE: 10-09-2026
के न्यायालय की तारीख को संख्यांक वाद में पारित डिक्री की अपील
प्रेषिती-विप्लव गढवाल
मकान नं. 9, फैट नं. 102, पत्रकार कॉलोनी, पीएस मुहाना, जयपुर
IInd पता- 08 स्वामी केशवानंद नगर किसान कॉलोनी, नवलगढ रोड, सीकर
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में की डिक्री की अपील मेसर्स कृष्णा कम्युनिकेशन द्वारा उपस्थपित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई हैं और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा ता. 10.09.2026 नियत की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जाएगी।
यह आज ता. 25.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर द्वितीय

रक्षा बंधन पर्व पर जमकर खरीददारी हुई, पूर्व संध्या पर बाजारों में भीड़

निवाई में राखी के त्यौहार को लेकर राखियां खरीदते हुए युवतियां।

निवाई(निसं)। भाई बहन के प्यार का प्रतीक रक्षा बंधन के त्यौहार को लेकर गुरूवार को बाजारों में महिलाएं व युवतियों की काफी भीड़ रही। राखियों की दुकानों पर जमकर राखियों की बिक्री हुई। वहीं मिठाईयों की दुकानों व फलों के ठेलों पर भी महिलाएं व युवतियों की भीड दिखाई दी। रक्षा बंधन के त्यौहार पर बसों में महिलाओं व पुरूषों की काफी भीड़ रही। कपडों की दुकानों पर लोग अपनी बहन-बेटियों को रक्षा बन्धन पर साडियां भेंट करने के लिए खरीददारी करते हुए दिखाई दिए। ग्रामीण क्षेत्र से भी खरीददारी के लिए लोगों की भीड़ रही। जिससे बडा बाजार, चौहट्टी बाजार, जमात, सब्जी मंडी, बिलाला मार्केट, गणगौरी बाजार, पटेल रोड, टोंक रोड व झिलाय रोड सहित सभी बाजारों में रौनक रही। त्यौहार को लेकर बसों की छतों पर भी यात्रियों को जोखिम भरी यात्रा करते हुए देखा गया। रेलवे स्टेशन पर भी दिन भर सैकड़ों यात्रियों की भीड़ लगी रही। ट्रैन के अन्दर भीड़ होने से यात्रियों को भारी समस्या के बीच सफर करना पड़ा। शुक्रवार को रक्षा बंधन का त्यौहार उत्साह के साथ मनाया जाएगा। रक्षा बंधन के त्यौहार पर बहिनें अपने भाईयों की लम्बी उम्र की कामना के लिए भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधेगी। रक्षा बंधन के त्यौहार को लेकर दिनभर रक्षा बंधन की बधाईयां एवं शुभकामनाएं देने का दौर जारी रहा। गुरूवार की रात्रि से ही मोबाइलों पर मैसेज, व्हाटस एप, फेसबुक एवं फोन पर एक दूसरे को रक्षा बंधन की बधाई व शुभकामनाएं दी।

कार्यालय उपायुक्त, वैशाली नगर जोन नगर निगम, जयपुर
(तारानगर-डी खिरणी फाटक, झोटवाड़ा जयपुर)
क्रमांक:एफ-3) वै. न. जोन / ज.न.नि./2026/556 दिनांक 27/8/26
सार्वजनिक आपत्ति सूचना भूखण्ड संख्या 69, डॉक्टर्स कॉलोनी, अजमेर रोड जयपुर (गुलाब बाड़ी गृह निर्माण सहकारी समिति) द्वारा श्री काना राम कुल्हारी पुत्र श्री जोधारामके पक्ष में क्षेत्रफल 283.50 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख क्रमांक 1234 दिनांक 01.11.2002 को जारी किया गया था। रजिस्टर्ड उपहार पत्र दस्तावेजो के आधार पर आवेदक श्री मुकेश शर्मा पुत्र श्री महेश कुमार शर्मा द्वारा क्षेत्रफल 283.50 वर्गगज का नाम हस्तानान्तरण चाहा है। श्री मुकेश शर्मा पुत्र श्री महेश कुमार शर्मा के नाम हस्तानान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अद्योहस्ताक्षर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, वैशाली नगर जोन) में प्रस्तुत करे, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तानान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त वैशाली नगर जोन नगर निगम जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक 3485 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक 27/08/26
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 85/89 (EWS), (एरिया 36.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री पंकज मेहता पुत्र श्री एन.एल. मेहता को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4367 दिनांक 07.12.1995 को जारी किया गया। श्री राकेश कुमार जैन पुत्र श्री पुखराज जैन के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1028 दिनांक 08.07.2002 के द्वारा किया गया। श्री राकेश कुमार जैन के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 23.03.2006 को उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री राकेश कुमार जैन द्वारा श्री बाबू लाल सैनी पुत्र श्री चौथमल सैनी को दिनांक 24.03.2006 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री बाबू लाल सैनी द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 29.05.2006 के द्वारा श्री नेमीचन्द सैन पुत्र श्री किशनलाल सैन को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री नेमीचंन्द सैन की मृत्यु दिनांक 28.08.2024 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर इनकी पत्नी श्रीमती शोभा सैन पत्नी स्व. श्री नेमी चन्द सैन द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती शोभा सैन पत्नी स्व. श्री नेमी चन्द सैन का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.मण्डल, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय- अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-3 जयपुर महानगर प्रथम, जयपुर
रवि कॉल बनाम कुसुम कॉल व अन्य
प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधज्ञा
प्रार्थना पत्र संख्य - 20 सन् 2026
नाम - कुसुम कोल पत्नी श्री विजय कोल निवासी 55-बी, लक्ष्मण कॉलोनी, श्याम नगर, जयपुर राजस्थान उक्त ..... व अन्य ..... ने इस न्यायालय मे यह आवेदन किया है कि.......... संलग्न प्रति है .... अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिये दिनांक 01 माह 09 सन् 2026 को 10.00 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। यह आज दिनांक 17 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई
मोहर न्यायालय
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-3 जयपुर महानगर प्रथम

जाहिर सम्मन्स
वादी ना. व. श्री आर.सी.एच. Thakkar
खंभात के माननीय प्रधान वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश (बी. जि. पटेल) साहब की अदालत में,
मुकाम - खंभात, जिला - आणंद
रेग्युलर सिविल सूट नं. 72/2015 आंक-61
वादी: (1) प्रेमीलाबेन मनोजभाई जयंतीलाल राणा की विधवा
(2) दिव्येशकुमार मनोजभाई राणा
दोनों निवासी - खंभात, तालुका खंभात, जिला आणंद
विरूद्ध
प्रतिवादी 1(डी) नीताबेन सुरेशभाई भोगीलाल की पत्नी के वारिस:
(1) अजयभाई सुरेशभाई
(2) खुशबूबेन, पुत्री सुरेशभाई भोगीलाल
निवासी - खंभात, कडियापोल, तालुका खंभात, जिला आणंद
वर्तमान पता: मकान नं. 4047, बीजो माण, सब्जी मंडी, जवाहर बाजार, तिरूपति बालाजी मंदिर के पास, जयपुर, राजस्थान-302003
इस प्रकार यह सार्वजनिक समन जारी करके आप प्रतिवादियों को सूचित किया जाता है कि वादियों ने आप प्रतिवादियों के विरुद्ध मौजे गाँव खंभात शहर के मध्य कड़ियापोल क्षेत्र में सीटि सर्वे वार्ड नं. 2/1210/A की संपत्ति, खंभात सीटि सर्वे, वार्ड नं. 2/1203, 2/1202 तथा सीटि वार्ड नं. 1/2269 वाली संपत्ति में से वादियों का 1/4 हिस्सा बनता है। उक्त 1/4 हक और हिस्से को अलग करके देने अथवा कानून के अनुसार जो हक और हिस्सा वादियों को प्राप्त होने योग्य हो, वह हिस्सा अलग करके देने का आदेश करने हेतु आवेदन किया गया है। यदि प्रतिवादी ऐसा करके नहीं देते हैं, तो कोर्ट कमिश्नर के माध्यम से वादियों का हिस्सा अलग करके देने हेतु प्रार्थना की गई है। साथ ही, वादियों को दावे वाली सीटि वार्ड नं. 2/1210/A में 'लक्ष्मीनारायण फ्लोर मिल' नामक अनाज पीसने की मिल में आने-जाने और प्रवेश करने में प्रतिवादियों द्वारा की जा रही रुकावट/दखल को समाप्त करवाने तथा भविष्य में ऐसी दखल न करने के लिए प्रतिवादियों के विरुद्ध स्थायी एवं अस्थायी निषेधाज्ञा (मनाई हुक्म) देने हेतु भी आवेदन किया गया है। आप प्रतिवादी को समन/नोटिस देने का प्रयास किए जाने के बावजूद आप प्रतिवादी बार-बार नहीं मिले। इसलिए वादी द्वारा आवेदन क्रमांक 60 से सार्वजनिक समन प्रकाशित करने के लिए आवेदन किया गया है। अतः आपको इस समन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप प्रतिवादी उपरोक्त विवरण के अनुसार प्रस्तुत दावे के संबंध में अपना जवाब देने के लिए दिनांक 03.09.2026 को सुबह 10:45 बजे न्यायालय में उपस्थित रहें। आप अपने जानकारीकार/अधिकृत वकील श्री के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित रहें। अन्यथा इस वाद के मामले में आपके, अर्थात् प्रतिवादी के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी, जिसकी आप नोटिस लें। इसके अतिरिक्त आपको यह नोटिस दी जाती है कि निर्धारित तारीख को या उससे पहले जवाब/बचाव प्रस्तुत करने में यदि आप कोई चूक करते हैं, तो आपके बचाव पर विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक 27 अगस्त 2026 के रोज मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर यह समन जारी किया गया।
तैयार करने वाला: (बी.के.राव) मुकाबला/जांच करने वाला: (एस. ए. सेख), सुप्रिटेंडेंट मोहर न्यायालय (एम. जी. मिर्जा), सुपरिटेंडेंट/अधिकारी न्यायालय: प्रिंसिपल सीनियर सिविल कोर्ट, खंभात

परिशिष्ठ G अपील, निर्देश व पुनर्विलोकन, संख्यांक 6
न्यायालय : अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश-6, जयपुर मेट्रो द्वितीय जिला जयपुर, (राजस्थान)
पीठासीन अधिकारी का नामः सीमा ढाका
अपील की सुनवाई के लिए नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 का नियम 14)
विविध सिविल अपील/156/2026
आलोक खंडेलवाल बनाम गोपाल खंडेलवाल वगै.
NEXT DATE: 31-08-2026
के न्यायालय की तारीख को संख्यांक वाद में पारित डिक्री की अपील
प्रेषिती-
(1) गोपाल खंडेलवाल पुत्र स्व. बद्रीनारायण 628, लक्ष्मी भवन, बालाजी का रास्ता, रामगंज बाजार, जयपुर, RAJASTHAN
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में की डिक्री की अपील आलोक खंडेलवाल द्वारा उपस्थापित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई हैं और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा ता. 31.08.2026 नियत की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जाएगी। :
यह आज ता. 27.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 2606 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 29.07.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 184/115 (LIG) का आवंटन श्री रमेश चन्द्र सैन पुत्र श्री गोपाल लाल सैन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4690 दिनांक 30.11.2004 को जारी किया गया था। श्री रमेश चन्द्र सैन द्वारा श्री चन्द्रेश कुमार मित्तल पुत्र श्री सुनील कुमार मित्तल को दिनांक 18.12.2023 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री चन्द्रेश कुमार मित्तल द्वारा श्री रमेश चन्द्र सैन के पक्ष मे पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 24.01.2014 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री चन्द्रेश कुमार मित्तल द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्रीमती गायत्री कुर्मी पत्नी श्री सुरेश कुमार कुर्मी को दिनांक 21.02.2014 विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया गया। क्रेती श्रीमती गायत्री कुर्मी पत्नी श्री सुरेश कुमार कुर्मी द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपति नहीं है, श्रीमती गायत्री कुर्मी पत्नी श्री सुरेश कुमार कुर्मी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक,वृत प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नारायण नाथ महाराज के वार्षिक उत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

विशाल भण्डारें में हजारों श्रद्धालूओं ने पाई पंगत प्रसादी, भजनों पर झूमते रहे श्रद्धालु।

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत गोरधनपुरा गुरूवार को पूरी तरह से भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। अवसर था ग्राम चौकी गोरधनपुरा स्थित श्री उदय नाथ मंदिर और श्री नारायण नाथ महाराज मंदिर के तत्वाधान में आयोजित वार्षिक कार्यक्रम, 38 वें भव्य सत्संग और विशाल भंडारे का। श्रद्धा और बेहद उत्साह के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में ना केवल स्थानीय ग्रामीणों बल्कि दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। महोत्सव की शुरुआत बुधवार रात 09:15 बजे से आयोजित एक भव्य सत्संग के साथ हुई। सत्संग में हरियाणवी कलाकार अंकुर शर्मा व प्रियंका चौधरी एण्ड पार्टी ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय और धार्मिक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों के भजनों पर पूरी रात श्रद्धालु झूमते रहे और संपूर्ण माहौल नारायण नाथ महाराज और उदय नाथ महाराज के जयकारों से गूंज उठा। वार्षिक महोत्सव के तहत गुरुवार दोपहर 12:15 बजे से विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने बेहद अनुशासित और सौहार्दपूर्ण माहौल में पंगत में बैठकर महाप्रसाद ग्रहण किया। मुख्य अतिथि राजगढ़ के पूर्व विधायक सूरजभान धानका ने उपस्थित जनसैलाब को संबोधित करते हुए कहा कि गोवर्धनपुरा की यह पावन धरा आज साक्षात देवलोक के समान प्रतीत हो रही है।

नारायण नाथ महाराज और उदय नाथ महाराज जैसी महान दिव्य आत्माओं के आशीर्वाद से ही समाज में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। आज के इस भौतिकवादी युग में ऐसे धार्मिक आयोजन मानव समाज को नई दिशा दिखाते हैं और हमें अपनी सनातन संस्कृति व जड़ों से जोड़े रखते हैं। हजारों श्रद्धालुओं की यह अनुशासित पंगत और भक्ति का यह अनुपम सैलाब इस बात का गवाह है कि धर्म और सेवा भाव से बड़ा दुनिया में कोई संकल्प नहीं है। धानका समाज और समस्त ग्रामीण भाईचारे ने जिस भव्यता और आत्मीयता से इस उत्सव को संजोया है, वह संपूर्ण क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा पुंज है। संतों के चरणों में बैठकर पाई गई यह प्रसादी हमारे जीवन के विकारों को दूर कर आपसी सौहार्द को मजबूत करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सरपंच प्रतिनिधि रघुवीर सिंह यादव ने गर्व और हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आज गोवर्धनपुरा ग्राम पंचायत का एक-एक जर्रा धन्य हो गया है, जहाँ आस्था का ऐसा ऐतिहासिक और अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है।

समक्ष न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कम- 03, जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
CIS-772/28
प्रार्थना पत्र संख्याः CS-444/2025
रोहित बनाम जयपुर नगर निगम व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद
(नोटिस अन्तर्गत आदेश-1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने भवन संख्या 1504, डागा हाउस, सौथली वालों का रास्ता, चौकडी विश्वेश्वर जी की, चौडा रास्ता, जयपुर (राज.) के संदर्भ में प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है, जिस कारण सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 30.09.26 को प्रातः 10.30 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है। भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नही होगी। आदेश आज दिनांक 18-08-26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
मोहर अदालत
समक्ष न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कम 03, जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर

टोंक में कचरे को लेकर विवाद में बुजुर्ग की मौत, कई जनें घायल

टोंक (निसं)। बरोनी थाना क्षेत्र के पीतावास गांव में बुधवार की देर शाम को कचरा डालने के विवाद को लेकर एक बुजुर्ग की हत्या हो गई। परिजनो को समझाईष के बाद पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

■ विवाद में दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई, दोनों पक्ष के 5-6 लोग गंभीर घायल हुए

टोंक के बरोनी थाना क्षेत्र में एक जनें की मौत के बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार किया।

बरौनी थाना प्रभारी जयमल सिंह ने बताया कि बुधवार को पंचायत प्रशासन की ओर से बरोनी थाना क्षेत्र के पीतावास गांव में सफाई अभियान चलाया गया था।

सफाई के बाद निकला कचरा एक पक्ष के घर के बाहर जमा रह गया, जिसे लेकर घर के मालिक हीरा लाल गुर्जर (उम्र 62 साल) ने नाराजगी जताई तो पड़ोस में रहने वाले दूसरे पक्ष पर गंदगी फैलाने का आरोप लगाया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई, दोनों पक्ष के 5-6 लोग गंभीर घायल हो गए। जिन्हे ग्रामीणो ने सआदत अस्पताल टोंक में भर्ती कराया जहां गंभीर चोट लगने से बुजुर्ग हीरालाल गुर्जर में दम तोड़ दिया। इसके अलावा मृतक का बेटा रामकुंवर और भतीजा महावीर भी घायल हो गये।

वहीं पड़ोस में रहने वाले दूसरे पक्ष से राजाराम (उम्र 50 साल), पाना देवी और नीरू भी घायल हो गये थे। सभी घायलों को सआदत अस्पताल में भर्ती कराया है। बाद में गुरूवार को मृतक के परिजन जिला अस्पताल टोंक के घ्पोस्टमार्टम कक्ष के जमा हो गये, जिन्हे बरोनी थानाधिकारी व टीम ने बातचीत कर उनके पहली मांग जिसमें आरोपी गिरफ्तार हो। जिसमें कार्यवाही करते थाना पुलिस ने घटना में लिप्त 5 से 6 लोगों को हिरासत में लिया और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी अनुसार नियमानुसार इस मामले आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

नम्बर मिलाइए 8890333139
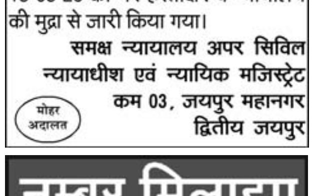
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामनसिटी (डीडवाना-कुचामन)

Email :eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com
फोननं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/689 दिनांक :-14.08.2026

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदको द्वारा पालिका में निम्न रूप से उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिये आवेदक प्रस्तुत किया है। पालिका द्वारा आवेदित प्रयोजनार्थ के तहत प्रकरण का निस्तारण किया जाना है। निम्न प्रकरणों में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा/जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	पत्रावली सं.	प्रयोजन	आवेदक का नाम/पिता का नाम व पता	क्षैत्रफल वर्गगज में	खसरा नं., कॉलोनी/मौहल्ला का नाम
1.	439/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री शिम्भूदान पुत्र रूपदान चारण	141.28	806, सुरेन्द्र नगर
2.	440/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री दिनेशचन्द्र लाडना पुत्र हरीराम लाडना मेघवाल, श्री भंवरलाल पुत्र किशना राम मेघवाल, श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र बहादुर सिंह	672.22	436, कड़वा का बासड़ा
3.	441/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री रामदेव पुत्र चुन्नीलाल	344.00	442, मेगा हाई-वे के पास
4.	442/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री छितरमल पुत्र नानुराम कुमावत	166.67	2378, लक्ष्मी विहार, स्टेशनरोड़
5.	443/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री छितरमल पुत्र नानुराम कुमावत	200.00	2378, लक्ष्मी विहार, स्टेशनरोड़
6.	444/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री कमल किशोर पुत्र हीराराम कुमावत	111.11	104, सर्वोदय वाटिका कॉलोनी, त्रिसिंझा
7.	445/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री अशोक कुमार गहलोत पुत्र रामपाल गहलोत, श्रीमती डिम्पल पत्नी अशोक कुमार गहलोत	233.33	2593/97, मीरानगर, बुड़सू रोड़ के पास
8.	449/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री मुन्नीराम गिल पुत्र रामचन्द्र जाट	260.54	3073/3048, झालरा रोड़
9.	450/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती भंवरी देवी पत्नी श्रवण राम मेघवाल	106.66	846/411, मेगा हाई-वे के पास, श्रवणपुरा
10.	451/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री चैनाराम पुत्र श्रवण कुमार मेघवाल	106.66	849/411, मेगा हाई-वे के पास, श्रवणपुरा
11.	452/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती रीना खण्डेलवाल पुत्र प्रवीण खण्डेलवाल	200.00	343/185, शिवनगर के पास, पनवाड़ी
12.	453/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती ममता शर्मा पत्नी राजकुमार शर्मा	155.55	2212, शास्त्री नगर, मेडी का बास के पास
13.	454/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती विमला पत्नी गजानन्द कुमावत	136.11	2212, शास्त्री नगर, मेडी का बास के पास

आयुक्त
नगरपरिषद् कुचामन सिटी

67 लाख की ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने जोधपुर में 2 किलो 231 ग्राम अवैध एमडी बरामद की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने जोधपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 किलो 231 ग्राम अवैध एमडी बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 67 लाख रुपए आंकी गई है। टीम ने मादक पदार्थ की तस्करी में इस्तेमाल कार जब्त कर फलोदी निवासी 31 वर्षीय रामपाल धतरवाल को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में मध्यप्रदेश से तैयार एमडी लाकर राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में सप्लाई करने वाले नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि कार्रवाई महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में एएनटीएफ के साथ पुलिस थाना कापरडा, जोधपुर ग्रामीण की टीम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध स्विफ्ट कार जोधपुर-जयपुर हाईवे एनएच-25 से बिनावास टोल की ओर आ रही है। सूचना के बाद टीम ने दो हिस्सों में निगरानी शुरू की। एक टीम टोल पर तैनात रही, जबकि दूसरी ने टोल से पहले मोर्चा संभाला। कुछ देर बाद सूचना के अनुसार संदिग्ध कार दिखाई दी। टीम ने उसका पीछा कर टोल पर मौजूद टीम को सूचना दी। बिनावास टोल के पास कार की घेराबंदी कर उसे रुकवाया गया। स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में कार की तलाशी लेने पर 2 किलो 231 ग्राम एमडी बरामद हुई। पुलिस ने कार आरजे 19 सीक्यू 0674 और मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी रामपाल को गिरफ्तार कर लिया।

एएनटीएफ ने जोधपुर में 2231 ग्राम मॉर्डन ड्रग्स के साथ शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बीएससी और जीएनएम की पढ़ाई कर चुका है। उसने कुछ समय तक यश अमन हॉस्पिटल और होम केयर में नौकरी भी की। पुलिस के अनुसार अधिक पैसा कमाने और अपने शौक पूरे करने के लालच में वह मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ गया।

- फलौदी निवासी रामपाल मध्यप्रदेश से तैयार एमडी लाकर राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में सप्लाई करता था

वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश से डोडा पोस्त लेकर मारवाड़ की ओर आते समय कोटा के आरके पुरम थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। इस मामले में उसे सजा हुई थी।

करीब छह साल आठ महीने बाद दिसंबर 2024 में वह जमानत पर जेल से बाहर आया। जेल से बाहर आने के बाद रामपाल ने एक रिश्तेदार के साथ दोबारा डोडा पोस्त की तस्करी शुरू कर दी। वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश पुलिस ने उसके रिश्तेदार को ट्रैक्टर-टैंकर के जरिए बड़ी मात्रा में डोडा पोस्त की सप्लाई के मामले में गिरफ्तार किया था। जांच में रामपाल का नाम भी सामने आया, जिसके बाद वह फरार हो गया। करीब एक वर्ष तक फरार रहने के दौरान आर्थिक तंगी आने पर उसने डोडा पोस्त की तस्करी छोड़कर एमडी की तस्करी शुरू कर दी। एएनटीएफ की पूछताछ में आरोपी के मध्यप्रदेश के तस्करों से संपर्क होने की बात सामने आई है। जांच के अनुसार वह जोधपुर क्षेत्र से एमडी तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला आवश्यक कच्चा माल और केमिकल मध्यप्रदेश में मौजूद तस्करों तक पहुंचाता था। इसके बदले उसे तैयार एमडी मिलती थी, जिसे वह राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में सप्लाई करता था। आरोपी से पूछताछ के आधार पर एएनटीएफ ने तस्करी नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। टीम यह पता लगाने में लगी है कि मध्यप्रदेश से एमडी की आपूर्ति कौन कर रहा था, निर्माण के लिए कच्चा माल और केमिकल कहां से उपलब्ध कराया जा रहा था और राजस्थान में तैयार एमडी किन-किन तस्करों तक पहुंचाई जाती थी। एएनटीएफ आरोपी के संपर्कों और सप्लाई चैन की कड़ियां जोड़कर एमडी के निर्माण, परिवहन और वितरण से जुड़े पूरे नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने दोहराया "संदेहास्पद लेनदेन के बजाए पूरा खाता नहीं करें फ्रीज"

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर दोहराया है कि साइबर ठगी से जुडे मामले में बिना सोचे समझे पूरे बैंक खाते को फ्रीज नहीं किया जाए। अदालत ने कहा कि 500 का संदेहास्पद लेन-देन होने पर 5 लाख रुपए वाले पूरे बैंक खाते तो अनिश्चित काल के लिए सीज नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने मामले में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश साइबर ठगी से जुडी 100 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि इस फैसले का मकसद साइबर ठगी की जांच में कोई बाधा डालना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच व बेगुनाह नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना है। जब जांच एजेंसी फर्जी खातों और बेगुनाह खाताधारक के बीच अंतर करेगी, तभी साइबर ठगी के खिलाफ मजबूती से लडाई होगी।

- अदालत ने कहा कि "500 रुपए का संदेहास्पद लेन-देन होने पर 5 लाख रुपए वाले पूरे बैंक खाते तो अनिश्चित काल के लिए सीज नहीं किया जा सकता।"

खाताधारक नहीं जाएगा दूसरे राज्य, पुलिस-बैंक स्पष्टीकरण लें

अदालत ने कहा कि यदि प्रदेश के बाहर की किसी जांच के आधार पर खाता फ्रीज किया गया है, तो राजस्थान पुलिस और बैंक के अधिकारी स्वयं संबंधित राज्य की एजेंसी से संपर्क कर स्पष्टीकरण प्राप्त करेंगे।

किसी नागरिक को केवल यह पता लगाने के लिए दूसरे राज्य की यात्रा करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। अदालत ने इसके लिए डीजी और साइबर क्राइम प्रभारी को एक माह में इस संबंध में परिपत्र जारी करने को कहा है। अदालत ने राज्य स्तर पर एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को कहा है, जो खातों को लंबे समय तक फ्रीज रखने से जुड़ी शिकायतों की निगरानी करेगा। बैंकों को भी तुरंत तालमेल के लिए नोडल या शिकायत अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट की जारी गाइडलाइंस

स्पष्ट आधार जरूरी-बिना किसी ठोस जानकारी के आधार पर खाते को अनिश्चित काल के लिए पूरी तरह डेबिट-फ्रीज नहीं किया जाएगा।

संबद्धता के सबूत- पाबंदी लगाने से पहले जांच अधिकारी को अपराध और संबंधित खाते के बीच प्रथम दृष्टया संबंध के सबूत रिकॉर्ड दर्ज करने होंगे।

सिर्फ विवादित रकम पर रोक-जहां विवादित रकम की पहचान संभव हो, वहां पूरे खाते को फ्रीज करने के बजाय केवल उस निश्चित राशि पर होल्ड लगाया जाएगा।

व्यापक पाबंदी के कारण-म्यूल अकाउंट, जानबूझकर की गई भागीदारी या बार-बार संदिग्ध ट्रांजेक्शन के मामलों में यदि पूरे खाते को फ्रीज करना जरूरी हो, तो उसके लिखित कारण केस डायरी में दर्ज करने होंगे।

अदालत की मंजूरी-यदि जांच एजेंसी संपत्ति अटैच करना चाहती है, तो मामले को नियमानुसार सक्षम कोर्ट या मजिस्ट्रेट के समक्ष ले जाना होगा।

समय-समय पर समीक्षा- केवल जांच लंबित होने के आधार पर खाता अनिश्चित काल तक फ्रीज नहीं रहेगा। अधिकारी समय-समय पर इसकी जरूरत की समीक्षा करेंगे।

अंतर्राज्यीय शिकायत पर सुनवाई-दूसरे राज्य से मिली साइबर शिकायत के आधार पर खाताधारक की शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

ऑनलाइन सुनवाई की सुविधा-खाताधारक की शिकायतों का निवारण यथासंभव इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या वीसी के जरिए किया जाएगा।

ओ.एम.आर. में अंक बढ़वाने वाली संतोष मीणा गिरफ्तार

महिला सुपरवाइजर भर्ती फर्जीवाड़ा मामले में एसओजी का खुलासा

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा-2018 के परिणाम में ओएमआर शीट की स्कैनिंग के दौरान फर्जीवाड़ा कर अंक बढ़वाने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वांछित अभ्यर्थी संतोष कुमारी मीणा (37) निवासी कानोता हाल सांगानेर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। एसओजी अब उससे भर्ती परीक्षा में हुए फर्जीवाड़े और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल के अनुसार कर्मचारी चयन बोर्ड में ओएमआर शीट की स्कैनिंग और परिणाम तैयार करने का काम संभालने वाली कंपनी 'राभव लिमिटेड' के कर्मचारियों और बोर्ड के अधिकारियों की मिलीभगत से परीक्षा परिणाम में हेरफेर किया गया था। आरोप है कि संतोष कुमारी मीणा के मूल ओएमआर में कम अंक थे, जिन्हें कूटरचना के जरिए बढ़ाकर उसे चयन सूची में शामिल कराया गया।

संतोष कुमारी

जांच में सामने आया कि कर्मचारी चयन बोर्ड के प्रोग्रामर प्रवीण गंगवाल ने कंपनी के कर्मचारियों विनोद कुमार गौड़ और शादान खान के साथ मिलीभगत की। आरोप है कि अभ्यर्थियों के परिणाम में हेरफेर करने के बदले लाखों रुपए लिए गए। इसी नेटवर्क के जरिए संतोष कुमारी के ओएमआर शीट के अंकों में कथित तौर पर बदलाव कर चयन सूची में स्थान दिलाया गया। वहीं रिमांड के दौरान एसओजी भर्ती परीक्षा में ओएमआर स्कैनिंग और परिणाम में हेरफेर के पूरे नेटवर्क तथा इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर रही है। एसओजी थाना में दर्ज प्रकरण के तहत जांच चल रही है। इस मामले में पूर्व में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें कर्मचारी चयन बोर्ड के तत्कालीन एनालिस्ट कम प्रोग्रामर (उप निदेशक) संजय माथुर, प्रोग्रामर प्रवीण गंगवाल, अभ्यर्थी पूनम माथुर, राभव लिमिटेड के कर्मचारी विनोद कुमार गौड़ और शादान खान सहित अन्य आरोपी शामिल हैं। संतोष कुमारी की गिरफ्तारी के बाद मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या सात हो गई है।

शैक्षणिक व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां मौजूद : प्रो. अशोक कुमार

जयपुर। राजीव गांधी स्टडी सर्कल के राज्य मुख्यालय में 'शिक्षा व्यवस्था : दशा और दिशा' विषय पर विद्वत संगोष्ठी आयोजित हुई। इसमें देश की शिक्षा व्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों पर गंभीर वैचारिक विमर्श किया गया। संगोष्ठी में शिक्षा संस्थानों एवं स्कूलों की ढांचागत दुर्दशा, शिक्षकीय एवं अन्य पदों की रिक्तियां, शिक्षकों के अभाव में प्रभावित कक्षा शिक्षण, पूरे वर्ष चलने वाली परीक्षाओं से बोझिल शैक्षिक सत्र, बड़े कारोबार वाली कोचिंग इंडस्ट्री का प्रतियोगी परीक्षा तंत्र पर दबाव, पाठ्यक्रमों के पिछड़ेपन और शिक्षा-रोजगार के बीच बढ़ती खाई तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों व जमीनी हकीकत के बीच के अंतर जैसे मुद्दे उठाए गए।

मुख्य व्याख्यान देते हुए प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं कानपुर तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि सरकारी स्कूली शिक्षा की ढांचागत स्थिति दयनीय है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की व्यवस्था शिक्षक रहित अथवा अतिथि, तदर्थ, अनुबंधित, आउटसोर्स और विद्या संबल शिक्षकों जैसी कामचलाऊ व्यवस्थाओं पर निर्भर होती जा रही है। स्कूलों की संख्या बढ़ी है, लेकिन ढांचागत एवं बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि देश में करीब 1 लाख स्कूल मात्र 1-1 शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस में बड़ा अंतर है, जबकि प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने की कोशिशें भी सामने आती हैं। बड़े कारोबार वाली कोचिंग इंडस्ट्री के दबाव में सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम प्रतियोगी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रह जाते। कोचिंग इंडस्ट्री के आर्थिक दबाव के बीच प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। संगोष्ठी की अध्यक्षता हरदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, जयपुर की पूर्व कुलपति प्रो. सुधी राजीव ने की। विचार रखने वालों में कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन प्रो. बी. एम. शर्मा, वरिष्ठ सर्वोदयी सवाई सिंह, प्रो. विनोद शर्मा, प्रो. रमेश वर्मा, प्रो. निमाली सिंह, शिवचरण माली और डॉ. दीपक शर्मा शामिल रहे।

बिना ई-वे बिल वाले 16 ट्रांसपोर्टर्स के 29 वाहन पकड़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में माल परिवहन के दौरान ई-वे बिल नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ वाणिज्यिक कर विभाग ने प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की प्रवर्तन टीमों ने पिछले 10 दिनों में 16 अलग-अलग ट्रांसपोर्टरों के 29 वाहन पकडे हैं। इनमें बिना आवश्यक ई-वे बिल माल परिवहन करने तथा ई-वे बिल में वास्तविक माल की तुलना में कम मात्रा या कम मूल्य दर्शाने के मामले सामने आए हैं।

पकड़े गए वाहनों को नियमानुसार जब्त कर माल एवं संबंधित दस्तावेजों का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है। जांच के आधार पर देय कर, ब्याज एवं दंड की राशि निर्धारित कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पिछले तीन दिनों में जड़िया ट्रांसपोर्ट, पूजा रोड कैरियर्स, बालाजी ट्रांसपोर्ट, टीएफसी, ओम शिव ट्रांसपोर्ट, शक्ति, उदयपुर गोल्डन, शेखावाटी ट्रांसपोर्ट कंपनी और यू ट्रांस लॉजिस्टिक सहित अन्य ट्रांसपोर्टरों के वाहनों में ई-वे बिल संबंधी अनियमितताएं पकडी गई हैं। कुछ ट्रांसपोर्टरों के एक से अधिक वाहन भी कार्रवाई की जद में आए हैं। प्रारंभिक जांच में कुछ मामलों में कर चोरी की मंशा से बिना आवश्यक ई-वे बिल माल परिवहन किए जाने की आशंका सामने आई है। वहीं कुछ मामलों में ई-वे बिल में वास्तविक माल की तुलना में कम मात्रा अथवा कम मूल्य दर्ज किया गया। प्रवर्तन टीमें वाहनों में लदे माल, ई-वे बिल और अन्य संबंधित दस्तावेजों का आपसी मिलान एवं सत्यापन कर रही हैं। वाणिज्यिक कर विभाग ने व्यवसायियों एवं ट्रांसपोर्टरों को स्पष्ट किया है कि माल परिवहन के दौरान ई-वे बिल में वास्तविक मात्रा, वास्तविक मूल्य और परिवहन से संबंधित सही विवरण दर्ज करना अनिवार्य है। बिना ई-वे बिल माल परिवहन करने अथवा जानबूझकर कम मात्रा या मूल्य दर्शाकर कर देयता कम करना कर चोरी है।

सार-समाचार

नवनियुक्त प्राचार्य से मिले समिति सदस्य

जयपुर। महाराजा कॉलेज बडीज़ समिति की ओर से कॉलेज की नवनियुक्त प्राचार्य सरीना कालिया से मुलाकात कर कॉलेज की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने कॉलेज की जर्जर स्थिति पर चिंता जताते हुए सुधार के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। समिति के अनुसार सीढ़ियों से ऊपर जाने पर स्थित हॉल, जो पहले रीडिंग रूम के रूप में उपयोग होता था, छत जर्जर होने के कारण बंद है। इसी वजह से प्रथम तल का शौचालय भी लॉक है। कॉलेज के अन्य शौचालयों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं बताई गई। समग्र रूप से कॉलेज परिसर की स्थिति में सुधार की आवश्यकता महसूस की गई। इस संबंध में प्राचार्य सरीना कालिया से चर्चा की गई, जिस पर उन्होंने कॉलेज के विकास और आवश्यक मरम्मत कार्यों के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा जताई। समिति ने अपील की कि यदि कोई सदस्य सीएसआर फंड के माध्यम से सहयोग कर सकता है या किसी अन्य स्तर पर मदद उपलब्ध करा सकता है, तो आगे आए। समिति ने सरकारी स्तर पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए सक्षम अधिकारियों से संपर्क कराने की भी अपील की। कहा गया कि सभी लोग मिलकर इच्छाशक्ति के साथ प्रयास करें तो कॉलेज की स्थिति में जल्द सुधार लाया जा सकता है। महाराजा कॉलेज से बहुत कुछ लिया है, अब कुछ देने का समय है।

निर्माणाधीन मकान के गड्ढे में डूबे मासूम

जयपुर। ब्रह्मपुरी क्षेत्र के मानपुर सड़वा इलाके में निर्माणाधीन मकान की नींव के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूबने से दो भाई-बहन की मौत हो गई। हादसा बुधवार दोपहर हुआ। मृतकों की पहचान लियाकत हुसैन के बेटे मोहम्मद अयान (7) और बेटी आलिया (11) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों बच्चे दिल्ली रोड स्थित सड़वा के रशीदा नगर में निर्माणाधीन मकान के पास खेल रहे थे। बारिश के बाद निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में करीब साढ़े 4 फीट पानी भर गया था। खेलते-खेलते दोनों बच्चे गड्ढे में गिर गए और डूब गए। पिता लियाकत हुसैन ने बताया कि दोनों बच्चों के करीब 40-45 मिनट तक पानी में डूबे रहने की आशंका है। बच्चों के नजर नहीं आने पर उन्होंने तलाश शुरू की। बाद में पानी से भरे गड्ढे में बच्चों की चप्पलें दिखाई दीं। एक युवक की मदद से पानी में उतरकर दोनों बच्चों को बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। लियाकत हुसैन मूल रूप से बरेली के लाडपुर, उस्मानपुर के रहने वाले हैं और करीब तीन साल से सड़वा की रशीद विहार कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर मजदूरी करते हैं। बच्चों की मौत की खबर मिलते ही मां रजिया का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। पिता ने फिलहाल पुलिस में कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया है।

सहकारी संस्थाओं का नो-ड्यूज अनिवार्य हो

जयपुर। ऑल राजस्थान को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन के महासचिव एवं सहकारी साख समितियाँ एम्पलाईज यूनियन राजस्थान के अध्यक्ष सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने राज्य निर्वाचन आयुक्त, मुख्यमंत्री एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता को पत्र लिखकर पंचायत-निकाय चुनावों में नामांकन के साथ सहकारी संस्थाओं से संबंधित नो-ड्यूज/अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य करने की मांग की है। आमेरा ने मांग की कि ग्राम सेवा सहकारी समिति, प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक, केंद्रीय सहकारी बैंक (सीसीबी) एवं अपैक्स बैंक के ऋण बकाया से संबंधित नो-ड्यूज प्रमाण पत्र को नामांकन के साथ अनिवार्य दस्तावेज बनाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 9000 से अधिक सहकारी पैक्स/लैम्प्स, 36 पीएलडीबी और 29 जिला सहकारी बैंकों में हजारों करोड़ रुपये का अवधिपार ऋण बकाया है। अनेक बड़े बकायादार चुनावों में प्रत्याशी बन जाते हैं, जिससे ऋण वसूली प्रभावित होती है। आमेरा के अनुसार नो-ड्यूज अनिवार्य होने से सहकारी ऋणों की वसूली में तेजी आएगी, सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और एनपीए घटेगा। इससे ईमानदार एवं जरूरतमंद किसानों को लाभ मिलने के साथ सहकारी संस्थाएं भी मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था किसी को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए नहीं, बल्कि प्रदेश के सहकारी साख तंत्र को मजबूत करने और 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।

पशुपतिनाथ यात्रा 31 अगस्त तक स्थगित

जयपुर। नेपाल में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा और कठिन परिस्थितियों के बीच राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए एक बड़ा और अहम निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शनों के लिए जाने वाले बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए इस यात्रा को फिलहाल पांच दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि काठमांडू (नेपाल) की इस हवाई यात्रा को 27 अगस्त से 31 अगस्त तक के लिए रोक दिया गया है।

ट्रेलर की टक्कर से मां-बेटी की मौत

फागी क्षेत्र में हुआ हादसा, ट्रेलर ने जुगाड़ रिक्शे को मारी थी टक्कर

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के फागी थाना क्षेत्र में राखी का त्योहार मनाकर केकड़ी से जयपुर लौट रहे परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। जयपुर-भीलवाड़ा मेगा हाईवे पर मोहनपुरा-पृथ्वी सिंह मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने जुगाड़ रिक्शे को टक्कर मार दी। हादसे में रिक्शे में सवार मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए। परिवार के पांच सदस्य केकड़ी में राखी का त्यौहार मनाकर रिक्शे से जयपुर लौट रहे थे। इसी दौरान जयपुर से फागी की ओर जा रहे ट्रेलर ने रिक्शे को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रिक्शा बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों व आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। फागी वृत्ताधिकारी अनिल कुमार डोरिया ने बताया कि हादसे में गज्जू कालबेलिया, विनोद और मीरा देवी को हल्की चोटें आईं। वहीं सुगना देवी और उनकी बेटी नौरती गंभीर घायल हो गईं। दोनों को तत्काल फागी उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर रेनवाल मांजी थानाधिकारी कमलेश चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर सड़क पर लगे जाम को हटवाया और यातायात सुचारू करवाया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर और क्षितग्रस्त रिक्शे को रेनवाल मांजी थाने में खड़ा करवाकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

जेल प्रहरी भर्ती पेपर लीक मामले में 8 साल से फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2018 के पेपर लीक और उत्तर कुंजी के जरिए नकल कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने आठ साल से फरार चल रहे आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुनील कुमार (36) पुत्र मनफूल सिंह यादव, गांव सहड़, थाना पचेरी कलां, बुहाना, झुंझुनूं का निवासी है।

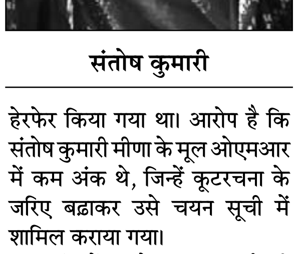

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एसओजी) ने आठ साल से फरार चल रहे आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाल बंसल ने बताया कि अक्टूबर 2018 में टीसीएस कंपनी की ओर से ऑनलाइन मोड में जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। जांच में सामने आया कि नकल माफिया ने टीसीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर से मिलीभगत कर परीक्षा की सभी पारियों की उत्तर कुंजी पहले ही हासिल कर ली थी। इसके बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले प्रश्न-पत्र और उत्तर कुंजी पढ़ाकर अनुचित तरीके से चयन कराया गया।

जांच के अनुसार सुनील कुमार ने राजेश्वर उर्फ राजेश प्रधान के माध्यम से अभ्यर्थी योगेश कुमार को परीक्षा से पहले प्रश्न-पत्र और उत्तर कुंजी पढ़वाई थी। इसके बाद योगेश का जेल प्रहरी पद पर फर्जी तरीके से चयन कराया गया। एसओजी ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे 29 अगस्त 2026 तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पूछताछ में पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। जेल प्रहरी भर्ती धांधली के दर्ज प्रकरण में एसओजी पहले ही टीसीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर, नकल माफिया के प्रमुख सदस्यों और अनुचित लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों सहित 21 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

जनवरी से अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 146 पॉजिटिव केस मिले

प्रदेश में सर्वाधिक 55 केस अगस्त माह में सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। देश के कुछ राज्यों, विशेषकर दिल्ली में एच1एन1 स्वाइन फ्लू के मामलों में वृद्धि को देखते हुए राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खीवसर ने बताया कि विभाग प्रदेश में स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है। जनवरी 2026 से अब तक राजस्थान में स्वाइन फ्लू (इन्फ्लुएंजा एच1एन1) के 146 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। सभी संबंधित चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि जनवरी से अगस्त 2026 तक स्वाइन फ्लू के जनवरी में 2, फरवरी में 3, मार्च में 20, अप्रैल में 22, मई में 25, जून में 14, जुलाई में 5 और अगस्त में 55 मामले सामने आए हैं। अगस्त में सर्वाधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

- हालांकि "एच1एन1" के नए या अधिक घातक स्ट्रेन की पुष्टि नहीं

उन्होंने स्पष्ट किया कि "एच1एन1" वायरस के किसी नए या अधिक घातक स्ट्रेन के प्रसार की पुष्टि नहीं हुई है। आईसीएमआर के अनुसार वर्तमान में प्रचलित एच1एन1 वायरस पहले से ही सक्रिय है। इसलिए घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी और समय पर चिकित्सकीय सलाह जरूरी है।

फ्लू जैसे लक्षणों पर सावधानी बरतें

गायत्री राठौड़ ने बताया कि स्वाइन फ्लू एक श्वसन संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। अधिकांश मरीज उचित देखभाल एवं चिकित्सकीय सलाह से स्वस्थ हो जाते हैं, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में जटिलताओं का खतरा अधिक रहता है।

उन्होंने आमजन से खांसी या छींक आने पर मुंह-नाक को रूमाल, टिश्यू या कोहनी से ढकने, हाथों को साबुन-पानी से बार-बार धोने अथवा हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करने की अपील की। बुखार, खांसी या गले में खराश जैसे लक्षण होने पर भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें, आवश्यकता पड़ने पर मास्क पहनें, पर्याप्त आराम करें और तरल पदार्थों का सेवन करें। बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई दवा न लें।

सांस लेने में तकलीफ, लगातार तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, ऑक्सीजन स्तर में कमी या अन्य गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम स्वास्थ्य संस्थान अथवा चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी गई है। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि फ्लू जैसे लक्षण होने पर घबराएं नहीं और अफवाहों पर ध्यान न दें। बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटीबायोटिक या एंटीवायरल दवाओं का सेवन न करें और स्वयं दवा की खुराक तय कर लंबे समय तक दवा न लें। बीमारी की स्थिति में स्कूल, कार्यालय, समारोह अथवा अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने और संक्रमित या लक्षण वाले व्यक्ति के साथ अनावश्यक निकट संपर्क नहीं रखने की भी अपील की गई है। चिकित्सा विभाग स्वाइन फ्लू और मौसमी इन्फ्लुएंजा के मामलों की लगातार निगरानी कर रहा है। सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों को मरीजों की जांच, उपचार और जरूरत पड़ने पर रेफरल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने आमजन से फ्लू जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की अपील की है।

Celebrating National Red Wine Day

Observed every year on August 28, National Red Wine Day pays tribute to one of the world's oldest and most cherished beverages. From bold Cabernets to smooth Merlots, red wine is not just a drink but a symbol of culture, tradition, and relaxation. It's a day for wine lovers to savor their favourite glass, explore new varieties, and appreciate the art of winemaking. Beyond its rich taste, red wine is also associated with health benefits when consumed in moderation, making this celebration both indulgent and mindful. Whether shared with friends or enjoyed solo, red wine brings people together.

#CARTIER

The Mansion That Became a Necklace

He proposed an unconventional deal: the mansion in exchange for the necklace, a transfer of the property for $100 and the pearl necklace

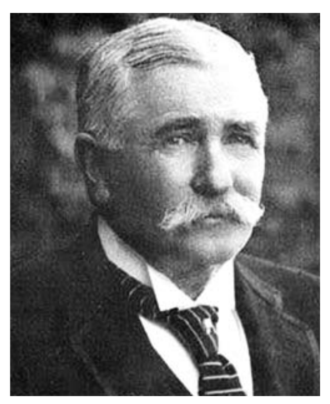

In the world of luxury, some transactions feel almost mythical, none more so than the extraordinary deal struck in 1917 by Pierre Cartier. Imagine trading a grand mansion on something as prestigious as Altamount Road or Amrita Sher-Gil Marg for a single necklace. It sounds implausible today, yet a version of that story unfolded on New York's most elite stretch: Fifth Avenue.

Back in 1905, Morton Freeman Plant built a six-storey mansion at 653 Fifth Avenue, right in the heart of what was then known as Millionaires' Row. The neighbourhood was lined with the homes of America's wealthiest families, including the likes of the Astor family. Much like the prestige associated with addresses such as Mumbai's Altamount Road, home to industrial giants like Mukesh Ambani, or Delhi's Amrita Sher-Gil Marg, Fifth Avenue symbolized status itself. The address mattered as much as the architecture.

But by 1917, the character of Fifth Avenue was changing. High-end retail stores began replacing private mansions, bringing crowds and commerce, hardly appealing to old-money elites seeking privacy. Sensing an opportunity, Pierre Cartier, grandson of the founder of Cartier, arrived in New York with a clear ambition: to establish Cartier as the definitive name in American luxury. For that, he needed not just clients, but a landmark address.

He had his eyes on the Plant mansion. The family, preparing to move uptown, hadn't planned to sell. But Cartier understood something crucial about luxury, it isn't just about wealth; it's about desire. Enter Maisie Plant. One day, while passing a Cartier display window, she became captivated by a breathtaking piece: a double-strand necklace of 128 natural South Sea pearls. Each pearl had been painstakingly sourced over years, dived from oysters one by one, matched for size, colour, and lustre. At a time when cultured pearls didn't yet dominate the market, such a creation was nearly impossible to replicate. Its value? Around $1 million, an astronomical sum then, and arguably more precious than diamonds.

Cartier saw his moment. He proposed an unconventional deal: the mansion in exchange for the necklace. The final agreement was almost surreal, a transfer of the property for $100 and the pearl necklace.

From a purely financial perspective at the time, Morton Freeman Plant made an excellent deal. His mansion was valued at about $800,000, while the necklace was rarer than rare, expected only to appreciate in value. Cartier, on the other hand, secured something arguably even more valuable: a permanent flagship location that would cement the brand's identity in America.

But time has a way of rewriting the meaning of value. As cultured pearls entered the market in the following decades, the rarity, and thus the price, of natural pearls declined dramatically. When Maisie Plant passed away, the necklace was later sold for a fraction of its original worth, reportedly around $150,000, barely a fifth of its earlier valuation.

Meanwhile, the mansion transformed into Cartier's iconic New York headquarters, becoming a lasting symbol of luxury and heritage. What once seemed like a dazzling exchange of equals slowly revealed itself as one of the most lopsided trades in luxury history. The story endures because it captures a simple truth: value is never fixed. What seems priceless in one era may fade in another, while something as intangible as an address, much like those on Altamount Road or Amrita Sher-Gil Marg, can grow into legend.

New Theaters.

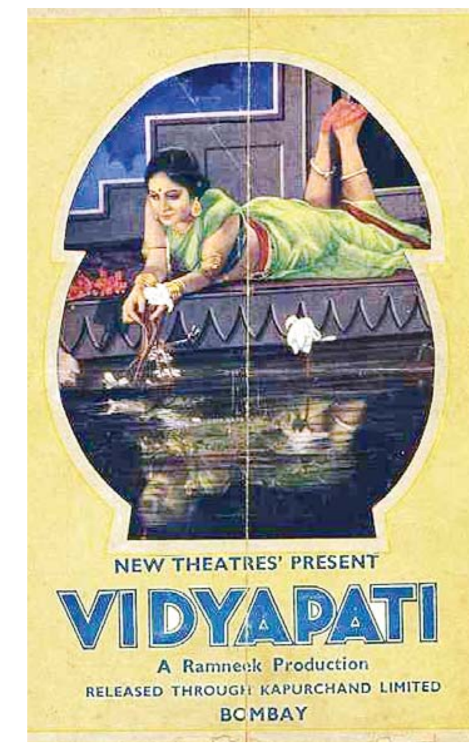

Dr. Shoma A. Chatterji
Film Scholar, Journalist & Author

B.N. Sircar

B. N. SIRCAR

FOUNDER OF NEW THEATRES (1901-1980)

Netaji Subhas Chandra Bose came personally to inaugurate the theatre on 30th December 1930. Sircar's father was very angry with his son's choice of stepping into the risky film industry and is said to have thrown the newspaper carrying the news of the inauguration at him. The news of the theatre's opening was marked out in red. However, soon, his father backed him up by not only giving his son his blessings but also finance when he decided to found the New Theatres Studio to produce films. Sircar went on to build New Cinema exclusively marked for the release of Hindi films. This theatre was inaugurated by none other than the great Sarat Chandra Chatterjee.

If one were to write the history of Indian cinema today, it will not be either possible or credible for him/her to skip the name of New Theatres, a studio that produced films in Bengali and Hindi, leant heavily on literature for the source material and worked on the studio system where artists, technicians and writers were employed on a monthly salary and also given "extras" for the wedding of a daughter or to tide over a tough situation, in the true traditional way.

The studio went on to introduce some of the most legendary artistes, writers and technicians whose names will remain engraved on the architecture of Indian cinema forever. Among them are directors like Nitin Bose, Bimal Roy, actors like K.L. Saigal, P.C. Barua, Bharati Devi and Kanan Bala, music directors like Pankaj Mullick and R.C. Boral and writers who later became archival names in Bengali literature.

Father disapproved

The story of Sircar's life is as intriguing as the stories in most of his films. B.N. Sircar was the second son of Sir N.N. Sircar, Advocate General of undivided Bengal and a member of the Viceroy's council. Sircar was born on July 5 1901 in Bhagalpur in West Bengal. After getting a degree in civil engineering from London University, Sircar returned with dreams of setting up his own business in civil construction. He had not thought of stepping into filmmaking but a chance happening changed the course of his life. He began his career as a civil engineer. At one time, his love for theatre nurtured in him the desire to become a stage manager. But he had to give up his dream as in those days, such professions were considered to be below status in educated families. Interestingly, he is responsible for changing the mindsets of the masses about films as a career. Something happened to bring about some radical changes in the popular perspective on cinema and the film industry.

One day, Sircar saw a long queue outside Crown theatre in the southern parts of Calcutta, which later was demolished. Intrigued by the long queue, he stopped to ask what these people were waiting for. They were waiting to buy tickets for the film being screened in the theatre, he was told. He was amazed at the prospect of this business where people were willing to shell out money without seeing the quality of the product or even knowing how useful it would be for them. That sowed the seeds of getting into film production.

New Theatres was born spanning a large tract of land off Tollygunje, in the southern extremes of Calcutta. Over the years, it had a lovely garden filled with mango trees, flowers and a "Gol Ghar" in the centre.

One of his first tasks was to build a cinema theatre, and his contact with the film world as a civil engineer, looking after building promotion and contracts, proved to be a turning point. Remember that in those days, the business of construction was not tainted one as is now. He decided to build a cinema for himself. He named the theatre Chitra which later transformed itself to Mitra, and recently, its new owners pulled the shutters forever during the pandemic.

The respectable theater

Netaji Subhas Chandra Bose came personally to inaugurate the theatre on 30th December 1930. Sircar's father was very angry with his son's choice of stepping into the risky film industry and is said to have thrown the newspaper carrying the news of the inauguration at him. The news of the theatre's opening was marked out in red. However, soon, his father backed him up by not only giving his son his blessings but also finance when he decided to found the New Theatres Studio to produce films. Sircar went on to build *New Cinema* exclusively marked for the release of Hindi films. This theatre was inaugurated by none other than the great Sarat Chandra Chatterjee.

> One of his first tasks was to build a cinema theatre, and his contact with the film world as a civil engineer, looking after building promotion and contracts, proved to be a turning point. Remember that in those days, the business of construction was not tainted one as is now. He decided to build a cinema for himself. He named the theatre Chitra which later transformed itself to Mitra...

One day, Sircar happened to see a photograph of P.N. Roy, a person he knew well, along with Himanshu Roy, the founder of Bombay Talkies in a cinema magazine called *Bioscope*. P.N. Roy encouraged him to open a studio. So, along with P.N. Roy, B.N. Sircar founded Eastern Filmcraft. They made two films under the banner of Filmcraft, both cinematographed by Nitin Bose. The first of these, directed by Charu Roy, was called *Chor Kaanta* and the second film, *Chashar Meye*, was directed by Prafulla Roy.

Sircar gathered around him the best talents of his time, representing the manifold aspects of film-making, direction, music, acting, photography, sound recording, etc. Directors like Pramathesh Barua, Debaki Bose, Nitin Bose, Madhu Bose, Hemchandra Chunder, Phani Majumdar, Kartick Chatterjee and Bimal Roy, all of who went on to become nationally recognised talents in their own respective fields.

#TRIBUTE TO B.N. SIRCAR ON HIS 125TH BIRTH ANNIVERSARY

KANAN DEVI.

P.C. BARUA.

On 10th of February, 1931, Sircar founded New Theatres and the rest, as the cliched saying goes, is history. The sound equipment was imported from Rinco & Co of America and a renowned engineer from the firm was brought from the USA to New Theatres under whose professional guidance famous sound engineers like Mukul Bose, Bani Dutt and Lokin Bose were trained and groomed.

Light infusing shadows with life

The motto was- *Jivatang Jyotiretu Chhayam* (Light infusing shadows with life). Sircar preferred to function. The elephant trapped within a circle has the words "Jivatang Jyotiretu Chhaya," drawn from the Upanishads. Translated, it means, "Light infusing shadows with life." There was no room for vulgarity or crudity in the films, though thematically, many of them were quite bold in terms of content. The symbol of the elephant playing on the trumpet was designed by Jotin Kumar Sen who was a very well-known commercial artist of that time.

Towards the latter half of 1931, New Theatres' first talkie Dena Paona was produced and shot in its own studios. Those who shared in the trials and tribulations of Sircar during the making of *Dena Paona* were Premankur Atorthy, Nitin Bose, Amar Mullick and I.A. Hafezji. Dena Paona was directed by Atorthy and cinematographed by Nitin Bose. Amar Mullick and I.A. Hafezji shouldered the responsibilities of production and management respectively.

The next production was Rabindranath Tagore's *Natir Pooja*, produced in aid of Tagore's university Viswa Bharati. An amount of Rs. 5000 was donated to Viswa Bharati towards Viswa Bharati's development from the proceeds of the ticket sales. Sircar invited Tagore to direct a film version in 1931. The studio was flooded with crowds who wanted to have a glimpse of Tagore. Tagore directed the film, shot on NT Studio's Floor Number One. He played the role of Upala added later and assembled his acting cast from Santi Niketan. Nitin Bose cinematographed the film and Subodh Mitra edited it. Breaking the conventional rules of cinema, Natir Pooja was filmed like a stage play. Sadly, prints of the film were destroyed in a fire at the New Theatres. Natir Puja is the 2,500 year old story of a *nati* (court dancer) who sacrifices herself for devotion to Buddha. Tagore based the play on a legend in the Pali sacred book, *Avadhan Shatak*.

> The Partition of India in 1947 took away a large part of the market in what is now Bangladesh and Pakistan almost overnight. Added to this were the communal riots between 1946 and 1947 that affected revenues in a big way. The elephant remained silent after the last production Bakul in 1955. Dilip Sircar, late son of B.N. Sircar, said that along with his father, he had travelled to London in 1949...

New Theatres complex had a lovely garden filled with mango trees, flowers and a "Gol Ghar" in the centre "Sir would sit in this Gol Ghar from around five in the evening till nine in the night. He would call directors, music directors, writers, singers and technicians into this room for long chatting sessions with tea and biscuits. At seven sharp, he would take a glass of coconut water. The cigarette at the end of a black holder would always remain aglow," said noted film director late Arabinda Mukherjee, who worked as assistant director at New Theatres from 1947 to 1958.

The gol ghar

Gol Ghar has an interesting history. The story goes that Sircar built it overnight when Rabindranath Tagore was expected to come to the studios for the shooting of his only directorial film, Natir Pooja, in 1931. He knew that Tagore would find the studio floors too hot to handle, so, he created this cool corner for the poet laureate which later became his own little island of sunshine.

The Gol Ghar played host to some of the greatest figures in Indian history. Netaji Subhash Chandra Bose, Pandit Jawaharlal Nehru, Sarvapalli Radhakrishnan, Rabindranath Tagore, Sarat Chandra Chattopadhyay, Shyamaprasad Mukherjee and Sarat Chandra Bose are just a few names whose footprints have graced the earth that houses New Theatres. From international cinema, personalities like Frank Capra, Jean Renoir and Pudovkin graced the studio with their presence.

The three films, namely, Natir Pooja, Punarjanma and Chirokumar Sabha, all based on Tagore's works, all of which were directed by Premankur Atorthy, while *Palli Samaj* based on a novelette by Sarat Chandra Chatterjee, was directed by the famous theatre personality Sisir Bhaduri.

After initial teething troubles, with organizational difficulties, Sircar decided to develop New Theatres into an institution of academic excellence and creative artistry in an endeavour to set new standards of filmmaking in the country. The best available talents in the art and craft of filmmaking were given both opportunities and facilities to experiment and explore new form and techniques. These three great masters were Debaki Kumar Bose, Pramathesh Barua and Nitin Bose.

Films directed by these three masters under the New Theatres banner not only launched films with strong social agendas projecting the cultural traditions of Bengal (then undivided) on the Indian screen but also introduced several technical innovations which threw a beacon of light on the early pioneers of film-making in the country and also helped Indian cinema to establish itself and be recognised across the country.

The unique selling point of a New Theatres production was (a) a solid storyline, (b) lilting songs and background music, (c) sound technique, and (d) good acting. Sircar never interfered with the making of any film. Afterwards, he would watch it at a morning screening at New Cinema in Calcutta. Among the 150 films, it is difficult to sift the wheat from the chaff and say that these are the best. From Doctor (1940) to Pratisruti (1941) to Udayer Pathey (1944) to Anjan Garh (1948), from Puran Bhakt (Hindi - 1933) to Vidyapati (Hindi-1938) to Devdas (Bengali - 1935) to Mukti (1937), every New Theatres film defines a distinct identity for itself, remembered for different reasons.

New Theatres produced 150 films within its span of 24 years from 1931 to 1955. Its own studio came into being on February 10, 1931 located in Tollygunge, the centre of Calcutta's film world. Its phenomenal success, in turning out almost an uninterrupted line of quality films, is credited solely to the enterprise and imaginative faculties of B.N. Sircar. The Partition of India in 1947 took away a large part of the market in what is now Bangladesh and Pakistan almost overnight. Added to this were the communal riots between 1946 and 1947 that affected revenues in a big way. The elephant remained silent after the last production *Bakul* in 1955.

Dilip Sircar, late son of B.N. Sircar, said that along with his father, he had travelled to London in 1949, ten years after Pramathesh had left New Theatres. "Barua Saheb was convalescing in London at the time. During the one month we lived there, Barua would visit us everyday and we would sit and chat for hours. Though he was in failing health, not once did he fail to come." One of his last wishes was that, after his death, his hearse be carried to the door of B.N. Sircar's house on Elgin Road. "My father was very sick and bedridden at the time. As I was about to return from the studios, I got a call from my father. In a shaky voice, he informed me that Barua was no more.

I came home with a heavy heart. In keeping with his last wish, the hearse carrying Barua's body arrived in front of our residence. The streets were bursting with huge crowds gathered to pay their last respects. But I was watching my father, an old man, trying to hold his balance with the bars of a huge window, trembling and sick, waiting to pay his last respects to the man who once was a part of his favourite family, New Theatres. I shall never forget that moment," reminisced Sircar.

The award

Sircar won the Dadasaheb Phalke Award soon after it was instituted. He also won the Padma Bhushan for his rich contribution to Indian cinema. When one watches a New Theatres film today, one is struck by the quality of timelessness it has, in terms of story, treatment, acting, etc. because nothing, except the quality of the film print and its soundtrack, appear to be dated.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

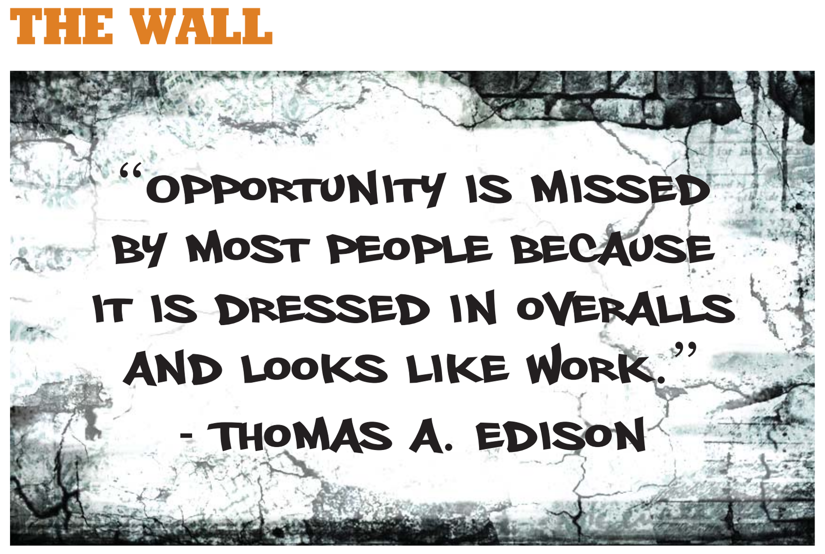

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

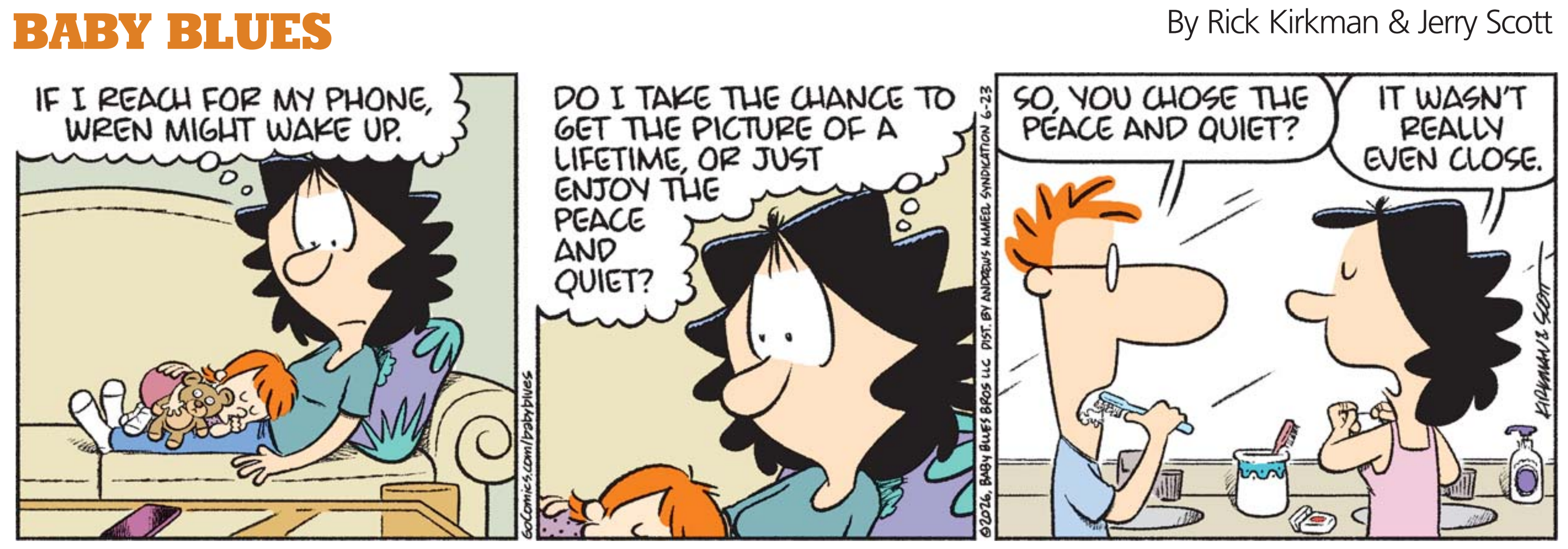

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

18 लाख रुपये की डोडा पोस्त की बड़ी खेप पकड़ी

पुलिस ने मौके से दो फ़र्ज़ी नंबर प्लेट भी बरामद की है

- एएसपी (सहाडा) बुद्धराज सिंह और डीएसपी (मांडल) राहुल जोशी के सुपरविजन में पुर थानाधिकारी व डीएसटी प्रभारी कन्हैयालाल के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया
- गाड़ी रुकते ही चालक कार छोड़कर अंधेरे में भाग निकला, जबकि खलासी सीट पर बैठे व्यक्ति को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबोच लिया
- आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे यह डोडा पोस्त सांवलिया जी (चित्तौड़गढ़) क्षेत्र से लेकर आ रहे थे

भीलवाड़ा । जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत डीएसटी और पुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए डोडा पोस्त की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने एक क्रेटा कार से 123.550 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त ज़ब्त कर हरियाणा निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद डोडा पोस्त की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 18 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से दो फ़र्ज़ी नंबर प्लेट भी बरामद की हैं।

एएसपी (सहाडा) बुद्धराज सिंह और डीएसपी (मांडल) राहुल जोशी के सुपरविजन में पुर थानाधिकारी व डीएसटी प्रभारी कन्हैयालाल के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

स्टॉप स्टिक से पंचर किए टायर : पुलिस के अनुसार 26 अगस्त की सुबह 4:49 बजे डीएसटी के हेड कांस्टेबल विजय सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि चित्तौड़गढ़ की तरफ से एक हुंडई क्रेटा कार (25 7576) में दो संदिग्ध डोडा पोस्त लेकर अजमेर की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने हजारी खेड़ा चौराहा पर नाकाबंदी की। सामने पुलिस को देख कार चालक ने अचानक गाड़ी यू-टर्न कर भागने का प्रयास किया। इस पर मुस्तैद पुलिस टीम ने कार के आगे स्टॉप स्टिक लगा दी, जिससे कार के टायर पंचर हो गए और गाड़ी रुक गई।

चालक फरार, खलासी सीट पर बैठा आरोपी दबोचा : गाड़ी रुकते ही चालक कार छोड़कर अंधेरे में भाग निकला, जबकि खलासी सीट पर बैठे व्यक्ति को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अनुज कुमार पुत्र राजेश बिश्नोई (24), निवासी बड़वा (हरियाणा) बताया तथा फरार चालक का नाम विक्रम विश्नोई बताया। आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे यह डोडा पोस्त सांवलिया जी (चित्तौड़गढ़) क्षेत्र से लेकर आ रहे थे। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें 7 कट्टों में भरा 123.550 किग्रा डोडा पोस्त मिला। आरोपी अनुज को गिरफ्तार कर पुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपी विक्रम की तलाश जारी है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम : थानाधिकारी कन्हैयालाल (पु.नि.), सउनि यशवीर सिंह, हेड कानि. कालूराम धायल, हेड कानि. विजय सिंह, कानि. राकेश भंडारी (विशेष योगदान), कानि. घीसूलाल (विशेष योगदान), कानि. कन्हैयालाल, असलम, बनवारी, घेवर, विक्रम और कमलेश।

पुष्कर में होटल पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक करोड़ आठ लाख रुपये बरामद

एक करोड़ आठ लाख रुपये की नकदी बरामद के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुष्कर । निकाय चुनाव से ठीक पहले पुष्कर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसडीएम कार्यालय के सामने स्थित एक निजी होटल से एक करोड़ आठ लाख रुपये की नकदी बरामद की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अचानक हुई इस कार्रवाई से होटल और आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने होटल में लोगों की आवाजाही रोककर पूरे परिसर की तलाशी और जांच शुरू कर दी। पुलिस की संयुक्त टीम ने होटल में प्रवेश करने और बाहर निकलने पर रोक लगा दी। होटल के आसपास भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए और बाहरी लोगों को परिसर से दूर रखा गया। कार्रवाई के दौरान पुष्कर के उपाधीक्षक सत्येंद्र नेगी और थाना अधिकारी अशोक बीशु मौके पर मौजूद रहे। पुलिस टीम होटल के भीतर मौजूद लोगों से पूछताछ करने के साथ ही दस्तावेजों और अन्य सामठी की जांच में जुटी रही। सूत्रों के अनुसार होटल से बरामद नकदी की मात्रा अधिक होने के कारण नोटों की गिनती के लिए भारतीय स्टेट बैंक से नोट गिनने की मशीन भी मंगवाई गई। पुलिस द्वारा नकदी की गिनती, जब्ती और आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई की गई। बरामद राशि को लेकर पुलिस की ओर से कार्रवाई पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी सामने आने की संभावना है। – निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बीच इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने से राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इतनी बड़ी रकम होटल तक कैसे पहुंची और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। प्रारंभिक स्तर पर पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस किसी मामले की जांच के सिलसिले में होटल तक पहुंची थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस ने होटल में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के साथ ही नकदी से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की। फिलहाल पुलिस की ओर से बरामद राशि, गिरफ्तार आरोपी और पूरे प्रकरण को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद नकदी के स्त्रोत, इसके उद्देश्य और मामले से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में खुलासा कर सकती है।

भाजपा को लग सकता है झटका पूर्व पार्षद ने निर्दलीय नामांकन भरा

अलवर नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

- वार्ड 11 से पूर्व पार्षद देवेंद्र रसगनिया ने भरा फॉर्म, कहा-टिकट नहीं दिया तो निर्दलीय लड़ूंगा चुनाव
- नामांकन फॉर्म में भाजपा और निर्दलीय दोनों विकल्प भरे हैं

अलवर। अलवर नगर निकाय चुनाव को लेकर अलवर में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने के लिए मिनी सचिवालय में वार्डवार अलग-अलग कमरे निर्धारित किए गए हैं। वार्ड नंबर 1 से 13 तक के प्रत्याशी कमरा नंबर 17 से नामांकन फॉर्म लेकर वहीं जमा कर सकते हैं।

वार्ड 14 से 26 तक के लिए कमरा नंबर 32, वार्ड 27 से 39 के लिए कमरा नंबर 83, वार्ड 40 से 52 के लिए कमरा नंबर 66 तथा वार्ड 53 से 65 तक के लिए कमरा नंबर 78 निर्धारित किया गया है। इधर, शहर के एससी रिजर्व वार्ड नंबर 11 से पूर्व पार्षद देवेंद्र रसगनिया ने नामांकन दाखिल कर चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है।

उन्होंने नामांकन फॉर्म में भाजपा और निर्दलीय दोनों विकल्प भरे हैं। देवेंद्र रसगनिया का कहना है कि भाजपा यदि उन्हें टिकट देती है तो वे पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे, अन्यथा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगे।

देवेंद्र पिछला नगर निकाय चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीतकर पार्षद बने थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। इस बार वे वार्ड 11 से भाजपा का टिकट मांग रहे हैं। भाजपा की सूची जारी होने से पहले ही उन्होंने नामांकन दाखिल कर दिया। उनका कहना है कि 27 अगस्त का उन्होंने मुहूर्त निकलवा रखा था, इसलिए पार्टी की सूची का इंतजार किए बिना नामांकन दाखिल किया है वहीं, वार्ड नंबर 50 से भी एक महिला प्रत्याशी ललिता देवी ने निर्दलीय के रूप में नामांकन फॉर्म दाखिल किया है। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही चुनावी मैदान में दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है।

खानखेड़ा में गूंजा स्वच्छता का संदेश

बून्दी । राउप्रावि खानखेड़ा में गुरुवार को इको क्लब खानखेडा के तत्वावधान में प्लास्टिक मुक्त विद्यालय अभियान के तहत विद्यार्थियों, स्टाफ एवं ग्रामीणों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई।

इसमें विद्यार्थियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा विद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की शपथ ली। इसके बाद विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने परिसर में बिखरे प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था की। इसके साथ ही विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को प्लास्टिक की बजाय कपड़े एवं कागज के थैलों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने हेतु जागरूकता रैली निकाली गई।

नेपाल भ्रमण पर गये लोगों के लिए प्रशासन सहायता के लिए आगे आया

जिलेवासियों की कुशलक्षेम के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय

- नेपाल भ्रमण पर गए जिले के नागरिकों के के परिजनों को आवश्यक सहायता के लिए कंट्रोल रुम बनाया

भीलवाड़ा। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 26 अगस्त 2026 को भोटेकोशी नदी में आई आकस्मिक बाढ़ के कारण पर्यटकों एवं यात्रियों के प्रभावित होने तथा लापता होने की स्थिति को देखते हुए, नेपाल भ्रमण पर गए जिले के नागरिकों के संबंध में उनके परिजनों को आवश्यक सहायता एवं जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष सक्रिय किया गया है।

जिले के ऐसे नागरिकों के परिजन, जिनका कोई परिवारजन नेपाल भ्रमण पर गया हुआ है तथा वर्तमान में उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है अथवा उसके नेपाल में फंसे या प्रभावित होने की आशंका है, वे संबंधित व्यक्ति की जानकारी, जैसे नाम, पता, मोबाइल नंबर, नेपाल में संभावित स्थान, यात्रा/टूर ऑपरेटर का विवरण आदि, जिला नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध करा सकते हैं। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिला आपदा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस संबंध में सूचना एवं सहायता के लिए जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 01482-232671 तथा ई-मेल1234.पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र के सहायता केन्द्र की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1070 एवं 112 तथा दूरभाष नंबर 0141-2851960, 0141-2385776, 0141-2385777, 0141-2227296, 0141-2927392 एवं 0141-2227603, नंबर 28888 और ई-मेल-.पर भी आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित नागरिकों के परिजनों से अपील की गई है कि यदि नेपाल भ्रमण पर गए उनके परिवारजन से संपर्क नहीं हो पा रहा है अथवा उनके नेपाल में फंसे या प्रभावित होने की आशंका है, तो उपलब्ध जानकारी संबंधित नियंत्रण कक्ष को शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि आवश्यक सहायता एवं जानकारी उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके।

खेलो इंडिया पर छात्रों से संवाद

भीलवाड़ा। जिले के श्रीप्रताप सिंह बारहट राजकीय महाविद्यालय, शाहपुरा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी दिगविजय सिंह ने माय भारत पोर्टल की जानकारी देकर की। इस दौरान विद्यार्थियों को लाइव खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम दिखाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने की, जबकि संचालन प्रो. मूलचंद खटीक ने किया। महाविद्यालय के स्पोर्ट्स आइकॉन एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अंकित मीणा ने स्विमिंग से होने वाले मानसिक एवं शारीरिक विकास के बारे में जानकारी दी।

क्या इस बार भाजपा के पुराने पार्षद नही बनेंगे महापौर का चेहरा

- महापौर के लिए भाजपा लगा सकती है नए चेहरे पर दाव,पूर्व पार्षदों के दावे होंगे फेल
- पिछले चुनाव में भाजपा पार्षदों ने की क्रास वोटिंग से भाजपा बोर्ड बनाने से चूकी

अलवर । महापोर के सपने सजोए चुनाव मैदान में स्वयं या अपने परिवार के लोगों को चुनाव मैदान में उतार रहे भाजपा के पूर्व पार्षदों के सपने हो सकते है चकनाचूर भाजपा पिछले पार्षद व उनके परिवार के विजयी होने वाले प्रत्याषी को महापौर नही बनाएगी। भाजपा नए चेहरे पर दाव लगा सकती है। हो सकता है भाजपा पिछले पार्षदों को टिकट से ही वंचित कर पार्षदों को चौका भी सकती है।

भाजपा में टिकट की मांग को लेकर मची होड को देखते हुए भाजपा टिकट वितरण देरी कर सकती है वह अंतिम समय में टिकट वितरण करेगी ताकि टिकट की आस लेकर बैठै प्रत्याषी अपना विरोध दर्ज ना करा सके।इधर भाजपा के सूत्रों के अनुसार पिछली बार नगर परिषद चुनाव जब भाजपा पार्षदों की तरफ से क्रोस वाटिंग की गई थी और भाजपा के हाथ से बोर्ड खिसक गया था इसका अंदाजा भाजपा को है और पिछले सभी उन भाजपा पार्षद जिन्होंने क्रोस वाटिंग की वे भाजपा के रेडार पर है।

अलवर नगर निगम चुनाव में मेयर पद को लेकर भाजपा की रणनीति में नया मोड़ आ गया है। क्रॉस वोटिंग करने वाले पार्षदों को मेयर की दौड़ से बाहर माना जा रहा है, जिसके बाद पार्टी के सामने अब सिर्फ दो प्रमुख विकल्प बचे हैं। किसी नए चेहरे पर दांव लगाना या फिर किसी पिछली बार चुनाव हारे अनुभवी पुराने चेहरे को एक बार फिर मैदान में उतारकर मौका दिया जाए। अब पार्टी नेतृत्व दोनों विकल्पों पर मंथन कर अंतिम फैसला करेगा। दरअसल, बीजेपी इस बार हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है।

पिछले चुनाव में बहुमत के बावजूद मिली करारी हार से करीब-करीब यह तय है कि पिछली बार क्रॉस वोटिंग का शक झेल रहे पार्षदों को मेयर की दौड़ से पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। पिछले सभापति के चुनाव के दौरान एक ऑडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें पैसे के लेन-देन का भी जिक्र आया था। उससे अनुमान है कि निगम के मेयर केचुनाव में मोटा पैसा भी खर्च होता है। साल 2019 के नगर परिषद चुनाव में भाजपा के 27 और कांठोस के 19 पार्षद जीतकर आए थे, जबकि 19 निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे।

लगभग आधे निर्दलीय पार्षदों का समर्थन भी भाजपा के साथ था। इसके बावजूद भाजपा के मेयर प्रत्याशी धीरज जैन 9 वोटों से चुनाव हार गए थे। कुल 65 वार्डों में से कांठोस प्रत्याशी बीना गुप्ता 37 और बीजेपी के प्रत्याशी धीरज जैन को 28 वोट ही मिले थे। पार्टी के ही 8 से 10 पार्षदों ने सेंधमारी करते हुए कांठोस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी थी, जिससे मोटा खर्च और स्पष्ट जनादेश होने के बावजूद भाजपा के हाथ से सीट निकल गई थी।

हार के बाद जांच समिति और बड़े नेताओं को संदिग्ध पार्षदों के नाम भेजे गए थे। हालांकि, वे नाम सार्वजनिक नहीं हुए, लेकिन वे सभी चेहरे अब संगठन की सूची (रडार) में हैं। भाजपा के दिग्गज नेताओं के सामने इस बार दो बड़ी चुनौतियां हैं। जिन पार्षदों ने पिछली बार अपनी ही पार्टी को धोबीपछाड़ दी थी, उन्हें इस बार मेयर का टिकट मिलना बहुत मुश्किल है। अगर क्रॉस वोटिंग वाले चेहरों में से किसी को टिकट दिया गया, तो पिछली बार हराए गए खेमे के पार्षद दोबारा बगावत कर सकते हैं। वहीं, टिकट कटने पर भी भीतरघात की संभावना बनी रहेगी। पार्टी की प्राथमिकता एक ऐसा निर्विवाद चेहरा लाने की है, जिसके साथ ज्यादा से ज्यादा पार्षद एकजुट हो सकें। ऐसे में या तो किसी नए और निष्ठावान पार्षद को आगे किया जाएगा, या फिर पिछले प्रत्याशी को दोबारा मौका देकर पुरानी हार का हिसाब चुकता करने का दांव खेला जा सकता है।

वाटिक के लिए 172.86 लाख रुपये मंजूर

बूंदी। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी- जी राम जी) योजना के तहत पंचायत समिति बूंदी की 23 ग्राम पंचायतों में 36 अमृत पोषण वाटिका कार्यो के लिए एक करोड़ 72 लाख 86 हजार रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृती जारी की गई है।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चारू (आई.ए.एस.) ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा की पालना में कार्यों की स्वीकृतियां जारी की गई है।

नियमानुसार जांच उपरांत ग्राम पंचायत मद योजना के साथ कन्वर्जेंस कर स्वीकृतियां जारी की गई।

करोड़ों की टेक्स चोरी के लिए 8 अरब हांगकांग भेजे

- हांगकांग रुपये भेजने के बाद यही रुपये फर्जी कंपरियों के जरिये वापस आने थे

श्रीगंगानगर । यहां रायसिंहनगर से विदेश में 815 करोड़ रुपए भेजे जाने के मामले में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सीए शेरिल गुप्ता ने बताया कि- ये रुपए हांगकांग भेजे गए थे। इसके बाद फर्जी कंपनियों के जरिए ये रुपया वापस भारत में आना था। एक कंपनी से तो सीए ने विदेश में 990 ट्रांजेक्शन कर 610 करोड़ से ज्यादा रुपए विदेश में ट्रांसफर किए थे। शेरिल ने बिना डॉक्यूमेंट जांच किए इन रुपयों को लेकर 15सीबी का सर्टिफिकेट भी दे दिया। आयकर विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सर्वे के दौरान शेरिल गुप्ता ने स्वीकार किया कि संबंधित अकाउंट्स, समझौतों और दस्तावेजों को खुद नहीं देखा और न ही उनका वेरिफिकेशन किया। कई लोगों ने इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल नहीं किया था या उनका घोषित कारोबार बहुत कम था, फिर भी उनके नाम पर बड़ी रकम विदेश भेजी गई। आईटी विभाग के अनुसार, इनमें से कुछ शेल कंपनियां भी थीं। 18 अगस्त रायसिंहनगर में सीएम शेरिल गुप्ता के ऑफिस में सर्च की गई थी। इस दौरान टैक्स चोरी की जानकारी मिली। आयकर विभाग के उपनिदेशक (अन्वेषण) कन्हैयालाल मीणा की शिकायत पर रायसिंहनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है। शिकायत में अन्य मध्यस्थों और संभावित सिंडिकेट की भूमिका की जांच की बात कही गई है। अगर कोई अन्य व्यक्ति या समूह शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। अब ईडी ने इस प्रकरण में पुलिस से फाइल मांगी है। श्रीगंगानगर में एक बड़ा हवाला कारोबारी पर भी आयकर विभाग के रडार पर है। नियम के हिसाब से एक कंपनी रेमिटेंस के माध्यम से 5 से 10 लाख तक रुपए विदेश भेज सकती है। अगर रकम इससे ज्यादा है तो फॉर्म-15ँ लगाना पड़ता है। जिसका टैक्स 20 प्रतिशत होता है। 20 प्रतिशत के हिसाब से 815 करोड़ का टैक्स 163 करोड़ रुपए बनता है। फॉर्म-15सीबी आयकर नियमों के तहत चार्टर्ड अकाउंटेंट जारी करता है। जब कोई व्यक्ति या विदेशी कंपनी फाइनेंशियल इय्यर में 5 लाख रुपए से ज्यादा का भुगतान (जो भारत में कर योग्य हो) करता है और इसमें आकलन अधिकारी से धारा 195/197 के तहत प्रमाणपत्र नहीं लिया गया है। इसमें सीए भुगतान की प्रकृति, उद्देश्य, लागू टीडीएस दर, कर कटौती और आयकर अधिनियम की धारा 5 व 9 तथा डबल टैक्सेशन अवॉइडेंस एग्रीमेंट के प्रावधानों के अनुसार कर योग्यता की जांच करके प्रमाणित करता है।

प्रवेश की अंतिम तिथि 10 सितम्बर

कोटपूतली, (निसं)। वर्धमान महावीर खुला विष्वविद्यालय कोटा के अकादमिक सत्र 2026-27 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 10 सितम्बर तक बढ़ाई गई है।

अध्ययन केन्द्र राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय कोटपूतली के प्राचार्य प्रो. आर.के. सिंह ने बताया कि विष्वविद्यालय द्वारा बीए, बीएससी, लाईब्रेरी स्नातक, स्नातकोत्तर, गणित एवं कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर, सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा सहित सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिये जा रहे है। इच्छुक विद्यार्थी ई-मित्र, मोबाईल/कंप्युटर द्वारा ऑनलाईन माध्यम से 10 सितम्बर तक प्रवेश ले सकते है।

अध्ययन केन्द्र के समन्वयक प्रो. अशोक सिंह ने बताया कि वीएमओयू ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सत्र 2026-27 में सेमेस्टर प्रथम, द्वितीय दोनों में एक साथ प्रवेश दिया जा रहा है तथा प्रमोटी प्रवेश भी चालू है एवं विद्यार्थी नियमानुसार एक साथ दो डिग्री में प्रवेश ले सकता है। प्रवेश लेते समय पाठ्य सामग्री नहीं लेने पर कुल फीस में 15 प्रतिशत की छुट का प्रावधान किया गया है।

विश्वविद्यालय महिला विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है, जिनकी फीस का पुनर्भरण राज्य सरकार करेगी।

भाई की कलाई पर आज सजेगा बहिनों की राखी का संसार

रक्षाबंधन पर रंग बिरंगी आकर्षक राखियों से सजा बाजार

- भाइयों के लिए राखियां खरीदती नजर आई युवतियां व महिलाओं

बून्दी। भाई बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार इस बार शुक्रवार 28 अगस्त को हर्ष और उल्लास से मनाया जाएगा। बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने की तैयारी को लेकर खरीदारी में जुटी हुई है, तो बूंदी शहर में भी राखी बाजार सज गया है जहां पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने के लिए खरीदारी करने पहुंच रही है। इसी को लेकर बूंदी में राखी बाजार सजाने के साथ ही महिलाएं युवक युवतियां परिवारजन सभी राखी की खरीदारी करने बाजार में पहुच रही हैं। भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने को लेकर राखी खरीदने राखी बाजार जो की बूंदी शहर के चैगान गेट पर लगा हुआ है और 12 महीने इस रक्षाबंधन के त्यौहार का इंतजार करने वाली बहने अपने भाइयों की कलाई के लिए सुंदर और महंगी राखियां भी खरीद रही है। बूंदी में राखी की अगर बात करें तो इस बार डायमंड वाली राखियां, छोटी राखियां ,बच्चों के लिए डोरेमोन ,कार्टून और लाइट वाली राखियां दुकानों पर बिकने के लिए आई हुई है। बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए अपनी पसंद की अच्छी से अच्छी राखी खरीद रही है, ताकि भाई की कलाई पर वह राखी अच्छी भी लगे। बहने बड़ी खुशी से रक्षाबंधन के इस पर्व को सेलिब्रेट करने की तैयारी को लेकर खरीदारी करने में जुटी हुई है। नारियल मिठाई या राखी फिर अन्य सभी की खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंच रही है तभी तो बाजार में खरीदारी को लेकर रक्षाबंधन के त्यौहार को देखते हुए भीड़भाड़ का नजारा देखने को मिल रहा हैं। 27 वर्षो बाद भद्रा मुक्त रक्षाबंधन रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई की लंबी उम्र और समृद्धि की कामना करते हुए उसकी कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को जीवन भर उसकी रक्षा करने का वचन देता है, जबकि गुरु अपने शिष्यों और पुरोहित अपने यजमानों को रक्षा सूत्र बांधकर आशीर्वाद देते हैं।ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम जगन्नाथपुरा के अनुसार 27 वर्षों बाद ऐसा संयोग बन रहा है जब रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहेगा। इसके साथ ही इस बार रक्षाबंधन पर पांच शुभ योगों, सुकर्मा योग, बुधादित्य योग, उभयचरी योग, सर्वार्थ सिद्धि योग तथा त्रिपुष्कर योग का दुर्लभ संयोग भी बन रहा है। जिससे यह पर्व धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से अत्यंत विशेष माना जा रहा है। वहीं भद्रा काल नहीं होने के कारण पूरे दिन रक्षा सूत्र बांधने में कोई बाधा नहीं रहेगी। ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम जगन्नाथपुरा के अनुसार पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को शुरू होकर 28 अगस्त की सुबह लगभग 9.45 बजे तक रहेगी। भद्रा काल 27 अगस्त की सुबह 9.08 बजे शुरू होकर रात 9.32 बजे समाप्त हो जायेगा। भद्रा सूर्योदय से पहले समाप्त होने के कारण इस बार बहनों को राखी बांधने के लिए सुबह से ही पर्याप्त समय मिलेगा। उदय व्यापिनी सिद्धांत के अनुसार पूरे दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जा सकेगा। शुक्रवार को सुबह 9.48 बजे तक पूर्णिमा तिथि रहने के कारण इस अवधि को विशेष शुभ माना गया है, दोपहर 12.29 बजे से 2.04 बजे तक तथा सांय 5.14 से 6.50 बजे तक शुभ मुहूर्त में रक्षा सूत्र बांधे जा सकते है। इस दौरान 28 अगस्त को दिन के 10.31 बजे से दोपहर 12.07 बजे तक राहुकाल रहने से शास्त्रीय मान्यता के अनुसार इस अवधि में बहनों को इस समय राखी बांधने से बचना चाहिए । श्रावणी पूर्णिमा पर बूंदीस्थ ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र परिषद के तत्वावधान में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन माधव की पेडिया पर शुक्रवार को प्रात: 9 बजे किया जायेगा। इस वैदिक आयोजन में विप्र गण नूतन यज्ञोपवीत धारण कर विश्व शांति, मानव कल्याण एवं अखिल विश्व के अभ्युदय की कामना के लिए भद्र सूक्त आदि का पाठ करेंगे । राजस्थान रोडवेज ने हर साल की तरह इस साल भी रक्षाबंधन पर महिलाओं और बालिकाओं को बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दी है। रोडवेज प्रबंधक घनष्याम गौड़ ने बताया कि रक्षाबंधन के मौके पर दो दिन 28 और 29 अगसत को रोडवेज की साधारण और एक्सप्रेस बसों में महिलाएं-बालिकाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी।

चुनाव में किसी भी परिस्थिति से निबटने के लिए पुलिस तैयार

बैठक में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित वीडियो पर निगरानी के आदेश

बूंदी। आगामी नगर निकाय चुनाव के मध्यनजर आज कोटा रेंज पुलिस महानिरीक्षक हरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में पुलिस अधिकारियों की गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कोटा रेंज पुलिस महानिरीक्षक हरेंद्र कुमार ने बताया कि आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर जिले की कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की गई। गोष्ठी के दौरान चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में चुनाव के दौरानसंवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी रखने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना को देखते हुए पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। महानिरीक्षक पुलिस कोटारेंज कोटा ने चुनाव के दौरान असामाजिक तत्वों, आदतन अपराधियों एवं चुनाव को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।कानून-व्यवस्था से संबंधित किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को पूरी तरह सतर्क एवं तैयार रहने के निर्देश दिए गए। किसी भी सूचना अथवाशिकायत पर त्वरित प्रतिक्रिया एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली पोस्ट, वीडियो एवंसंदेशोंपर भी सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

कोटा रेंज पुलिस महानिरीक्षक हरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में पुलिस अधिकारियों की गोष्ठी आयोजित हुई।

- **नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष पुलिस प्रतिबद्ध : आईजी हरेंद्र कुमार**

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा भ्रामक सूचना सामने आने पर उसका तत्काल सत्यापनकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए तथा आमजन को तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने कहा कि बूंदी पुलिस आगामी नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह तैयार एवं प्रतिबद्ध है।

उदयपुर में पैसों के लालच में बुजुर्ग दंपत्ति की निर्मम हत्या में पड़ोसी सहित पांच शातिर गिरफ्तार

डेढ़ साल से बना रहे थे हत्या की साजिश, लूट की नियत से की हत्या

उदयपुर । सायरा थाना क्षेत्र के पुनावली गांव में 12 अगस्त से लापता वृद्ध दंपत्ति लहरीलाल पालीवाल और उनकी पत्नी राधा बाई की हत्या का सनसनीखेज खुलासा करते हुए पुलिस ने पड़ोसी समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने लूट की नीयत से दंपत्ति की हत्या कर शवों को प्लास्टिक की थैलियों व टेप से पैक करके घर में रखे लोहे के बक्से में बिस्तरों के नीचे छिपा दिया था।

एसपी डॉ. अमृता दुहन के अनुसार 14 अगस्त को बंद मकान से दुर्गंध आने पर पुलिस ने बक्से से दोनों शव बरामद किए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी शैतानसिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल 5 आरोपियों. कुशल उर्फ खुशी पालीवाल,चंदन यादव (बिहार), दिलीप चौधरी (गुजरात), किशन पालीवाल और जीवन पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिया गया है। मुख्य आरोपी पड़ोसी कुशल पालीवाल खर्चीली जीवनशैली और भारी कर्जे के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसे पता था कि दंपत्ति अकेले रहते हैं और उनके पास काफी नकदी व जेवरात हैं। आरोपी पिछले 1.5 साल से हत्या और लूट की योजना बना रहा था। उसने सूरत और गांव के अपने साथियों को मिलाकर 9 अगस्त को रेकी की। 11 अगस्त की रात आरोपी किशन और जीवन जन्मपत्री दिखाने के बहाने दंपत्ति के घर में दाखिल हुए और मुख्य दरवाजा खुला छोड़ दिया। मौका पाकर मुख्य आरोपी कुशल घर के बाथरूम में छुप गया। रात में दंपत्ति के सोने के बाद कुशल ने अपने साथियों को अंदर बुलाया। आरोपियों ने पहले ऊपरी मंजिल पर सो रहे लहरीलाल के सिर पर हथौड़े से वार कर उनकी हत्या कर दी। सुबह जब राधा बाई जागीं, तो उनका मुंह दबाकर गला घोंट दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने जेवरात और नकदी लूटी, दोनों शवों को थैलियों में पैक कर बक्से में बंद किया और सबूत मिटाने की नीयत से मृतकों के मोबाइल हाईवे पर फेंक कर फरार हो गए। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है। इस हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस थाने से लेकर साईबर टीम के पुलिसकर्मियों को लगाया गया। पुलिस अधिकारियों सहित करीब 40 पुलिस दल की टीम ने इसकी हत्या की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए हत्यारों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। सायरा थाना पुलिस थानाधिकारी शैतान सिंह, गोगुन्दा थानाधिकारी प्रवीण सिंह राजपुरोहित, भरत योगी पुलिस निरीक्षक (डीएसटी), सुनील चरारण पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना गोवर्धन विलास, फैलीराम उप निरीक्षक जिला साईबर सेल जिला राजसमंद, रामावतार मीणा थानाधिकारी बेकरिया, राजेन्द्र सिंह सउनि थाना सायरा, गजरात सिंह सउनि प्रभारी जिला साइबर टीम, कुलदीप सिंह है. कानि. जिला साइबर टीम, जितेन्द्र सिंह व कमलेश है.कानि. जिला विशेष टीम सहित 40 पुलिसकर्मियों की टीम ने मामले को सुलझाया।

उदयपुर के पुनावली गांव में वृद्ध दम्पत्ति के दोहरी हत्याकांड में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

204 किलोग्राम बदबूदार नमकीन व 210 किलोग्राम खराब तेल किया नष्ट

- **272 किलोग्राम सोन पापड़ी, 116 किलो चना दल और 25 किलो भूजिया को किया सीज**
- **फैक्ट्री संचालक को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया**

सीकर, (निसं)। त्योहार पर लोगों को शुद्ध एवं ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो और मिलावटखौरों पर नकेल कसने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियमित कार्रवाई की जा रही हैं। रक्षाबंधन के पर्व पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर प्रदेश भर में कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर आशीष मोदी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया के नेतृत्व में चल रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत गुरूवार को केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारी रोहित शर्मा के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया, महमूद अली, नंदराम मीणा एवं सुरेश कुमार शर्मा की टीम ने सीकर शहर व आसपास के क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान उन्होंने सीकर शहर के जगमालपुरा रोड खटीकान प्याउ पर स्थित श्री श्याम बीकाणा नमकीन निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। फैक्ट्री में गंदगी और बदबू फैली हुई थी। टीम ने मिलावट की आशंका पर उन्होंने सोन पापड़ी, भूजिया, चना दल के सैम्पल लिए और 272 सोन पापड़ी, 116 किलो चना दल तथा 25 किलो भूजिया सीज किया।

साथ ही निर्माण इकाई में खराब वं बदबूदार मिली 204 किलोग्राम नमकीन और 210 पामोलिन ऑयल (रियुज्ड कुकींग ऑयल) को नष्ट करवाया। टीम ने फर्म संचालको साफ सफाई नहीं रखने तथा अन्य कमियां पाए जाने पर इम्प्रूवमेंट नोटिस भी दिया।

एसएसओ फूल सिंह बाजिया ने बताया कि रक्षाबंधन, जन्माष्टमी व पर्व को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा जिले में खाद्य वस्तुओं की दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा हैं।

टीम गठित की

खैरथल(निसं)। नगरपालिका एवं पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन-2026 के दौरान पेड न्यूज पर प्रभावी निगरानी एवं जांच सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश के निर्देशानुसार जिला स्तर पर मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना में गठित समिति में जिला निर्वाचन अधिकारी, खैरथल-तिजारा अध्यक्ष, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, खैरथल-तिजारा सदस्य तथा प्रभारी अधिकारी, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सदस्य सचिव होंगे।

छात्रों को खेलों के लिए जागरुक किया

- **प्रतिभागियों ने खेल सुविधाओं एवं गतिविधियों को बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए**

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत केंद्र तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थानीय इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की थीम 'खेलो इंडिया संवाद- खेल की बात के साथ' रही। इसका उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को खेलों के प्रति जागरूक करना, उपलब्ध खेल सुविधाओं की जानकारी देना तथा उन्हें खेल गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम की प्रस्तावना माय भारत केंद्र की युवा आइकॉन खुशी शर्मा ने प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी श्री हेमेन्द्र सिंह राणावत ने जिले में उपलब्ध खेल सुविधाओं एवं संसाधनों की जानकारी देते हुए युवाओं को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भारतीय खेल प्राधिकरण से भारोत्तोलन में राष्ट्रीय युवा स्वर्ण पदक प्राप्त श्री उपेन्द्र सिंह ने खेल सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए युवाओं से उपलब्ध अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आ ान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री बी. एल. जागेटिया ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली एवं खेल संस्कृति से जोड़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने खेल सुविधाओं एवं गतिविधियों को बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए। संचालन विद्यार्थी युवराज सिंह ने किया, जबकि माय भारत के श्री जगदीश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के , , स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थीगण, संकाय सदस्य एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद। देवगढ़ थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण एवं दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई करते हुए 24 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अशोक सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह रावत, उम्र 24 वर्ष, निवासी भोजा का तालाब, बग्गड़ी कलालिया, थाना सेंदड़ा, जिला ब्यावर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार नाबालिग के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश के लिए देवगढ़ , भीम, ब्यावर, टॉडगढ़ और अजमेर सहित विभिन्न स्थानों पर तलाश एवं जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान आरोपी द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की बात सामने आई । पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक एवं वृत्ताधिकारी भीम राकेश कुमार वर्मा के सुपरविजन में थाना प्रभारी मुकेश चौधरी के नेतृत्व में की गई।

मां की ममता का मार्मिक दृश्य : मां के शव से लिपटा रहा बंदर का बच्चा

- **बीमारी से एक मादा बंदर की मौत हो गई, लेकिन उसका नन्हा बच्चा मां के शव से लिपटा रहा**

राजसमंद । मां और बच्चे के बीच का रिश्ता कितना गहरा होता है, इसका मार्मिक उदाहरण राजसमंद जिले के आमली का गुडा गांव में देखने को मिला। यहां बीमारी से एक मादा बंदर की मौत हो गई, लेकिन उसका नन्हा बच्चा मां के शव से इस कदर लिपटा रहा कि अंतिम संस्कार तक उसने अपनी मां का साथ नहीं छोड़ा। इस दृश्य ने वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर दीं। जानकारी के अनुसार आमली का गुड़ा निवासी किशन सिंह चुंडावत को शाम करीब 7 बजे सूचना मिली कि कुएं के पास एक मादा बंदर और उसका बच्चा पड़े हुए हैं। मादा बंदर बीमार थी। सूचना मिलते ही किशन सिंह मौके पर पहुंचे और वाहन की व्यवस्था कर मादा बंदर को उपचार के लिए अस्पताल ले जाने का प्रयास किया। रास्ते में धानीन बस स्टॉप पर चिकित्सक राकेश जी मिले, जिन्होंने मादा बंदर का उपचार किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। मादा बंदर की मौत के बाद जो दृश्य सामने आया, वह बेहद भावुक कर देने वाला था। उसका बच्चा मां के शव से लिपट गया और काफी देर तक उसे छोड़ने को तैयार नहीं हुआ। अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान भी वह अपनी मां से दूर नहीं गया। मां के शव के पास बैठा और उससे लिपटा नन्हा बंदर वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर गया। लोगों ने बताया कि बेजुबान जानवरों में भी मां और बच्चे का रिश्ता इंसानों की तरह ही गहरा होता है। मां के जाने के बाद बच्चे का इस तरह अंतिम क्षण तक उसके साथ रहना ममता और लगाव की ऐसी तस्वीर बन गया, जिसे देखकर कई लोगों की आंखों में आंसू आ गए। मादा बंदर के अंतिम संस्कार में रतन सिंह, सुरेश सोनी, अनिल सेन, देवजी प्रजापत, गोपाल सोनी, शक्ति सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस के भीष्म पितामह पूर्व विधायक महेंद्र शास्त्री का 95 साल की उम्र में निधन

अलवर। अलवर के दिग्गज नेता, कवि एवं साहित्यकार पूर्व विधायक महेंद्र शास्त्री का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से अलवर के मोती डूंगरी स्थित निवास पर रह रहे थे। आज शाम भूरा सिद्ध में उन्हें अंतिम विदाई दी।

महेंद्र शास्त्री ने 1985 लोकदल के टिकट पर मुंडावर विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। इस दौरान उन्होंने 25,520 मत प्राप्त कर कांठोस प्रत्याशी जसवंत सिंह को 2,224 मतों से हराया था। शास्त्री 80 साल की उम्र तक सक्रिय राजनीति में रहे और क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई। वह अपने प्रखर वाक कौशल और जनसंपर्क के लिए जाने जाते थे। शास्त्री का परिवार भी जनसेवा में सक्रिय रहा है। उनके बेटे लंबे समय तक अलवर सहकारिता क्षेत्र में अध्यक्ष पद पर रहे।

राजनीति को लेकर उनकी पकड़ अच्छी रही है। कब कहां किसी पार्टी में बड़ा फेरबदल हो सकता है। यह शास्त्री अपने समय में अच्छे से समझ जाते थे। इस कारण दूसरे नेता भी उनसे मार्गदर्शन लेते रहे है ।

महेंद्र शास्त्री की पहचान कांठोस के पुराने और गहरे जानकार नेताओं में होती थी। पार्टी के भीतर उन्हें वरिष्ठ मार्गदर्शक और भीष्म पितामह के रूप में सम्मान मिलता था। शास्त्री अपने बेबाक और स्पष्ट अंदाज के लिए भी जाने जाते थे ।

उनके बारे में कहा जाता था कि उनकी बोली सटीक थी और जो बात बोल देते थे, उस पर कायम रहते थे। उन्होंने यादों की महक, चलते - चलते कहा आ गए, मानव मन अकथ कहानी सहित कई किताबें भी लिखी। सहकारिता के क्षेत्र में योगदान के चलते उन्हें सहकारितारत्न के सम्मान से भी नवाजा गया था।

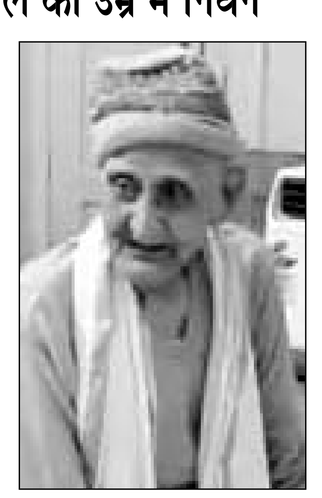

महेंद्र शास्त्री

31 अगस्त तक नामांकन पत्र प्रस्तुत होंगे

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में आगामी नगर निकाय चुनाव के तहत 10 नगर पालिकाओं एवं भीलवाड़ा नगर निगम में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार नामांकन प्रक्रिया के तहत 31 अगस्त तक सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित स्थानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि भीलवाड़ा नगर निगम के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित संबंधित कक्ष में नामांकन पत्र लिए जाएंगे। बीगोद नगर पालिका के भारत निर्माण सेवा केंद्र बीगोद में तथा शेष नगर पालिकाओं के लिए संबंधित नगर पालिका मुख्यालय स्थित उपखंड कार्यालय में नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित समय-सीमा की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए तथा अभ्यर्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुरा खुड़ी को मिली विद्यालय वाहन की सौगात

सिरम इंस्टीट्ययूट ऑफ इंडिया के संस्थापक ने प्रदान वाहन किया

रसीदपुरा । खुड़ी सीकर क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण संस्थान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुरा खुड़ी (जनता विद्यालय) के विद्यार्थियों को आवागमन के लिए एक बड़ी सौगात मिली है।

विश्व प्रसिद्ध वैक्सीन निर्माता सिरम इंस्टीट्ययूट ऑफ इंडिया के संस्थापक डॉ. साइरस पूनावाला द्वारा विद्यालय के बच्चों के सुगम आवागमन हेतु एक नया वाहन प्रदान किया गया है। इस पुनीत कार्य के प्रेरणास्रोत संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर और गोविंद बाग, खुड़ी रहे। वाहन के विद्यालय परिसर पहुँचने पर समस्त विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा विद्यालय परिवार से जुड़े भामाशाहों ने पुष्प वर्षा करके जोरदार स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि विद्यालय का समस्त स्टाफ पिछले 12 वर्षों से मिसाल पेश करते हुए अपने व्यक्तिगत स्तर पर बच्चों को वाहन सुविधा उपलब्ध करवाता आ रहा था। शिक्षकों के इसी अभूतपूर्व समर्पण और दूर-दराज के बच्चों की परेशानी को देखते हुए संग्राम शक्ति फाउंडेशन और गोविंद बाग खुड़ी ने पहल की, जिसके परिणामस्वरूप डॉ. पूनावाला की ओर से यह स्थायी सौगात मिली।

अब इस नए वाहन के नियमित संचालन की जिम्मेदारी भी संठाम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर द्वारा उठाई जाएगी। विद्यालय वाहन मिलते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। संस्था प्रधान और ग्रामीणों ने डॉ. साइरस पूनावाला, संग्राम शक्ति फाउंडेशन व गोविंद बाग खुडी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वाहन आने वाले समय में दूर-दराज के बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर विद्यालय परिवार व गांव के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रसीदपुरा खुड़ी (जनता विद्यालय) के विद्यार्थियों को आवागमन के लिए एक बड़ी सौगात मिली है।

- **संग्राम शक्ति फाउंडेशन एवं गोविंद बाग खुड़ी की प्रेरणा से मिला उपहार**
- **पिछले 12 वर्षों से विद्यालय स्टाफ स्वयं के स्तर पर दे रहा था वाहन सुविधा**
- **संग्राम शक्ति फाउंडेशन जयपुर द्वारा किया जाएगा वाहन का संचालन**

रात भर अंधेरे में डूबा रहा लसानी

राजसमन्द । ग्राम पंचायत लसानी के दो स्थानों पर देर रात को बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया लेकिन एक स्थान किसी कारण से डीपी को चोरी किए ही भाग गए , बदमाशों की इस हरकत के चलते ग्रामीण को रात भर अंधेरे में रहना पड़ा । लसानी के आंगनवाड़ी 1 के पास लगी 11 केवी विद्युत डीपी ओर आखरिया चौक में लगी डीपी को बदमाशों ने निशाना बनाया, आखरिया चौक पर लगी विद्युत डीपी तो किसी कारण चोरी होने बच गई है । चोरों ने इस डीपी के ऊपर वाले हिस्से को तो खोल दिया लेकिन कोई आ जाने से मौके से फरार, बदमाशों ने आंगनवाड़ी के पास लगी डीपी पॉल से नीचे गिराकर डीपी को खोलकर ताम्बा आदि तार को निकालकर ले गए । डीपी चोरी की वारदात के कारण लसानी रात भर अंधेरे में डूबा रहा ,चोरी की सूचना अल सुबह ग्रामीणों को लगीं बदमाशों ने पास वाले मकान को बाहर से लॉक कर दिया ताकि जाग जाने के बाद भी कोई बाहर ना आसके ।

उमरड़ा खेड़ा में लेपर्ड के हमले से भय व्याप्त, हमले में एक की मौत, विभाग ने गाँव करवाया खाली

- **18 घंटे में 5 हमले, वन विभाग की टीम ने घेरा बनाया**
- **चार पिंजरे लगाने के बाद ड्रोन से निगरानी की जा रही है**

उदयपुर । उदयपुर शहर के एक गांव में दहशत का माहौल है। शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर बसे उमरड़ा खेड़ा गांव में पिछले 18 घंटों में 5 लोगों पर लेपर्ड ने हमला किया है,हमले में घायल एक व्यक्ति ने बुधवार देर शाम दम तोड़ दिया था ।लेपर्ड के हमले की दहशत से पूरा गाँव खाली करवा दिया गया है और चार पिंजरे लगाने के बाद ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

उलेखनीय है कि उदयपुर के उमरड़ा खेड़ा गांव में बुधवार सुबह लेपर्ड ने महिला समेत 5 लोगों पर हमला कर दिया। लेपर्ड आबादी क्षेत्र के पास घात लगाकर बैठा था। सुबह ग्रामीण घरों से बाहर निकले तो लेपर्ड उन पर झपट पड़ा।लेपर्ड के हमले के बाद प्रशासन ने पूरा गांव खाला करा दिया गया है। घर छोड़कर लोगों ने दूसरी जगह शरण ली है।

प्रत्यक्षदशियोंने बताया. गांव में पांच लोग एक साथ पगडंडी पर बातें करते हुए चल रहे थे। एकाएक झाडि़यों से लेपर्ड लपका और आगे चल रहे आदमी कालू को अपने साथ लेकर भागा। तभी हम लोगों ने पत्थरों की बौछार कर दी तो कालू को छोड़कर लेपर्ड भाग गया।वहीं लेपर्ड ने एक आदमी के कंधे पर हमला कर दिया था। एक महिला के काफी शोर मचाने पर लेपर्ड उसे छोड़कर भागा।

इससे पहले लेपर्ड ने मंगलवार शाम उमरड़ा खेड़ा गांव के लोगर लाल मीणा (45) पर हमला कर दिया था। लोगर की बहन गुलाबी ने बताया. मेरे सामने चचेरे भाई लोगर को लेपर्ड लेकर भाग रहा था। मैंने शोर मचाया और दौड़ी,तब लेपर्ड लोगर को छोड़कर भाग गया। लोगर का महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। लोगर की बुधवार शाम करीब 7 बजे मौत हो गई। उमरड़ा खेड़ा गांव में मंगलवार शाम को लेपर्ड ने गांव के लोगर लाल मीणा (45) पर हमला कर दिया था। वहीं दूसरे दिन बुधवार सुबह लेपर्ड ने जग्गा (60)पुत्र कालू मीणा, हितेश (20) पुत्र गंगाराम,कालू (40) पर घात लगाई। इसके बाद दोपहर में महिला लोगरी बाई (45) पर वार कर दिया। घायल लोगर लाल मीणा की मौत हो गई। वहीं बाकी घायलों का महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। उमरड़ा खेड़ा के मोहनलाल मीणा ने बताया. नाल में लेपर्ड के आने की शिकायत की सूचना मिलने पर हम जा रहे थे। इस बीच हम पांच लोगों में से आगे हमारा साथी कालूलाल था,जिस पर लेपर्ड ने हमला बोल दिया। एक बार हम सभी घबरा गए,लेकिन हमने शोर मचाया। हम चार लोगों ने पत्थर उठाए और लेपर्ड की तरफ फेंके। इस बीच लेपर्ड कालूलाल को छोड़ झाडि़यों की तरफ भाग गया। पत्थर नहीं मारते तो लेपर्ड कालूलाल को उठाकर ले जाता। गांव की महिला भूरी ने बताया. जग्गा के कंधों पर लेपर्ड ने पंजा रख दिया था। मैंने देखा तो मैं पास में चली गई और शोर मचाया,लेकिन लेपर्ड ने जग्गा को नहीं छोड़ा। लेपर्ड जग्गा को लेकर चला गया। मैंने और तेज शोर मचाया,तब कुछ और लोग आए। तब लेपर्ड जग्गा को छोड़कर भाग गया। घटना के बाद वन विभाग और गिर्वा तहसील की टीमें बुधवार को मौके पर पहुंची। तब गांव वालों के आने.जाने पर एक बार सुरक्षा की दृष्टि से रोक लगा दी। सभी को पाबंद किया और टीमें प्लान बना रही थी। इस बीच मना करने के बाद भी दोपहर करीब 1 बजे गांव की महिला लोगरी बाई (45) पत्नी गंगाराम घर की तरफ चली गई। थोड़े आगे गई। इसी दौरान झाडि़यों से लेपर्ड आया और हमला कर दिया। शोर मचाया और टीमें भागी तो लेपर्ड भाग निकला। महिला के हाथ में नाश्ता और चावल का पार्सल था जो वहीं गिरा पड़ा था।

नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ

कोटपूतली, (निसं)। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत जिले की नगर परिषद एवं नगरपालिकाओं में वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार से प्रारम्भ हो गई , जो कि 31 अगस्त 2026 तक चलेगी। आवेदकों द्वारा नामांकन पत्र संबंधित रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ) द्वारा निर्धारित स्थानों पर किए गए। नामांकन के प्रथम दिन वार्ड पार्षद पद के लिए नगर परिषद कोटपुतली में 24 आवेदकों द्वारा 28 आवेदन किये गये। नगर परिषद बहरोड़ में 31 आवेदकों द्वारा 34 आवेदन किये गये। नगर पालिका नीमराना में 4 आवेदकों द्वारा 5 आवेदन किये गये। नगर पालिका पावटा में 4 आवेदकों द्वारा 5 आवेदन किये गये। नगर पालिका विराटनगर में 4 आवेदकों द्वारा 8 आवेदन किये गये।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013 , Helpline no.0294-2426262,

Email:- ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in electricalumc50@gmail.com Website :- https://udaipurmc.org/

क्रमांक :-ननिउ/विद्युत/2026-27/ई 09 दिनांक :- 25.08.2026

ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 09/2026-27

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत शाखा से सम्बंधित विभिन्न विकास कार्य जिसकी कुल अनुमानित लागत राशि 119.64 लाख हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 05.10.2026 समय सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No. UNP2627WSRC00090

अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/26/10458

कालेर गैंग से पेपर खरीदकर भाभी को नकल कराने वाला गिरफ्तार

महिला सुपरवाइजर भर्ती पेपर लीक मामले में एसओजी की कार्रवाई

आरोपी मनीराम सारण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। महिला सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा-2018 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने तुलछाराम कालेर गैंग से पांच लाख रुपए में पेपर खरीदने वाले आरोपी मनीराम सारण (38) को गिरफ्तार किया है। चूरू के सांडवा थाना क्षेत्र स्थित कातर बड़ी गांव निवासी मनीराम ने कथित तौर पर लीक पेपर खरीदकर अपनी भाभी को ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए परीक्षा में नकल करवाई थी। आरोपी से पेपर लीक नेटवर्क और अन्य लाभार्थी अभ्यर्थियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल के अनुसार 6 जनवरी 2019 को आयोजित महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र बीकानेर के श्री रामसहाय आदर्श सेकंडरी स्कूल से लीक हुआ था।

जांच के अनुसार गिरोह के सरगना तुलछाराम कालेर, पौरव कालेर तथा गिरोह के सदस्य राजू मैट्रिक्स और दिनेश सिंह चौहान ने मिलकर पेपर लीक किया था। लीक प्रश्नपत्र को गिरोह के सदस्यों ने हल किया और ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए अभ्यर्थियों को उत्तर बोलकर नकल कराई गई।

जांच में सामने आया कि पेपर लीक में तुलछाराम कालेर गैंग के साथ जगदीश बिश्नोई गैंग की भी संलिप्तता रही। दोनों गैंग के सदस्यों ने अपने रिश्तेदारों और अन्य अभ्यर्थियों को लीक पेपर उपलब्ध कराया तथा ब्लूटूथ के जरिए परीक्षा में नकल कराई।

इस संबंध में एसओजी थाना जयपुर में प्रकरण दर्ज है। मनीराम को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पेपर लीक नेटवर्क और इससे लाभ लेने वाले अन्य अभ्यर्थियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। एसओजी के अनुसार मामले में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें पेपर लीक गिरोह के सात सदस्य और नकल के जरिए परीक्षा देने वाली छह महिला अभ्यर्थी शामिल हैं।

शादी से मना किया तो युवती के सीने में गोली दागी

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही युवती घायल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में शादी से इनकार करने पर एक युवक ने अपनी रिश्तेदार 23 वर्षीय युवती को गोली मार दी। गोली सीने में लगने से युवती गंभीर घायल हो गई। उसे स्थानीय लोगों ने महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि घटना बुधवार रात सीतापुरा क्षेत्र में चतराला सर्किल के पास स्थित किराए के फ्लैट में हुई। भरतपुर के सेवर थाना क्षेत्र की रहने वाली कनक शाक्या अपनी मां राधारानी के साथ फ्लैट में रहती है और पिछले करीब तीन महीने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है।

> ■ स्थानीय लोगों ने युवती को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी आकाश पुत्र रामभरोसी निवासी नांगल दरवेशा, बसेड़ी, धौलपुर पीड़िता का रिश्तेदार है और उसकी चचेरी बहन का देवर है। आरोप है कि आकाश पिछले करीब एक वर्ष से कनक पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। युवती के इनकार करने पर दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी बुधवार रात बाइक से हेलमेट लगाकर फ्लैट पर पहुंचा और युवती को गोली मारकर फरार हो गया। गोली सीने में लगी। सूचना पर सांगानेर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग और शादी के लिए दबाव बनाने से जुड़ा सामने आया है। करीब 15 दिन पहले युवती की मां आरोपी के घर गई थीं। वहां परिवार की ओर से आश्वासन दिया गया था कि आकाश भविष्य में युवती को परेशान नहीं करेगा और शादी के लिए दबाव नहीं बनाएगा।

125 किलो मिलावटी मिल्क केक पकड़ा

जयपुर । त्योहारी सीजन में मिलावट रोकने के लिए चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुरुवार को बस्सी में कार्रवाई करते हुए करीब 125 किलो मिलावटी मिल्क केक नष्ट कराया। कार्रवाई अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम ने बस्सी मुख्य बाजार में मिठाई की दुकानों का निरीक्षण किया। तुंगा रोड स्थित शर्मा मिष्ठान भंडार पर अलवर से 180 रुपए किलो की दर से मंगाए गए मिल्क केक की जांच की गई।

तीन कार्टन में 60 पैकेटों में रखे करीब 125 किलो मिल्क केक को मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसे काटकर काउंटर पर 360 रुपए किलो की दर से बेचा जा रहा था। नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई होगी।

टीम ने श्री अम्बे जोधपुर मिष्ठान भंडार से मिल्क केक का एक नमूना लिया। वहीं लाल जी जोधपुर मिष्ठान भंडार से मिल्क केक, मावा बर्फी और गुलाब जामुन के नमूने जांच के लिए लिए गए। टीम ने अन्य मिठाई दुकानों का भी निरीक्षण किया और खाद्य सामग्री में फूड कलर का कम से कम इस्तेमाल करने, साफ-सफाई रखने, खाद्य सामग्री ढककर रखने तथा अच्छी गुणवत्ता का मावा इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, राजेश नागर और रिमिका माथुर शामिल रहे।

'डोटासरा 40 चोरों वाली गैंग में शामिल'

जयपुर । शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा अधिकारियों को धमकी देने वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि डोटासरा इस मुगालते में है कि कांग्रेस कभी सत्ता में वापस आएगी, लेकिन उन्हें मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने देखना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार सफलता के शिखर को छू रही है। ये सरकार हर वर्ग के विकास के लिए काम कर रही है। यमुना जल परियोजना, राम जल सेतु योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से पानी लाते हुए किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रही है। पचपदरा रिफाइनरी से कितना लाभ होगा, यह राजस्थान की जनता जानती है। दिलावर ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को अधिकारियों को धमकाना बंद करना चाहिए और हद में रहना चाहिए। सब जानते हैं कि डोटासरा की गैंग, अलीबाबा 40 चोरों वाली गै।ग है। इस गैंग के कई लोग जेल में है तो कई बेल पर। कुछ ओर लोग जेल जाने वाले हैं, जिसमें डोटासरा भी शामिल हैं।

निम्स यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्र फंदे से लटका मिला

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के चंदवाजी इलाके में निम्स यूनिवर्सिटी के 20 वर्षीय छात्र का शव बुधवार रात निजी हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना का पता कमरे से बदबू आने के बाद चला। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए निम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के अनुसार मृतक मोहित सैनी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के लोटेसर का रहने वाला था और सीपीटी सेकेंड ईयर में पढ़ रहा था। वह यूनिवर्सिटी के सामने स्थित सनराइज हॉस्टल में रहता था। बुधवार रात करीब 11 बजे हॉस्टल के अन्य छात्रों को उसके कमरे से बदबू आने पर संदेह हुआ। सूचना पर चंदवाजी पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे को खुलवाया।

थानाधिकारी राजबीर सिंह ने बताया कि शव की स्थिति को देखते हुए आशंका है कि छात्र ने एक-दो दिन पहले आत्महत्या की होगी। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही चलेगा। पुलिस ने मोहित के साथियों से घटना के संबंध में जानकारी ली है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कमरे से मिले मोबाइल फोन और अन्य सामान की जांच की जा रही है। साथ ही हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। छात्र के परिजनों को घटना की जानकारी बुधवार रात ही दे दी गई थी।

गौरतलब है कि निम्स यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में एक दिन पहले मंगलवार को भी एक बीटेक छात्र ने हॉस्टल की 15वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। लगातार दो दिनों में छात्रों की मौत की घटनाओं से हॉस्टल और यूनिवर्सिटी परिसर में चिंता का माहौल है।

थल सेना अध्यक्ष से डीजीपी राजीव कुमार शर्मा मिले

जयपुर (कासं)। भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को जयपुर प्रवास के दौरान महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा से उनके निवास पर मुलाकात की। डीजीपी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सेना अध्यक्ष का स्वागत किया और राजस्थान पुलिस की विभिन्न इकाइयों के प्रतीक चिह्नों से युक्त स्मृति चिह्न भेंट किया। जनरल सेठ ने भी डीजीपी को सैन्य स्मृति चिह्न भेंट किया। दोनों अधिकारियों के बीच राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और संवेदनशील परिस्थितियों में सेना एवं पुलिस के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

> ■ अंतरराष्ट्रीय सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और सैन्य-पुलिस समन्वय पर हुई चर्चा

सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आपसी संवाद, संयुक्त क्षेत्रीय निगरानी तंत्र और खुफिया सूचनाओं के नियमित आदान-प्रदान को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राज्य आपदा प्रतिसाद बल के साथ सेना के सहयोग पर भी चर्चा हुई।

हाल ही में आयोजित सेना भर्ती के निर्बाध संचालन में राजस्थान पुलिस के सहयोग को भी सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के बेहतर समन्वय का उदाहरण बताया गया। दोनों अधिकारियों ने प्रशिक्षण और क्षमता संवर्द्धन के क्षेत्र में भविष्य में बेहतर तालमेल कायम करने पर सहमति जताई।

मुख्यमंत्री से थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ मिले

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। इस दौरान अन्य सैन्य अधिकारी एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

हमारी टीम महिला टी20 एशिया कप में किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी को निशाने पर रखकर नहीं चल रही है और इसके बजाय वह अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करेगी।क

– हरमनप्रीत कौर

भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान, एशिया कप में प्रबल दावेदारी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जवागल श्रीनाथ

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने कहा है कि टी20 प्रारूप की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महत्वपूर्ण है, लेकिन खेल में गहराई के लिए टेस्ट क्रिकेट जरूरी है। श्रीनाथ, इंदौर में मध्यप्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बुधवार रात शामिल हुए। उन्होंने समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, ''आईपीएल महत्वपूर्ण है। लेकिन अगर आपको खेल में गहराई चाहिए, तो यह पांच दिन के क्रिकेट में है। इसलिए टेस्ट क्रिकेट को सभी क्रिकेट प्रारूपों की जननी कहा जाता है।''

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला हॉकी टीम की रानी रामपाल के नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक 120 गोल दर्ज हैं।

दिनुषा के शतक से श्रीलंका ने बचाया कोलंबो टेस्ट, भारत ने 1-0 से जीती सीरीज

कोलंबो, 27 अगस्त। सोनल दिनुषा के शानदार नाबाद शतक की बदौलत श्रीलंका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट को गुरुवार को ड्रॉ करा दिया। इसके साथ ही भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। भारत ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी। पांचवें और अंतिम दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 429/9 के स्कोर पर पारी घोषित किए बिना मैच ड्रॉ पर समाप्त किया।

दिनुषा 133 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने इस सीरीज में अपना तीसरा शतक लगाया। भारत ने पहली पारी में 503/9 पर पारी घोषित की थी, जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम पहली पारी में 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इस तरह भारत को 213 रन की बढ़त मिली और श्रीलंका को फॉलोऑन खेलना पड़ा।

चौथे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका का स्कोर 229/6 था। पांचवें दिन दिनुषा और केशरा नुवानथा ने भारतीय गेंदबाजों को काफी देर तक परेशान किया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर श्रीलंका को संकट से बाहर निकाला।

नुवानथा ने 46 रन बनाए, जबकि दिनुषा ने 133 रन की नाबाद पारी खेलकर श्रीलंका की हार टाल दी। दिनुषा ने पहली पारी में भी 103 रन बनाए थे। इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने सीरीज का अपना पहला शतक लगाया था।

भारत की ओर से मानव सुथार ने 41 ओवर में 121 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 38.3 ओवर में 94 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सोनल दिनुषा को प्लेयर ऑफ द मैच और देवदत्त पडीक्कल को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

आईसीसी ने यूएई के बल्लेबाज आसिफ खान पर लगाया 15 महीने का प्रतिबंध

दुबई, 27 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने संयुक्त अरब अमीरात के बल्लेबाज आसिफ खान पर प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के मामले में 15 महीने का प्रतिबंध लगाया है। आसिफ ने प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। जांच में उनके नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ मेस्टेरोलोन का मेटाबोलाइट पाया गया था। आसिफ पर लगाया गया प्रतिबंध 8 सितंबर, 2025 से प्रभावी माना गया है। इसी दिन उनका प्रतियोगिता से बाहर डोप परीक्षण किया गया था। उनका प्रतिबंध 7 दिसंबर 2026 तक चलेगा।

आसिफ ने 2022 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद संयुक्त अरब अमीरात के लिए 38 एकदिवसीय और 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने आईसीसी एंटी-डोपिंग संहिता के अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन को स्वीकार किया है।

महिला हॉकी विश्व कप में 5वें स्थान पर किया कब्जा

जर्मनी को 3-1 से हराकर भारत ने रचा इतिहास

एम्स्टेलवीन, 27 अगस्त। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी को 3-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया, जो 1974 के बाद महिला विश्व कप में टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं, लेकिन तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने अपने खेल का स्तर पूरी तरह बदल दिया। इशिका ने शानदार गोल कर भारत का खाता खोला, जिसके तुरंत बाद नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय टीम ने यहीं रुकने के बजाय चौथे क्वार्टर में भी अपना दबदबा कायम रखा। 47वें मिनट में कप्तान सलीमा टेटे के शानदार पास पर नवनीत ने जर्मन डिफेंस को चकमा देते हुए अपना दूसरा गोल दागा और भारत को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। जर्मनी ने अंतिम क्षणों में वापसी की कोशिश की। 59वें मिनट में लिन क्रिंग्स ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने आखिरी तक मजबूती से मोर्चा संभाले रखा। मुकाबला समाप्त होने से कुछ सेकंड पहले जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, मगर भारत ने उसे नाकाम कर 3-1 की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित कर ली।

इससे पहले, मैच के शुरुआती 30 मिनट बेहद प्रतिस्पर्धी रहे। जर्मनी ने अधिक गेंद पर कब्जा रखा, लेकिन भारतीय गोलकीपर और रक्षापंक्ति ने कोई बड़ा मौका नहीं दिया। भारत की ओर से बिचू देवी ने अहम बचाव किए, जबकि नवनीत, सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी ने लगातार जर्मन गोल पर दबाव बनाए रखा।

भारत ने इस विश्व कप अभियान में छह मैचों में दो जीत, तीन ड्रॉ और सिर्फ एक हार दर्ज की। टीम को एकमात्र हार मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ मिली। भारत ने चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों को ड्रॉ पर रोका, जबकि दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराकर विश्व कप की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम के खिलाफ बहु प्रारूप सीरीज के लिए भारतीय ए टीम घोषित

नई दिल्ली, 27 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे के लिए भारत ए की टी-20, एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीमों की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ए के दौरे पर तीन टी-20, तीन एकदिवसीय और एक बहुदिवसीय मुकाबला खेला जाएगा। तीन मैचों की टी-20 सीरीज न्यू चंडीगढ़ में होगी, जबकि तीन एकदिवसीय मुकाबले मोहाली के पीसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। दौरे का समापन धर्मशाला में होने वाले बहुदिवसीय मुकाबले से होगा।

टी-20 टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनीस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरि (विकेटकीपर), श्वेता सहरावत, उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, मिन्नू मणि, वैश्णवी शर्मा, जिंतिमणि कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर। **एकदिवसीय टीम:** यास्तिका भाटिया (कप्तान और विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, तेजल हसबनीस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री (विकेटकीपर), मिन्नू मणि, अमनदीप कौर, वैश्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमणि कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत। **बहुदिवसीय टीम:** यास्तिका भाटिया (कप्तान और विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा (उपकप्तान), शुभा सतीश, प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, तेजल हसबनीस, निक्की प्रसाद, ममता माडीवाला (विकेटकीपर), सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैश्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमणि कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित, सहवाग और द्रविड़ के बेटों को मौका

नई दिल्ली, 27 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के भारत दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी गई है। दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और दो बहुदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय टीम में आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ जैसे चर्चित नामों को जगह मिली है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए लक्ष्य रायचंदानी को कप्तान और यशवर्धन चौहान को उपकप्तान बनाया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ भी टीम का हिस्सा हैं। **एकदिवसीय टीम :** लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल। **मल्टी-डे मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम:** यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव।

उरुग्वे से 6 अक्टूबर को कोलकाता में भिड़ेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, 27 अगस्त। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम 6 अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में दो बार की फीफा विश्व कप चैंपियन उरुग्वे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला खेलेगी। यह मुकाबला भारत के लिए इस अंतरराष्ट्रीय विंडो में तीसरा बड़ा मैत्री मैच होगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु में पनामा और 3 अक्टूबर को कोलकाता में पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील का सामना करेगी।

परीक्षा कलेण्डर से बम्पर भर्तियों तक राज्य सरकार ने किया युवाओं की हर अपेक्षा को पूरा : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 27 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के सुबोध पीजी कॉलेज से इस कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है और अब गांव-गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस उनके अद्वितीय योगदान और खेल के प्रति समर्पण को याद करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेल परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित किए गए हैं तथा सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 186 खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 का सफल आयोजन किया गया। सात शहरों में आयोजित इन खेलों में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुंधति चौधरी और कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

चेल्सी छोड़ नॉटिंघम फॉरेस्ट से पांच साल के अनुबंध पर जुड़े लियाम डेलाप

नॉटिंघम, 27 अगस्त। इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब नॉटिंघम फॉरेस्ट ने स्ट्राइकर लियाम डेलाप को चेल्सी से पांच साल के अनुबंध पर अपने साथ जोड़ा है।

क्लब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर करार की पुष्टि की। 23 वर्षीय डेलाप ने पिछले सत्र में चेल्सी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 47 मुकाबले खेले, जिसमें पांच मैच चैंपियंस लीग के थे। उन्होंने बार्सिलोना के खिलाफ चेल्सी की 3-0 की जीत में अपना पहला चैंपियंस लीग गोल किया था।

कैरोलिना मुचोवा और जाकुब मेंसिक ने जीता यूएस ओपन मिश्रित युगल का खिताब

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त। चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा और जाकुब मेंसिक ने बेलिंडा बेनचिच और इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-3, 1-6, 10-6 से हराकर यूएस ओपन 2026 का मिश्रित युगल खिताब जीत लिया। यह जोड़ी का साथ में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। आर्थर ऐश स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार बुधवार को खेले गए मुकाबले में मुचोवा और मेंसिक ने शानदार शुरुआत की। तेज सर्विस के लिए मशहूर मेंसिक ने सेट प्वाइंट पर बेनचिच के खिलाफ ऐस लगाकर पहला सेट 30 मिनट से भी कम समय में अपने नाम किया।

दूसरे सेट में बेनचिच ने 3-1 की बढ़त हासिल करने के लिए सर्विस ब्रेक किया। इसके बाद उनके फोरहैंड से निकली गेंद नेट कॉर्ड से टकराकर मुचोवा की पहुंच से दूर चली गई और स्विस खिलाड़ी ने मैच बराबर कर दिया। निर्णायक 10 अंकों के टाईब्रेक में मेंसिक की दमदार सर्विस और नेट पर उनके शानदार खेल ने चेक जोड़ी को बढ़त दिलाई। 20 वर्षीय मेंसिक ने शानदार वॉली लगाकर अपनी टीम को 8-4 से आगे किया।

खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, जीवन जीने की कलाः राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर, 27 अगस्त।राष्ट्रीय खेल सप्ताह के अंतर्गत चल रहे खेल कार्यक्रमों के अवसर पर एमएनआईटी में ''खेलो इंडिया संवाद – खेलों की बात पीएम मोदी के साथ'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों को खेलों के महत्व, अनुशासन, निरंतर मेहनत और खेल भावना का संदेश दिया। इस अवसर पर एमएनआईटी के निदेशक डॉ. नारायण प्रसाद पाधी, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा, एनएसएस के निदेशक एसपी भटनागर, वरिष्ठ खेल अधिकारी करण सिंह शेखावत आदि भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न खेलों के पूर्व एवं वर्तमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और पदक विजेताओं ने भाग लिया। पद्मश्री श्रीराम सिंह शेखावत, अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी शालिनी पाठक, अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता शूटर मानिनी कौशिक, कबड्डी खिलाड़ी नैतिक शौकर, शूटिंग खिलाड़ी दीपेन्द्र शेखावत, देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हैंडबॉल खिलाड़ी रविन्द्र पाल सिंह, करण सिंह शेखावत, रोहिताश्व, पूजा कंवर, वर्षा जाखड़, कनिका रॉय, रुक्मणी बिट्टू, अंतरराष्ट्रीय साइक्लिस्ट फतेह सिंह, ताइक्वांडो खिलाड़ी नितिन जोलिया व ट्यूलिप ओझा आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि 2036 ओलंपिक की तैयारियों के तहत प्रधानमंत्री ने टैलेंट हंट की घोषणा की है। इस पहल के तहत 5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों की शारीरिक प्रतिभा की पहचान की जाएगी। इसके बाद चयनित प्रतिभाओं को खेलों से जोड़ा जाएगा और उन्हें उचित प्रशिक्षण एवं पोषण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि अगले 10 से 15 वर्षों में वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विशेषकर ओलंपिक में पदक जीतने के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने बताया कि 1936 के बर्लिन ओलंपिक के हॉकी फाइनल में भारतीय टीम ने जर्मनी को 8-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

भारतीय अंडर-15 विश्व कप शिविर के ट्रायल के लिए चयनित हुए रनंजय सिंह भाटी

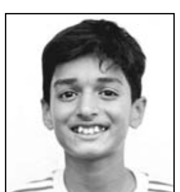

जयपुर, 27 अगस्त। रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर की अंडर-15 टीम के कप्तान एवं प्रतिभाशाली युवा फुटबॉल खिलाड़ी रनंजय सिंह भाटी का भारतीय अंडर-15 फीफा विश्व कप शिविर के ट्रायल के लिए चयन हुआ है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा आयोजित ये ट्रायल बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे हैं।

क्लब के मुख्य प्रशिक्षक ने बताया कि रनंजय सिंह भाटी की कप्तानी में रॉयल फुटबॉल क्लब ने इसी वर्ष राजस्थान अंडर-15 यूथ लीग 2025 का खिताब अपने नाम किया तथा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ यूथ लीग 2026 के लिए भी क्वालीफाई किया है। उनकी नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और खेल प्रतिभा ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्लब के निदेशक डॉ. दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि रनंजय सिंह भाटी पिछले दो वर्षों से रॉयल फुटबॉल क्लब में नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने रनंजय के भारतीय अंडर-15 विश्व कप शिविर के ट्रायल के लिए चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्लब और जयपुर के लिए गौरव का विषय बताया। जिला फुटबॉल संघ जयपुर के पूर्व सचिव अब्दुल जब्बार ने भी बधाई दी।

राजस्थान जूनियर फुटबॉल टीम की घोषणा एवं किट वितरण समारोह

जयपुर, 27 अगस्त। आगामी जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान जूनियर फुटबॉल टीम की घोषणा कर दी गई है। प्रतियोगिता का आयोजन नारायणपुर, छत्तीसगढ़ में हो रहा हैं। आज राजस्थान टीम की घोषणा की गई । ऋषिराज, बृजेश, मोहित, आसू, अमन, अभिषेक, आवेश, सुजल, हर्षवर्धन, सैजान, प्रेम, खुशाल, रणंजय, केसरी प्रताप, यशवंत, अरमान, जॉयरिंग, चंद्रेश, सुमित एवं भारत सिंह को शामिल किया गया है। टीम का कप्तान मोहित तथा उपकप्तान ऋषिराज को बनाया गया है। टीम के कोच देवेंद्र सिंह भाटी मैनेजर नीरज चौधरी तथा फिजियो फराज खान रहेंगे।

बैंक ने युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में अपना सहयोग दिया है। टीम की किट स्पॉन्सर कर राजस्थान के उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है। इस अवसर पर खिलाड़ियों को टीम की नई किट वितरित की गई । बालिका फुटबॉल अकैडमी की बच्चियों ने राजस्थान जूनियर फुटबाल टीम को राखी बांधकर और मिठाई खिलाकर त्यौहार मनाया

समारोह में राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत,एयू बैंक की ओर से सचिन चौधरी, पचार ग्रुप के डायरेक्टर जितेंद्र सिंह पचार, साई सेंटर के कोच सुभाष जी , उपस्थित रहे । टीम प्रशिक्षण कैंप 15 दिनों तक कोच देवेंद्र सिंह के द्वारा लिया गया । प्रतियोगिता में राजस्थान का पहला लीग मैच 1 सितंबर को झारखंड के साथ होगा। इसके बाद 3 सितंबर को बिहार और 5 सितंबर को उत्तराखंड के खिलाफ राजस्थान की टीम मैदान में उतरेगी।

जयपुर की सब-जूनियर बालिका टीम बनी उपविजेता, चूरू और करौली ने जीते खिताब

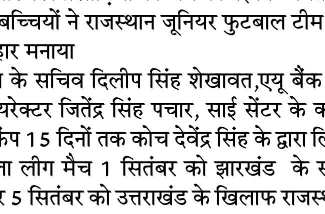

जयपुर, 27 अगस्त। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार 9वीं सीनियर एवं 8वीं सब-जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। प्रतियोगिता में जयपुर की सब-जूनियर बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया। फाइनल में जयपुर को चूरू के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फाइनल में चूरू और टोंक के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। चूरू ने 33-35, 35-25, 35-22 से जीत दर्ज कर सीनियर महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

सीनियर महिला वर्ग में : प्रथम स्थान चूरू, द्वितीय टोंक तथा तृतीय स्थान चित्तौड़गढ़ एवं बीकानेर की टीम ने प्राप्त किया।

सब-जूनियर बालक वर्ग में करौली चैंपियन : फाइनल मुकाबले में करौली और ब्यावर के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। करौली ने 35-31, 36-24 से जीत दर्ज करते हुए सब-जूनियर बालक वर्ग का खिताब हासिल किया।

सब-जूनियर बालिका वर्ग में चूरू विजेता, जयपुर उपविजेता : फाइनल मुकाबले में जयपुर और चूरू की टीमें आमने-सामने रहीं। चूरू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जयपुर को 35-18, 35-25 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस प्रकार सब-जूनियर बालिका वर्ग में चूरू प्रथम, जयपुर द्वितीय तथा टोंक एवं भीलवाड़ा तृतीय स्थान पर रहे। जयपुर की टीम का उपविजेता रहना जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर एसएमएस स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

एसएमएस क्लब और हैंडबॉल ने जीते रस्सा-कस्सी के खिताब

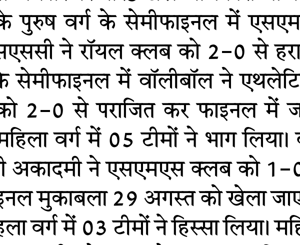

जयपुर, 27 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुरुवार को रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में एसएमएस क्लब ने पुरुष वर्ग में और हैंडबॉल ने महिला वर्ग में खिताब जीता। ख़िताबी मुक़ाबला राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव श्री राजकेश मीणा ने शुरू करवाया। इस अवसर पर वरिष्ठ खेल अधिकारी श्री करण सिंह शेखावत भी मौजूद थे। रस्सा-कस्सी के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में एसएमएस क्लब ने यूथ क्लब को 2-0 से तथा आरएसएससी ने रॉयल क्लब को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, महिला वर्ग के सेमीफाइनल में वॉलीबॉल ने एथलेटिक्स को 2-0 से और हैंडबॉल ने बास्केटबॉल को 2-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 04 और महिला वर्ग में 05 टीमों ने भाग लिया। वही पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल मुकाबले में हॉकी अकादमी ने एसएमएस क्लब को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। हॉकी का फाइनल मुकाबला 29 अगस्त को खेला जाएगा। हॉकी प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 04 और महिला वर्ग में 03 टीमों ने हिस्सा लिया। महिला वर्ग में एमजीजीएस दुर्गापुरा ने सेंट जोसफ अकादमी को 5-4 से हराया, जबकि पुरुष वर्ग में स्टार क्लब ने रॉयल क्लब को 1-0 से मात दी।

एमबाप्पे की हैट्रिक से रियल मैड्रिड की शानदार जीत, सोसिएदाद को 4-1 से रौंदा

मैड्रिड, 27 अगस्त। किलियन एमबाप्पे की शानदार हैट्रिक के दम पर रियल मैड्रिड ने ला लीगा 2026-27 में बुधवार को रियल सोसिएदाद को 4-1 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला कोच जोस मोरिन्हो की सैंटियागो बर्नाबेयू में वापसी का पहला घरेलू मैच भी था। मोरिन्हो की टीम ने इससे पहले एस्पान्योल के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की थी, लेकिन बर्नाबेयू में सोसिएदाद के खिलाफ टीम ने कहीं अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

एमबाप्पे ने मैच के पहले हाफ के समाप्त होने से पांच मिनट पहले फेडेरिको वाल्वेर्दे के पास पर शानदार बाएं पैर का शॉट लगाकर रियल को बढ़त दिलाई।

हालांकि, सोसिएदाद ने पहले हाफ की समाप्ति से पहले बराबरी कर ली। लुका सुचिच ने डिफ्लेक्शन का फायदा उठाते हुए गेंद को गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ के पार पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जूड बेलिंगहम ने रियल मैड्रिड की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया। पहले बेलिंगहम ने एमबाप्पे के साथ शानदार तालमेल बनाते हुए उन्हें गेंद उपलब्ध कराई, जिसे एमबाप्पे ने गोल में बदलकर रियल को फिर बढ़त दिला दी।

राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी : जगदीश चौधरी, रक्षित श्रीमाल, गिरीश चौधरी, ऋषभदेव जांगिड़ के शतक

जयपुर, जोधपुर, सवाईमाधोपुर, झुंझनू, उदयपुर, भरतपुर, बूंदी, हनुमानगढ़ ,बाड़मेर जीती

जयपुर, 27 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- जगदीश चौधरी , रक्षित श्रीमाल , गिरीश चौधरी , ऋषभदेव जांगिड़ के शतक , सुमित सैनी , मयंक , दक्ष बंसल के पांच विकेट।

जयपुर - कोटा मैच (जयपुर जीती), कोटा पारी 136 आल आउट। टीम के लिए एकांशशर्मा 41 रन। जयपुर के गेंदबाज रचित खंडेलवाल 36 /4 , प्रखर शर्मा 23 /3 व अविनाश 24 /2 विकेट। जयपुर पारी 137 /3 , टीम के लिए गौरव सैनी 46 , शिफॉन खान 36 व अभय शर्मा 27 रन।

जोधपुर - भीलवाड़ा मैच (जोधपुर जीती), जोधपुर पारी 258 आल आउट , टीम के लिए जगदीश चौधरी 103 , कृष्णा सिंह 62 व वैभव राजपुरोहित 45 रन। भीलवाड़ा के गेंदबाज अनिल दारा 42 /4 , कुशाग्र ओझा , दिव्यांश करोल 2 -2 विकेट। भीलवाड़ा पारी 114 आल आउट , टीम के लिए शौर्य 37 रन। जोधपुर के गेंदबाज सौभाग्य सिंह भाटी 31 /4 , पुरषोत्तम , जगदीश , अनुराग 2 -2 विकेट।

सवाई माधोपुर - धौलपुर मैच (सवाई माधोपुर जीती), सवाईमाधोपुर पारी 283 /4,टीम के लिए रक्षितश्रीमाल126, कैफ मिर्ज़ा 88 व कृष्णकुमार गुप्ता नाबाद 29 रन।

धौलपुर के गेंदबाज तरुण कुमार 61 /2 विकेट। धौलपुर पारी126 आल आउट , टीम के लिए तरुण कुमार 61 रन। सवाईमाधोपुर के गेंदबाज कृष्ण कुमार गुप्ता 27 /4 व विवेक गौतम 12 /2 , कुशाग्र उपाध्याय 17 /2 विकेट।

जैसलमेर - बाड़मेर मैच (बाड़मेर जीती), जैसलमेर पारी 73 आल आउट , टीम के लिए शुभम 25 रन। बाड़मेर के गेंदबाज सुमित सैनी 14 /5 , जगदीश , भावेश 2 -2 विकेट। बाड़मेर पारी 75 /1 , टीम के लिए स्वरुप 41 रन।

भरतपुर -बीकानेर मैच (भरतपुर जीती), भरतपुर पारी 282 /8 , टीम के लिए गिरीषचौधरी 116 ,ध्रुव 86 व देवान्कसिंगोदिया54 रन। बीकानेर के गेंदबाज सुमित तेजी 47 /4 व रोहित 37 /2 विकेट। बीकानेर पारी 149 आल आउट , टीम के लिए पवन कुमार 46 रन। भरतपुर के गेंदबाज सुमित शर्मा 11 /3 , अनमोल , पुनीत 2 - 2 विकेट।

झुंझनू- राजसमंद (झुंझनूजीती), झुंझनूपारी 266 /8 ,टीम के लिए ऋषभदेव जांगिड़ 101 , हर्षवर्धन 49 रन। राजसमंद के गेंदबाज सुमित साल्वी 38 /3 , दक्ष , दिलेक 2 -2 विकेट। राजसमंद पारी 119 आल आउट , टीम के लिए अंकित 41 रन। झुंझनूके गेंदबाज मयंक 27 /6 ,पियूषदहिया 29 /2 विकेट।

बूंदी - प्रतापगढ़ मैच (बूंदी जीती), बूंदी पारी 149 आल आउट , टीम के लिए देवेश 57 रन। प्रतापगढ़ के गेंदबाज मनन तापड़िया 20 /3 , हर्ष डांगी 58 /3 व पियूष 2 विकेट। प्रतापगढ़ पारी 130 आल आउट। बूंदी के गेंदबाज सिद्धांत सोनी 36 /4 , निशांत 11 /3 व जसकिरण 35 /2 विकेट।

श्रीगंगानगर - उदयपुर मैच (उदयपुर जीती), श्रीगंगानगर पारी 201 आल आउट , टीम के लिए आदित्य भाम्भू 94 , जशनदीप 42 रन। उदयपुर के गेंदबाज चित्राक्ष 28 /4 , मानविक , गर्वितजैन 2 -2 विकेट। उदयपुर पारी 205 /6 , टीम के लिए गर्वितजैन 90 , समर 43 व ज़फर 42 रन। श्रीगंगानगर के गेंदबाज ओमप्रकाश 39 /2 विकेट।

हनुमानगढ़ - झालावाड़ मैच (हनुमानगढ़ जीती), हनुमानगढ़ पारी 283 /7 , टीम के लिए हिमांशु प्रताप 79 , आर्यन सिंह 73 व वंश 35 रन। झालवाड़ के गेंदबाज सुमित चौधरी 47 /3 , यथार्थ भरद्वाज 48 /2 विकेट। झालावाड़ पारी 214 आल आउट , टीम के लिए वरुण गुप्ता 77 , रोहन 45 व यथार्थ 37 रन। हनुमानगढ़ के गेंदबाज दक्ष बंसल 44 /5 व युगांत 46 /3 विकेट।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का भारतीय अंडर 19 टीम में चयन

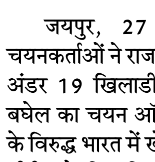

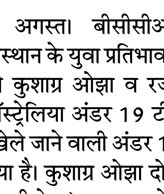

जयपुर, 27 अगस्त। बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने राजस्थान के युवा प्रतिभावान अंडर 19 खिलाडी कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का चयन ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के विरुद्ध भारत में खेले जाने वाली अंडर 19 सीरीज के लिए किया है। कुशाग्र ओझा दोनों (एक दिवसीय व मल्टी डेज) व रजत बघेल (एक दिवसीय) टीम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम आगामी 18 सितम्बर से भारतीय अंडर 19 टीम के विरुद3 एक दिवसीय व 2 मल्टी डेज मैच खेलेगी।

एक दिवसीय मैच दिनांक 18 , 21 व 23 सितम्बर को राजकोट में खेले जायेंगे। पहला मल्टी डेज मैच दिनांक 27 -30 सितम्बर को राजकोट में व दूसरामल्टी डेज मैच दिनांक 5 -8 अक्टूबर को अहमदाबाद में खेला जायेगा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में भाजपा में टिकटों के लिए संभागवार बैठकें शुरु

गुरुवार को अजमेर, उदयपुर व बीकानेर संभाग की बैठक हुई, शुक्रवार को पहली सूची की संभावना

जयपुर, 27 अगस्त। राजस्थान में निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्याशी चयन की कवायद तेज कर दी है। पार्टी ने प्रदेश के नगर निकायों के लिए टिकटों पर अंतिम मंथन शुरू कर दिया है और अगले तीन दिनों में सात संभागों की महत्वपूर्ण बैठकों के माध्यम से प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जा रहा है। संभागवार बैठकों में दावेदारों के नामों पर चर्चा के साथ पैनल तैयार किए जा रहे हैं, वहीं जिन सीटों पर किसी प्रकार का विवाद या मतभेद नहीं है, वहां प्रत्याशियों के नामों को अंतिम रूप दे दिया गया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, संगठन की इस कवायद के बाद शुक्रवार को पार्टी की पहली सूची जारी होने की प्रबल संभावना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को निकाय चुनाव की रणनीति और प्रत्याशी चयन पर विचार-विमर्श के लिए अजमेर, उदयपुर और बीकानेर संभाग की बैठक ली।

■ **शुक्रवार की भरतपुर व कोटा संभाग की बैठकें आयोजित की गई हैं। बाकी संभागों की बैठक इसके बाद होगी।**

निकाय चुनाव की रणनीति और प्रत्याशी चयन पर विचार-विमर्श के लिए गुरुवार को अजमेर, उदयपुर और बीकानेर संभाग की बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में संबंधित संभाग के नगर निकायों की चुनावी स्थिति, स्थानीय समीकरणों और संभावित प्रत्याशियों के नामों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी सहित, संबंधित संभागों के प्रभारी, वरिष्ठ नेता और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विशेष रूप से अजमेर संभाग की बैठक में शामिल हुए। वहीं, शुक्रवार को भरतपुर और कोटा संभाग की बैठकों का आयोजन किया जाएगा।

इन बैठकों में भी नगर निकायवार दावेदारों के नामों पर विचार कर टिकटों के पैनल तैयार किए जाएंगे। शेष संभागों की बैठकों में भी इसी तरह प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। संगठन का प्रयास है कि निकाय चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जाए, जो पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के साथ चुनावी मैदान में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बैठकों में यह भी तय किया जा रहा है कि जहां एक से अधिक मजबूत दावेदार हैं, वहां स्थानीय नेताओं और संगठन पदाधिकारियों की राय के आधार पर अंतिम फैसला किया जाए।

जे.ई.टी.-2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला ईनामी आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 27 अगस्त। कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईटी)-2021 में फर्जीवाड़े के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने लंबे समय से फरार चल रहे इनामी आरोपी विशाल सैनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने वाले गिरोह में शामिल था। आरोपी विशाल सैनी (24) श्रीमाधोपुर (सीकर) का रहने वाला है।

■ **पुलिस जाँच में सामने आया था कि एक संगठित गिरोह ने अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर उनके स्थान पर डमी कैन्डीडेटों को परीक्षा में बैठाया था।**

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2021 में राज्य सरकार के कृषि मंत्रालय की ओर से प्रदेश के पांच कृषि विश्वविद्यालयों सहित, अन्य निजी विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर को सौंपी गई थी।

8 अगस्त 2021 को जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर और अजमेर में कुल 96 परीक्षा केन्द्रों पर चार वर्षीय बीएससी (कृषि, उद्यान विज्ञान, वानिकी, गृह विज्ञान एवं मत्स्य विज्ञान), प्री-पीजी और प्री-पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित हुई थी। जांच के दौरान सामने आया कि एक संगठित गिरोह ने अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर उनके स्थान पर डमी अभ्यर्थियों को परीक्षा में बैठाया था।

एसओजी की जांच में सामने आया कि विशाल सैनी ने भी अपनी जगह डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाकर परीक्षा दिलाई थी। जांच में नाम आने के बाद से लंबे समय से आरोपी फरार चल रहा था। एसओजी ने गिरफ्तार कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

एसओजी ने फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र बेचने वाले दलाल को गिरफ्तार किया

मुख्य दलाल ओमप्रकाश कस्वां ने तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 में फर्जी खेल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 27 अगस्त। तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 लेवल-1 में फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण-पत्र के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने मुख्य दलाल ओमप्रकाश कस्वां (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपी चूरू जिले के सांडवा थाना क्षेत्र के जोगलसर गांव का निवासी है। आरोप है कि उसने 7 लाख रुपए लेकर फर्जी खेल प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया था। फिलहाल एसओजी की टीम द्वारा पूछताछ की जा रही है।

■ **आरोपी ओम प्रकाश ने 7 लाख रूपए में विशाखापट्टनम में 2017 में हुए राष्ट्रीय सीनियर ताइक्वांडो चैम्पियनशिप का फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करा कर दिया।**

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल के अनुसार, मामले में पूर्व में गिरफ्तार बबिता जाखड़ निवासी सुजानगढ़ से पूछताछ में ओमप्रकाश की भूमिका सामने आई। बबिता ने शिक्षक भर्ती में दो प्रतिशत खेल कोटे का लाभ लेने के लिए ओमप्रकाश से 7 लाख रुपए में फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण-पत्र खरीदा था।

जांच में सामने आया कि ओमप्रकाश ने 7 लाख रुपए में से 5 लाख रुपए अपने जीजा रामचन्द्र निवासी डेह, नागौर को दिए। आरोप है कि रामचन्द्र के माध्यम से विशाखापट्टनम में वर्ष 2017 में आयोजित 8वीं राष्ट्रीय सीनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप का फर्जी प्रमाण-पत्र तैयार कराया गया। इसकी फोटो प्रति कर्मचारी चयन बोर्ड और प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर में जमा कराई गई थी।

शिक्षक भर्ती-2022 में खेल कोटे से कुल 38 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। जांच में सामने आया कि ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, धनबाद की ओर से बीकानेर शिक्षा निदेशालय को भेजी गई सत्यापन रिपोर्ट फर्जी और कूटचरित ई-मेल आईडी के जरिए भेजी गई थी। इस मामले में एसओजी ने प्रकरण संख्या 98/2024 दर्ज किया था।

फर्जी ई-मेल से रिपोर्ट भेजने वाले बिमलेन्दु कुमार झा और उसके साथी कमल सिंह को एसओजी ने 7 मई 2025 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मार्च 2026 में अभियान चलाकर 21 अभ्यर्थियों, तीन सहयोगियों और तीन दलालों समेत 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ओमप्रकाश की गिरफ्तारी के बाद एसओजी अब उससे नेटवर्क में शामिल अन्य दलालों और फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों के बारे में पूछताछ कर रही है।

नेपाल में तीन दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि वहाँ कुछ जगहों पर पांच फीट से अधिक कीचड़ जमा हो गया, जिससे सड़क और संचार व्यवस्था बाधित हो गई। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, छोछेन खोला और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास एक झील बन गई है। गुरुवार सुबह तक इसमें करीब 20 लाख घन मीटर पानी जमा हो चुका था और पानी पहले ही बाहर निकलने लगा था। अगले तीन दिनों में इसमें 30 लाख घन मीटर और पानी आने की संभावना है, जिससे झील के टूटने का खतरा काफी बढ़ गया है।

चीनी इंजीनियर इस संभावना से निपटने की तैयारी के लिए बाढ़ के संभावित बहाव का कंप्यूटर मॉडल के जरिए अनुमान लगा रहे हैं। वहीं, नेपाल ने भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदियों के किनारे रहने वाले लोगों से अगली सूचना तक नदी के किनारे से दूर रहने को कहा है।

5 स्टार में 10 दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सब-इंस्पेक्टर अजय राज सिंह ने बताया कि पहली नजर में यह मामला ट्रैवल एजेंसी की मिलीभगत से पर्यटक द्वारा कथित तौर पर की गई धोखाधड़ी का लगता है। मामले की जांच की जा रही है।

इससे पहले जुलाई में, तमिलनाडु के 69 वर्षीय एक व्यक्ति को पिछले तीन दशकों के दौरान पूरे भारत में 300 से अधिक आलीशान होटलों को कथित तौर पर ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, वह फर्जी पहचान का इस्तेमाल करता था और होटल के बिल का भुगतान किए बिना वहां से चला जाता था। आरोपी बिंग्सन जॉन कथित तौर पर कभी विदेशी पर्यटक गाइड, कभी अंग्रेजी शिक्षक और कभी योग प्रशिक्षक बनकर 5-स्टार होटलों में कमरा बुक करता था। पुलिस ने बताया कि वह कई दिनों तक होटल में रहता, होटल की सुविधाओं का इस्तेमाल करता और फिर बिल चुकाए बिना गायब हो जाता था। उस पर कभी-कभी होटल की कीमती चीजें अपने साथ ले जाने का भी आरोप था।

पाकिस्तान ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध नहीं मानेगा

इस्लामाबाद, 27 अगस्त। पाकिस्तान ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के एकतरफा प्रतिबंधों को मानने से इनकार करते हुए तेहरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वह ईरान के साथ अपने व्यापारिक संबंध बनाए रखेगा।

ईरान सरकार के अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने गुरुवार को इस्लामाबाद में साप्ताहिक प्रेसवार्ता के दौरान यह बयान दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से एकतरफा कदमों और प्रतिबंधों को स्वीकार नहीं करता है।

■ **पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान के साथ उसके व्यापारिक संबध बने रहेंगे।**

अंद्राबी ने कहा कि एकतरफा प्रतिबंधों के नकारात्मक प्रभाव होते हैं और पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ऐसे प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देता। उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक दबाव को तेहरान और वाशिंगटन के बीच व्यापक तनाव का हिस्सा बताया और विवादों के समाधान के लिए बातचीत तथा कूटनीति को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

यूपी के 62000 शिक्षक पात्रता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। तथापि, सरकारी स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षकों में करीब 62,000 शिक्षक पात्रता परीक्षा पास नहीं कर सके। नतीजों के आंकड़ों के अनुसार, 2,68,799 कार्यरत शिक्षकों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 2,06,771 शिक्षक पास हुए। यह आंकड़ा सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के मद्देनजर महत्वपूर्ण है, जिसमें कुछ परिस्थितियों में कार्यरत शिक्षकों के लिए टीचर एलिजबिलिटी (टी.ई.टी.) पास करना अनिवार्य कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) कानून के तहत नियुक्त शिक्षकों और पदोन्नति पाने के इच्छुक कार्यरत शिक्षकों के लिए टी.ई.टी. पास करना अनिवार्य है। हालांकि, अदालत ने शिक्षक की बची हुई सेवा अवधि के आधार पर अलग-अलग समय-सीमा तय की थी। जिन शिक्षकों की पांच साल से अधिक सेवा बाकी थी, उन्हें नौकरी में बने रहने के लिए दो साल के भीतर टी.ई.टी. पास करना जरूरी था। जिन शिक्षकों की पांच साल से कम सेवा बाकी थी, वे टी.ई.टी. पास किए बिना सेवानिवृत्ति तक नौकरी जारी रख सकते थे, लेकिन परीक्षा पास किए बिना पदोन्नति के पात्र नहीं होंगे। इसका मतलब है कि यू.पी.टी.ई.टी 2026 में फेल होने का यह अर्थ नहीं है कि कार्यरत शिक्षक की नौकरी तुरंत चली जाएगी। इसका असर शिक्षक की नियुक्ति की स्थिति, बची हुई सेवा अवधि और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत उसकी पात्रता पर निर्भर करेगा।

मुख्यमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाषा होने के साथ ही अनेक भाषाओं की जननी भी है। इस भाषा ने धर्म और दर्शन के साथ ही चिकित्सा, योग, संगीत और साहित्य से जुड़ा ज्ञान सहेजा है।

'मूड ऑफ द नेशन सर्वे का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पक्ष में काफी बदल गया है।

सर्वे भाजपा की केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकारों से जुड़े विवादों की संभावित राजनीतिक कीमत की ओर भी इशारा करता है। 47 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी विवाद का नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ, दोनों सरकारों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। वहीं, 8 प्रतिशत लोगों का मानना था कि इसका असर केवल केन्द्र सरकार पर पड़ा, जबकि 7 प्रतिशत ने कहा कि इसका प्रभाव सिर्फ उत्तर प्रदेश सरकार तक सीमित रहा।

उत्तर प्रदेश के आंकड़े राष्ट्रीय तस्वीर के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हैं। हाल के युवा आंदोलनों और राजनीतिक असंतोष के बावजूद भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनी हुई है। हालांकि अगस्त के एमओटीएन सर्वे में, भाजपा को 326 लोकसभा सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है, जो जनवरी के अनुमान से 26 कम है। यानी सत्तारूढ़ गठबंधन की कुल बढ़त मजबूत रहेगी, पर इसके बावजूद कुछ क्षरण के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

मूड ऑफ द नेशन इंडिया टुडे समूह द्वारा कराया जाने वाला द्विवार्षिक सर्वे है, जो करीब दो दशक से आयोजित किया जा रहा है। अगस्त 2026 का सर्वे सी-वोटर ने किया। इसमें 1 जुलाई से 25 अगस्त के बीच 25,184 लोगों के प्रत्यक्ष साक्षात्कार किए गए। इसके अलावा सी-वोटर की नियमित ट्रैकिंग प्रक्रिया के तहत, पिछले छह महीनों में किए गए 91,795 साक्षात्कारों को भी इसमें शामिल किया गया।

भाजपा के लिए तत्काल चिंता आंकड़ों से कम और उत्तर प्रदेश में बदलती राजनीतिक दिशा से अधिक है। वर्ष 2024 के चुनाव में विपक्ष को स्पष्ट बढ़त देने वाला यह राज्य एक बार फिर इंडिया गठबंधन की ओर झुकने के संकेत दे रहा है।

यदि यह रुझान जारी रहता है, तो अगला लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश को कहीं अधिक कड़े मुकाबले का मैदान बना सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर अपना दबदबा बनाए रखने की भाजपा की रणनीति को भी जटिल कर सकता है।

भागवत के कार्यक्रम संयोजकों का एक्स अकाउन्ट सस्पेंड हुआ

वे 29 को न्यूयॉर्क में मैडिसन स्क्वायर में ''यूनिवर्सल वननैस सेलिब्रेशन'' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता हैं

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त। अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद और बढ़ गया है। कार्यक्रम के आयोजक, अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग का सोशल मीडिया मंच एक्स अकाउंट निलंबित कर दिया गया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी कार्यक्रम और आरएसएस के प्रति अपना विरोध जता चुके हैं। वहीं, अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने भी भागवत का वीज़ा रद्द करने की मांग की है। एक्स पर आयोजकों का अकाउंट अब उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है। संगठन ने कहा है कि यह निलंबन गलती से हुआ हो सकता है। संगठन के अनुसार, उसके संचार में शांति, एकता, सद्भाव और अलग-अलग धर्मों व संस्कृतियों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया गया है और उसने एक्स की नीतियों का पालन किया है।

मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इंफोसिस थिएटर में 'यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता होंगे। भागवत इस समय अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की तीन देशों की यात्रा पर हैं। इसी कार्यक्रम को लेकर न्यूयॉर्क में राजनीतिक विवाद भी सामने आया है।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि वे आरएसएस या प्रस्तावित कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार शहर प्रशासन के पास है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। ममदानी ने आरएसएस की विचारधारा का भी विरोध किया और इसे देश की समावेशी सोच के लिए चिंताजनक बताया। उनके बयान पर भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

अमेरिकी कांग्रेस द्वारा गठित धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी सलाहकार संस्था यूएससीआईआरएफ ने ट्रंप प्रशासन से मोहन भागवत का वीजा रद्द करने की मांग की है। संस्था ने आरएसएस से जुड़े संगठनों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसक हमलों का आरोप लगाया है। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए यूएससीआईआरएफ को पक्षपाती और विश्वसनीयता से रहित संगठन बताया है।

दिल्ली एनसीआर में प्याज़ 35 रूपए किलो के भाव बिका

केन्द्र सरकार ने बफर स्टॉक से 1.21 लाख टन प्याज़ बाज़ार में उतारा, ताकि दामों में कटौती की जा सके

- जाल खंबाता -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। केन्द्र सरकार गुरुवार से राष्ट्रीय राजधानी में उपभोक्ताओं को 35 रुपये प्रति किलो की रियायती कीमत पर सीधे प्याज बेचना शुरू करेगी। इसका उद्देश्य प्याज की बढ़ती कीमतों को कम करना है, जो इस समय 55-60 रुपये प्रति किलो के आसपास हैं।

■ **बुधवार तक 55 से 60 रूपए किलो के भाव तक प्याज़ की बिक्री हुई थी।**

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बाजार में उतारा जा रहा प्याज, 2026 के लिए प्याज उत्पादक राज्यों में रखे गए 1.21 लाख टन के बफर स्टॉक से लिया जा रहा है। केन्द्र सरकार प्याज की बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष का इस्तेमाल कर रही है। खुदरा बिक्री नाफेड, नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनसीसीएफ) और केन्द्रीय भंडार के आउटलेट्स के जरिए की जाएगी।

एनसीसीएफ 100 केन्द्रीय भंडार स्टोरों के जरिए उपभोक्ताओं को सीधे प्याज बेचेगा। वह दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी के आउटलेट्स के जरिए भी बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है।

एनसीसीएफ के पास प्याज का 62,000 टन का बफर स्टॉक है और वह महाराष्ट्र के नासिक से 400 टन प्याज दिल्ली ला रहा है। कांदा एक्सप्रेस के गुरुवार को दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है।

नाफेड के पास 55,000 टन से कम प्याज का बफर स्टॉक है। वह भी दिल्ली और कोच्चि तथा गुवाहाटी समेत, अन्य केन्द्रों पर प्याज बेचेगा। प्याज से लदी पहली ऐसी मालगाडी, जिसमें 800 टन प्याज है, नासिक से रवाना हो चुकी है और दिल्ली पहुंच रही है।

दिल्ली के अलावा चार अन्य केन्द्रों -चेन्नई, एर्नाकुलम, मदुरै और गुवाहाटी-में भी इस उद्देश्य के लिए चलाई जा रही विशेष मालगाड़ियों के जरिए प्याज की आपूर्ति की जाएगी।

उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार आने वाले दिनों में कोलकाता, भुवनेश्वर, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, गुवाहाटी और रायपुर में भी यह योजना शुरू करने का इरादा रखती है।

इस बीच, महाराष्ट्र के नासिक और लासलगांव के थोक बाजारों में प्याज की कीमतें गिरने लगी हैं। यह गिरावट सरकार की बाजार में हस्तक्षेप करने की घोषणा के बाद आई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इससे महंगाई बढ़ने की आशंका कम हुई है, जो कीमतों में लगातार बढ़ोतरी की एक बड़ी वजह बन रही थी।

यह कदम पिछले एक महीने में प्याज की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी के बीच उठाया गया है। देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत 25 अगस्त को 28 प्रतिशत से अधिक बढ़कर, 44.72 रुपये प्रति किलो हो गई, जबकि एक महीने पहले 25 जुलाई को यह 34.80 रुपये प्रति किलो थी। एक साल पहले प्याज 28.67 रुपये प्रति किलो बिक रहा था। इसकी तुलना में अब कीमत 56 प्रतिशत बढ़ चुकी है।

पंजाब की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यवहार को लेकर राजनीतिक बहस फिर तेज हो गई है। फरलो जेल से मिलने वाली ऐसी छुट्टी है, जिसके लिए किसी विशेष या आकस्मिक कारण की आवश्यकता नहीं होती। यह पात्र कैदियों को नियमों और निर्धारित शर्तों के अधीन मिलने वाला वैधानिक लाभ है। प्रत्येक राज्य में कैदियों को फरलो देने के लिए अपने अलग नियम और दिशानिर्देश होते हैं। राम रहीम को मिली ताजा फरलो 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। हालांकि इस बात का कोई आधिकारिक संकेत नहीं है कि फरलो चुनावी लाभ के लिए दी गई है, लेकिन इसका समय संदेह पैदा करने वाला है और इसको लेकर राजनीतिक सवाल उठना सम्भावित है।

लॉ स्टूडैंट्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी डिग्रियां ''अनुपस्थिति'' में प्रदान की जाएंगी।

सूचना में कहा गया, 23 अगस्त, 2026 को अकादमिक प्रशासन टीम ने स्नातक छात्रों को ईमेल भेजकर 12 सितंबर, 2026 को वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित करने की प्रस्तावित तारीख की जानकारी दी थी। हमारे सभी प्रयासों के बावजूद, अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हम 34वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं कर सके।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने कहा कि स्नातक छात्रों को उनकी डिग्रियां कूरियर से भेजी जाएंगी। इन्हें कैंपस से भी लिया जा सकता है।

सूचना में आगे कहा गया, विश्वविद्यालय आज कुछ समय बाद सभी स्नातक छात्रों के साथ नया फॉर्म और प्रक्रिया साझा करेगा, ताकि वे अपनी पसंद का विकल्प चुन सकें।

यह घटनाक्रम नलसार विवाद की पृष्ठभूमि में सामने आया है। ज्ञातव्य है कि हैदराबाद स्थित इस लॉ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश की प्रस्तावित मौजूदगी का विरोध किया था।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया की उस मामले में दखल देने के लिए आलोचना भी की थी, जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि वह उनके और छात्रों के बीच का मामला है।

ट्रंप की ''कभी न हारने वाले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए उनके अपने हित भी हैं। राइश के मुताबिक, यह स्थिति अमेरिकी शक्ति के प्रदर्शन के बजाय उसकी सीमाओं को दिखाने का जरिया और बन गई है।

उनका तर्क है कि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि ट्रंप का बाकी जगहों पर भी रवैया ज्यादा आक्रामक क्यों होता जा रहा है।

जब ट्रंप को विरोध का सामना करना पड़ता है, तो वो पीछे नहीं हटते, बल्कि टकराव को और बढ़ाते हैं। कोई संस्था उन्हें चुनौती देती है तो वे उस संस्था पर हमला करते हैं। अदालतें उन्हें रोकती हैं तो वे दूसरा रास्ता तलाशते हैं। सहयोगी देश विरोध करते हैं तो उन्हें धमकाते हैं। राइश की व्याख्या में उद्देश्य अब किसी सुसंगत नीतिगत परिणाम को हासिल करने से अधिक यह साबित करना होता जा रहा है कि कोई भी उन्हें चुनौती नहीं दे सकता।

कैनडा इसका शायद सबसे स्पष्ट उदाहरण है। राइश के अनुसार, कैनडा से होने वाले आयात पर भारी शुल्क लगाने का ट्रंप का फैसला एक तरह की राजनीतिक भरपाई की कोशिश थी, एक ऐसी लड़ाई जिसे जीत के रूप में पेश किया जा सके, ऐसे समय में, जब दूसरे मोर्चों पर जीत हासिल करना कठिन होता जा रहा हो। लेकिन कैनडा ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे ट्रंप की जबरदस्ती करने की कोशिश अमेरिकी वर्चस्व के त्वरित प्रदर्शन के बजाय एक और टकराव में बदल गई, जबकि वे शायद कुछ और ही चाहते थे।

यह प्रतिक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ट्रंप की, सावधानी से बनाई गई ''बेहतरीन ड्रीममेकर'' छवि को चुनौती देती है, जिसमें वे खुद को सर्वोच्च सौदेबाज के रूप में पेश करते हैं, एक ऐसा व्यक्ति जो धमकी देता है, सामने वाला झुक जाता है और ट्रंप जीत की घोषणा कर देते हैं।

राइश का कहना है कि अब इसका उलटा हो रहा है। सहयोगी देश विरोध कर रहे हैं। विदेशी सरकारें वॉशिंगटन की इच्छाओं के आगे झुकने से इनकार कर रही हैं। विश्वविद्यालय उनके निर्देशों का विरोध कर रहे हैं। मीडिया संस्थाएं उन्हें अदालत में चुनौती दे रही हैं। उनकी अपनी पार्टी के सदस्य उनके फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं। और बाजार, जिन्हें राष्ट्रपति की बयानबाजी से डराया नहीं जा सकता, उनकी आर्थिक और राजकोषीय नीतियों को लेकर अपनी चिंताओं के संकेत दे रहे हैं।

इन सभी घटनाओं का सामूहिक प्रभाव किसी एक घटना या झटके से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

ट्रंप की राजनीतिक शक्ति काफी हद तक इस धारणा पर टिकी रही है कि वे अजेय हैं। समर्थक ऐसे नेता के पीछे लामबंद होते हैं, जिसके बारे में उनका विश्वास है कि वह हमेशा जीतता है। वहीं विरोधी इस बात से डर जाते हैं कि ट्रंप को चुनौती देने की राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। लेकिन एक बार जब यह धारणा खत्म हो जाती है तो पूरा समीकरण बदल जाता है।

यही वजह है कि राइश ट्रंप के लगातार टकरावों को उनके लिए आत्मघाती मानते हैं। हर वह धमकी जो सामने वाले को झुकाने में विफल रहती है, हर वह नीति जो जवाबी कार्रवाई को जन्म देती है और हर वह संस्थागत चुनौती जो उनके दबाव के बावजूद कायम रहती है, उनकी ताकत की छवि को और कमज़ोर करती है।

विडंबना यह है कि ट्रंप शायद इस गिरती स्थिति का जवाब और अधिक आक्रामक होकर दे रहे हैं और यही व्यवहार उनकी कमज़ोर होती स्थिति को और अधिक साफ तौर पर सामने ला रहा है।

राइश का निष्कर्ष यह है कि ट्रंप की सबसे बड़ी राजनीतिक समस्या शायद यह नहीं है कि वे अलग-अलग लड़ाइयां हार रहे हैं, बल्कि यह है कि दुनिया अब उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में देखना शुरू कर रही है, जो हार भी सकता है।

जिस राष्ट्रपति की पूरी राजनीतिक छवि खुद को अंतिम विजेता साबित करने पर टिकी हो, उसके लिए यही शायद सबसे निर्णायक हार हो सकती है।

मराठी सीखने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त को मुंबई में ऑटो-रिक्शा चालकों द्वारा तीन दिन की हड़ताल शुरू किए जाने के दो दिन बाद लिया। चालक मराठी भाषा संबंधी निर्देश के विरोध में हड़ताल पर गए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908